

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 33] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 18, 1979 (श्रावण 27, 1901)
No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 18, 1979 (SRAVANA 27, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेकापरीकाक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संस्थान और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जुलाई 1979

मं. प० 12019/1/79-प्रशा०-II—इस कार्यालय का अधिसूचना मं. प० 1042/प्रशा० II दिनांक 30 जून 1979 में आगिने संशोधन करने हुए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थाई निजी सचिव (क०. ग० स्ट०. म० का चयन ग्रेड) श्री टी० एम० कोकेल को 10-7-79 से आगामी आदेश तक अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के विशेष सम्बाध के पद पर स्थानान्तरण आधार पर प्रतिनियुक्त पर (पूर्ण क—वेतनमान रु 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300) स्थानान्तरण के कार्य करने के लिए नियुक्त हिता जाता है। जितु 30-6-79 (अपराह्न) से 9-7-79 (अपराह्न) तक की अवधि 15 दिनों श्री टी० एम० कोकेल की नियुक्ति रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में अध्यक्ष के विशेष महायोग के पद पर शुप्र 'ख' पर ज्ञागी।

अध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर नियुक्ति हो जाने के कारण श्री टी० एम० कोकेल का वेतन ममय ममय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० जा० मं० 10(24)-ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

दिनांक 20 जुलाई 1979

मं. प० 32013/2/77-प्र०-I—कालीकट क्षेत्रीय इंजीनियर कालिज, कालीकट में लेक्चरर और संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानान्तरण अवर सचिव डा० शार० भास्तरत को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के माध्य पठित विनियम 4 के परन्तर ही अन्तर 21-7-1979 के पूर्वाह्न से 20-10-1979 तक, आश्वास आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानान्तरण के कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० 32013/2/77-प्रश्ना०-I—आकाशवाणी महानिदेशालय में महायक योजना प्रधिकारी सेवा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न अवर सचिव श्री बी० एन० वैद्यनाथन को, श्रद्धालु, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) वित्तियमावली 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के परन्तुके अनुसार 30-7-79 के पूर्वाल्प से 20-10-79 तक अथवा आगामी श्रावण तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से वार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० बालचन्द्रन

अवर सचिव

कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 जुलाई 1979

सं० ए० 32014/1/79-प्रश्ना०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय भेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थाई महायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने दर्शाई गई अवधि के लिए अवश्य आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अनुभाग प्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से, तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	अवधि जिसके लिए अनुभाग प्रधिकारी नियुक्त किया गया
1.	श्री कौ० पी० श्रव्यर	17-6-79—31-7-79
2.	श्रो आर० पी० गर्मा	27-7-79—11-8-79
3.	श्री एस० डी० एस० मिनहाम	18-6-79—2-8-79
4.	श्री कृष्ण कुमार	1-6-79—21-7-79
5.	श्री जी० पी० भट्टा	1-6-79—16-7-79
6.	श्री एस० एन० घोष	4-6-79—19-7-79
7.	श्री घो० पी० कथूरिया	4-6-79—19-7-79

सं० ए० 38013/1/79-प्रश्ना०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थाई निजी सचिव (कौ० स० स्ट० से० का० प्रेड क) श्री जी० आर० सपड़ा को राष्ट्रपति द्वारा 3 जुलाई, 1979 के पूर्वाल्प से केन्द्रीय मिलिं सेवा (पेंशन) वित्तियमावली 1972 के नियम 48 के अनुसार सरकारी सेवा में स्वैच्छिक सेवा निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक: 25 जुलाई 1979

सं० ए० 32013/1/79-प्रश्ना०-—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग प्रधिकारी प्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अवश्य आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा

के प्रेड I में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

क्र० सं०	नाम	अवधि
1.	श्री बी० एस० कपूर	12-7-79 से 11-10-79 तक
2.	श्री जे० पी० गोयल	2-7-79 से 16-8-79 तक
3.	श्री आर० एन० खुराना	1-6-79 से 16-7-79 तक

दिनांक 26 जुलाई 1979

सं० ए० 32014/1/79-प्रश्ना०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय संवर्ग के निम्नलिखित स्थाई महायकों को राष्ट्रपति द्वारा, प्रत्येक के सामने दर्शाई गई अवधि के लिए अवश्य आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अनुभाग प्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	अवधि जिसके लिए नियुक्त किया गया
----------	-----	---------------------------------

1.	श्री बी० आर० बसरा	1-7-79 से 29-8-79 तक
2.	श्री आर० कौ० जसुजा	1-7-79 से 31-8-79 तक
3.	श्री एम० एन० गर्मा	1-7-79 से 31-8-79 तक
4.	श्री जय नारायण	1-7-79 से 31-8-79 तक
5.	श्री एम० आर० खन्ना	1-7-79 से 31-8-79 तक
6.	श्री एन० कौ० ढींगरा	1-7-79 से 31-8-79 तक
7.	श्री बी० एल० गर्मा	1-7-79 से 31-8-79 तक
8.	श्री एम० एन० अरोड़ा	12-7-79 से 20-8-79 तक
9.	श्री जे० एल० सूद	1-7-79 से 10-8-79 तक

एम० बालचन्द्रन
अवर सचिव

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1979

सं० 87 आर० सी० टी० 28—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद द्वारा श्री जे० सी० गर्ग, स्थाई अनुभाग प्रधिकारी, केन्द्रीय सचिवालय सेवा को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 21 जुलाई, 1979 (अरवाह) से शगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से अनुभाग प्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मतहोता
अवर सचिव
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० एम० V-1/79 विधाई-प्रकार्ण-के० डब्ल्यू०/कार्मिक-11—केन्द्रीय सरकार, अधिनियम सं० 45 द्वारा यथा संशोधित दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1973 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रौं एम० एस० कुण्डल संयुक्त सहायक निदेश (विधि) केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, राम कृष्ण पुरम नई दिल्ली को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अधिनियम, 1949, (1949 का 66) की धारा 9 या 10 के अधीन दण्डनीय अपराधों से संबंधित सभी आपराधिक मामलों में, जो केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सदस्यों के विरुद्ध संस्थित किए गए हैं और इस अधिसूचना की तारीख से पूर्व विभिन्न कमांडेंट सहायक कमांडेंट-एवं-न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के समक्ष-लम्बित हैं, अभियोजन के संचान के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करता है।

एस० एस० जोग
संयुक्त सचिव

का० एवं सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० ए० 19021/1/79-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद में श्री ई० एन० राममोहन, भारतीय पुलिस सेवा (1965-मेंदालय) को दिनांक 9 जुलाई, 1979 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

हीरो ए० शहानी
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 27 जुलाई 1979

सं० पी०-सात-6/77-स्था०—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित सुवेदार मेजरों/सुवेदारों को उप पुलिस अधीक्षक के पद पर अस्थाई रूप में अगले आदेश जारी होने तक पदोन्नत करते हैं।

2. उन्होंने अपने पद का कार्यभार बटालियनों में उनके समक्ष दी हुई तिथियों से संभाल लिया है:—

क्रमांक अधिकारी का नाम यूनिट का कार्यभार सम्भालने नाम की तिथि

1	2	3	4
1. श्री रघुबीर सिंह	1 बटालियन	15-6-79	पू०
2. श्री एन० एस० रावत	36 ,,	8-6-79	,,
3. श्री टी० सी० यादव	24 ,,	21-6-79	,,

1	2	3	4
4. श्री बुध राम	30 बटालियन	14-6-79	पू०
5. श्री छत्तर मिह यादव	38 ,,	13-6-79	,,
6. श्री मिलाप सिंह	20 ,,	20-6-79	,,
7. श्री नानक सिंह	45 ,,	19-6-79	,,
8. श्री सुरेण चन्द्र	52 ,,	15-6-79	प्र०
9. श्री जै० के० छिब्बर	33 ,,	19-6-79	पू०
10. श्री शिव लाल	6 ,,	26-6-79	,,

दिनांक 28 जुलाई 1979

सं० पी०-सात-1/79-स्था०—राष्ट्रपति, सुवेदार हरी-चन्द को उपपुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/वॉर्टर मास्टर) के पद पर के० रि० पु० बल में केवल तदर्थ रूप में 16-6-79 से पदोन्नत करते हैं।

2. उपयुक्त तदर्थ रूप में हुई पदोन्नति से श्री हरीचन्द को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में, उपपुलिस अधीक्षक पद की वरिष्ठता/पुस्ट मान्य नहीं होती। उनका तदर्थ रूप में पदोन्नति का कार्य काल उनके अग्रिम प्रमोशन के लिए नहीं जोड़ा जाएगा।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशा०)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० 10/28/78-प्रशा०-1-14423—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में वरिष्ठ भूगोलवेत्ता और इस समय उसी कार्यालय में मानचित्र विश्लेषक के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत श्री महेश राम को तारीख 4 जुलाई 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उसी कार्यालय में नियमित आधार पर, अस्थाई क्षमता में अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री महेश राम का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/9/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत में महापंजीकार के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) और इस समय उसी कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत श्री सी० जी० जाधव को तारीख 9 जुलाई 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उसी कार्यालय में नियमित आधार पर अस्थाई क्षमता में विशेष कार्य अधिकारी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री जाधव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/81/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, मणिपुर सिविल सेवा के अधिकारी श्री आरा० के० बीरेन्द्र सिंह को तारीख 30 जून, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक मणिपुर,

इम्फाल में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिंह का मुख्यालय इम्फाल में होगा।

शुद्धि पत्र

सं० 11/84/79-प्रश्ना०-1-14448—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 11/84/79-प्रश्ना०-1 तारीख 16 जुलाई, 1979 के पैरा 1 में श्री के० एम० नंगी की हिमाचल प्रदेश, शिमला में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर नियुक्ति की तारीख को “9 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से” पढ़ा जाए।

दिनांक 27 जुलाई 1979

सं० 7/2/79-प्रश्ना०-1-14850—राष्ट्रपति, विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर और मध्य लोक सेवा आयोग के साथ परामर्श करके श्री के० आर० उशी को 21 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उप निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर स्थायी तौर पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री उशी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/94/79-प्रश्ना०-1-14843—राष्ट्रपति, श्री पी० एस० आर० अवधानी को तारीख 1 अगस्त, 1979 से 6 महीने की अवधि के लिए 1100-50-1600 रु० के वेतनमान में आंध प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष पुनर्नियुक्त करते हैं।

श्री अवधानी का मुख्यालय हैदरगाहाद में होगा।

दिनांक 28 जुलाई 1979

सं० 11/75/79-प्रश्ना०-1-14907—राष्ट्रपति, भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड-2 के अधिकारी और इस समय गोवा, दमन और दीव में योजना और सांख्यकीय निदेशक के पद पर कार्यरत श्री एम० के० गन्धे को तारीख 20 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक गोवा, दमन और दीव, पणजी में पदेन जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री गन्धे का मुख्यालय पणजी में होगा।

सं० 11/93/79-प्रश्ना०-1—राष्ट्रपति, भारतीय प्रश्न-सैनिक सेवा के गुजरात मंवर्ग के अधिकारी श्री आर० एम० छाया को तारीख 17 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक गुजरात, अहमदाबाद में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री छाया का मुख्यालय अहमदाबाद में होगा।

दिनांक 30 जुलाई 1979

सं० 10/28/78-प्रश्ना०-1-15165—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के वरिष्ठ भूगोलवेत्ता और इस समय तदर्थी आधार पर अनुसंधान अधि-

कारी (मानचित्र) के पद पर कार्यरत श्री एस० डी० त्यागी को तारीख 12 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उसी कार्यालय में नियमित आधार पर, अस्थाई तौर पर अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री त्यागी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/91/79-प्रश्ना०-1—राष्ट्रपति, भारतीय प्रश्न-सैनिक सेवा के संघ राज्य क्षेत्र मंवर्ग के अधिकारी और इस समय संघ राज्य क्षेत्र लक्ष्मीप के प्रशासक के पद पर कार्यरत श्री पी० एम० नायर को तारीख 22 जून, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक लक्ष्मीप क्वार्टरी में पदेन जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री नायर का मुख्यालय क्वार्टरी में होगा।

पी० पश्चनाभ
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 24 जुलाई 1979

क० बी० एन० पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 19-4-79 के अनुक्रम में श्री गेन्डालाल डामोर की उप-नियंत्रण अधिकारी के पद पर तदर्थी आधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 19-6-79 से आगामी छ: माह तक के लिए बढ़ाई जाती है।

दिनांक 25 मई 1979

फ० सं० बी० एन० पी०/सी०/5/79—श्री एस० एम० मल्होत्रा, स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (यांत्रिकी) को रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय देवास में “सहायक अभियन्ता” (वातानकूलन) के रूप में दिनांक 23-5-79 (पूर्वाह्न) से स्थानात्तर आधार पर स्थानापन्थ रूप में अगले आदेश होने तक नियक्त किया जाता है।

दिनांक 27 जुलाई 1979

क० बी० एन० पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बीएसपी०/सी०/5/78 दिनांक 7-11-78 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आए श्री एन० जो० किंवे, नेहरा अधिकारी की नियुक्ति 30-9-79 तक बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में वर्तमान शर्तों के आधार पर बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम
महाप्रबंधक

कार्यालय, महालेखाकार—प्रथम, मध्य प्रदेश

खालियर दिनांक 6 जुलाई 1979

सं० प्रश्ना०-१/बा० से०/३३२/६९४—सिविल भेवा नियमाबली (पेशन) 1972 के नियम 43 के अन्तर्गत महालेखाकार—प्रथम ने श्री ए० छंदूल शंकर श्रव्यर, लेखा अधिकारी को दिनांक 1-८-७९ पूर्वाह्न से शासकीय भेवा से स्वैच्छिक निवृत्ति होने की अनुमति प्रदान की।

डी० सी० साहू
वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

कार्यालय, महालेखाकार राजस्थान

जयपुर, दिनांक 23 जुलाई 1979

सं० प्रश्ना० II/डी० जी० अधिसूचना/४९६—महालेखाकार राजस्थान ने श्री श्रीम प्रकाश शर्मा—अनुभाग अधिकारी को पदोन्नत करके दिनांक 12-७-७९ (पूर्वाह्न) से अप्रेतर आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

र० अ० बोरकर
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० 2173/ए०-प्रश्ना०/१३०/७९—नैवेली लिगनाईट निगम में स्थाई रूप से अन्तर्नियन के परिणाम स्वरूप श्री टी० गोपालाचार्य स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी का ग्रहणाधिकार अवसान इस विभाग में मूल नियम 14-ए (डी) के अधीन दिनांक 29-७-७९ (पूर्वाह्न) से हो जाएगा।

के० बी० दास भीमिक
संयुक्त निदेशक

रक्षा मंत्रालय

आईनेस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० 4/७९/ए०/एम०—राष्ट्रपतिजी निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तारीखों से आगामी न होने तक, आईनेस फैक्टरियां संघटन में नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	नाम एवं पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक
1.	आ० (श्रीमती) सुजाता चक्रवर्ती, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आईनेस फैक्टरी, खमरिया	22-२-७९
2.	डा० (श्रीमती) छंदूल राय, सहायक चिकित्सा अधिकारी	मेटल एण्ड स्टील फैक्टरी, ईशापुर	22-२-७९

क्रमांक	नाम एवं पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक
3.	डा० राम गोविन्द गुप्ता, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आईनेस फैक्टरी, कानपुर	30-३-७९
4.	डा० हरिपाल सिंह, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आईनेस फैक्टरी, मुरादनगर	9-४-७९
5.	डा० आर० विश्वनाथ रेहु, सहायक चिकित्सा अधिकारी	क्लोदिङ फैक्टरी, आवादी	23-४-७९
6.	डा० रोताश कंवर, सहा० चिकित्सा अधिकारी	आईनेस पैराशूट फैक्टरी, कानपुर	24-४-७९
7.	डा० मुच्चीर कुमार ज्ञा, सहायक चिकित्सा अधिकारी	गन एण्ड शेल फैक्टरी, काशीपुर	24-४-७९
8.	डा० आर० आर० अहरिवार, हैवी वेहिकल सहायक चिकित्सा अधिकारी	फैक्टरी, आवादी	27-४-७९
9.	डा० टी० के० वेनुगोपाल	आईनेस फैक्टरी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	30-४-७९
10.	डा० ए० वीरभद्रपाणा, सहायक चिकित्सा अधिकारी	कार्डिट फैक्टरी, श्रूलवन्काड़	30-४-७९
11.	डा० फूल चन्द्र, सहायक चिकित्सा अधिकारी	स्मान आर्मस फैक्टरी, कानपुर	30-४-७९
12.	डा० हरमित सिंह चांदला	क्लोदिङ फैक्टरी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	शहजहांपुर
13.	डा० पी० रगुनाथ, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आईनेस फैक्टरी, तिष्ठचिरापल्ली	30-४-७९
14.	डा० बी० के० जहागिरदार	ग्रम्यूनिशन फैक्टरी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	किरकी
15.	डा० आर० के० समल, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आईनेस फैक्टरी, देहरादून	7-५-७९
16.	डा० ए० आर० कुलकरणी, वेहिकल फैक्टरी, सहा० चिकित्सा अधिकारी	जबलपुर	14-५-७९
17.	डा० ए० आर० रेहु, सहायक चिकित्सा अधिकारी	ग्रम्यूनिशन फैक्टरी, किरकी	17-५-७९
18.	डा० आर० आर० विलियम्स, सहायक चिकित्सा अधिकारी	ग्रम्यूनिशन फैक्टरी, किरकी	18-५-७९
19.	डा० ए० ए० दालद	गन कैरिज फैक्टरी, साहब, सहायक चिकित्सा अधिकारी	जबलपुर
20.	डा० ए० के० महापात्रा	आईनेस फैक्टरी, कानपुर	14-६-७९

ओ० पी० बहूल
अपर महनिदेशक
कृत महानिदेशक, आईनेस फैक्टरी

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1979

आयात एवं नियंत्रित व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1307/79-प्रशा० (राज०)/5565—राष्ट्रपति, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी “ख” के अधीक्षक श्री सी० पी० मनहोवा की इस कार्यालय में 9 जुलाई, 1979 के दोपहरबाद से छः भास की अवधि के लिए सहायक निदेशक (शुल्क वापसी) के रूप में प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त करते हैं।

राजिन्दर सिंह
उप मुख्य नियंत्रक
आयात नियंत्रित
कृते मुख्य नियंत्रक
आयात नियंत्रित

उद्योग मंत्रालय

(ग्रांडोर्गिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 जुलाई 1979

सं० ए० 19018/316/77-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (प्रशा०) श्री गुलाम कादिर लोन, भारतीय प्रशासनिक सेवा (जम्मू एवं कश्मीर—1970) को दिनांक 1 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, इसी कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-1 (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/(378)/79-प्रशा० (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, आगरा के श्री ओम प्रकाश, लघु उद्योग सम्बद्धन अधिकारी को दिनांक 4 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, इसी संस्थान में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (चमड़ा पादुका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/(115)/74-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद के स्थाई अधीक्षक श्री बी० रामदास को दिनांक 4 अप्रैल, 1979 (अपराह्न) से 6 जून, 1979 तक, इसी संस्थान में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 जुलाई 1979

सं० ए० 19018/(231)/75-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के स्थाई अधीक्षक श्री एम० एल० सर्गेन को दिनांक 8 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, पटना में

स्थानापन्न सहायक निदेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/(379)/79-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के श्री एस० के दसा, लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (रसायन) को दिनांक 4 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से इसी संस्थान में सहायक निदेशक ग्रेड-1 (रसायन) के रूप में अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 जुलाई 1979

सं० ए० 19018/(43)/73-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी० खान मुरक्का महानिदेशालय, धनबाद के उप निदेशक (भारतीयकी) श्री जोगनराम राय को दिनांक 25 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में उप निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 12/316/61-प्रशा० (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग भेवा संस्थान, जयपुर के श्री एस० आर० बर्मा, उप निदेशक (यांत्रिक) को दिनांक 25 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय श्रीजार कक्ष लुधियाना में तदर्थ आधार पर निदेशक ग्रेड-II (यांत्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(70)/73-प्रशा० (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, संगठन एवं प्रबन्ध सेवा (आयकर) निदेशालय, नई दिल्ली के उप प्रणाली परामशंदाता को दिनांक 9 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (भारतीय खांडप्रकी सेवा, ग्रेड-III) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(330)/77-प्रशा० (राजपत्रित) खाद्य विभाग में स्वेच्छा से वापस चले जाने पर श्री बी० बी० कें० राव, ने दिनांक 22 जून, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में उप निदेशक (खाद्य) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महेन्द्र पाल गुप्त
उप निदेशक (प्रशा०)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 28 जुलाई 1979

सं० ई० एस० बी०-1-2(656)/3395—वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के सहायक निदेशक, वित्तीय श्रेणी (नान-ट्रेक्टिनस्ल) श्री विलियम परेरा संवा-निवृत्त की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 जून 1979 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गए।

जी० चं० हांसदाक
उप निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग—I)

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं. प्र०-1/1(398)।—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड III ग्रुप “अ”) श्री पी० एम० ग्लैडे को 7 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से उसी महानिदेशालय नई दिल्ली में स्थानापन्न उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड II ग्रुप “अ”) के रूप में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं. प्र०-1/1(644)।—राष्ट्रपति, श्री आर० वी० पट्टाभिरामन उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड II) को दिनांक 13-6-79 के अपग्रह से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में तदर्थ आधार पर पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप “ए” के ग्रेड 1) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं. प्र०-1/1(656)।—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड II) श्री ओ० पी० श्रीवास्तव को दिनांक 14 जून, 1979 के पूर्वाह्न से इस महानिदेशालय नई दिल्ली में पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड I में) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर
उप निदेशक (प्र०)

इम्प्रात और खान मंद्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 26 जुलाई 1979

सं. 4424बी ए०-19012(4-एस० के० टी०)/78-19-बी०—श्री एम० के० थापलियाल, ड्रिलर को, खनिज समन्वयन निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लिं.) में उनकी उप ड्रिलिंग इंजीनियर के पद पर नियुक्ति के कारण, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 28 मई, 1979 के अपराह्न से मुक्त किया गया है।

सं. 4435 बी० ए०-32014(3-महायक रमायनज्ञ)/78-19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विशेष तकनीकी महायक (रमायन श्री ए० के० चटर्जी को सहायक रमायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 7-6-1979 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 27 जुलाई 1979

सं. 4472 बी०ए०-32014/(3-महायक रमायनज्ञ) 78-19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विशेष तकनीकी महायक (रमायन) श्री वी० वी० श्रीपा गाव को महायक रमायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एम० कृष्णस्वामी
महानिदेशक

आराणवाणा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं. 2/2/60-एस०-द०—अधिवार्पिक की आयु प्राप्त करने पर श्री जे० डी० जौहरी, प्रशासनिक अधिकारी, एच० पी० टी०, आकाशवाणी खामपुर, 30 जून, 1979 (अपराह्न) से मरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं।

एस० वी० सेपाद्रि
प्रशासन उपनिदेशक
कूते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1979

सं. 4(900)/75-एम०-एक—श्री राम प्रसाद शास्त्री, कार्यक्रम निष्पादक आकाशवाणी, पटना की बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी में प्राध्यापक (वाच्य संगीत) के रूप में नियुक्ति होने के फलस्वरूप उन्हे 1 मई, 1979 के अपराह्न से कार्यक्रम निष्पादक के पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया ताकि वह बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी में अपना कार्यभार संभाल सकें।

लेख राज
प्रशासन उपनिदेशक
कूते महानिदेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1979

सं. ए० 19012/23/79-एम०-II—महानिदेशक दूरदर्शन श्री आर० पी० रामू को जो पहले आकाशवाणी पुणे में प्रशासनिकाधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे को दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास में दिनांक 16-5-1979 (पूर्वाह्न) से रु० 650-1200 के वेतनमान में विशेष प्रशासनिकाधिकारी के रूप में आगे आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

वी० पी० अग्रवाल
उपनिदेशक (प्रशासन)
कूते महानिदेशक

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० ए० 12025/1/79—स्था०—तीन—ओवेंग स्वास्थ्य कार्यालय, कलकत्ता के श्री आई० प्रभाद्व नो दिसम्बर, 1979 के अन्त तक अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पूर्ण हो, मूल्यांकन अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर बने रहने की अनुमति दी जाती है।

यह अधिसूचना संघ लोक रेवा आयोग की सम्मति से जारी की जाती है जो उनके 5-7-79 के पद सं० ए० 2/40(10)/79-ए० य०० आई० पर अक्षित है।

ए० ए० १०० गोपालद्वाज्ञ
अवर मन्त्रिव

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० ६-३५/७९-ओपध नियंत्रक—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय औपध प्रयोगशाला, कलकत्ता के वरिठ वैज्ञानिकी सहायक (फार्माकोलोजी) श्री ए० के० खसनोबिस को २२ जून, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी प्रयोगशाला में तकनीकी अधिकारी (फार्माकोलोजी) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ६-३५/७९-ओपध नियंत्रक—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय औपध प्रयोगशाला, कलकत्ता के अनुसंधान महायक (फार्मस्यूटिकल कैमिस्ट्री) श्रमितों पर्याय भट्टाचार्जी को २२ जून, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी प्रयोगशाला में तकनीकी अधिकारी (फार्मस्यूटिकल कैमिस्ट्री) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

ए० ए० १०० गोपोद्धर
ओपध नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० ए० ३२०१४/७/७८ (ए० जे० ए०) प्रशा०—१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय संवर्ग के महायक (बैन्द्रीय सचिवालय सेवा का ग्रेड ४) श्री ए० ए० धर्मीजा को २० जून, 1979 की पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सफदरजंग असातान, नई दिल्ली में महायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० ए० १२०२६/२७/७८—(ए० न्य०) प्रशा० १—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने कुमारी कुम कुम भूषण एवं कुमारी सुचित्रा थापर को अमर २६-६-७९ (पूर्वाह्न) और ३-७-७९ (अप्राह्न) से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य

सेवा महानिदेशालय में अनुसंधान अधिकारी (पोषण) एवं वरिठ आहरविद (डायटिशियन) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

बम्बई-४०००८५, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० के०/२१८६/ई० श्रार० पी०/स्था०/१/३५८९—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने, श्रीमती निशा यशवंत केलकर का, जो इसी केन्द्र के स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी०) तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (ए० स० बी०) है; सेवा से त्यागपत्र तातो ८ जून, 1979 अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

कुमारी ए० च० बी० विजयकर
उप० स्थानापन्न अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/१(१३१)/७९—ए० स०—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थाईवत फोरमेन तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए० स० बी०, श्री ए० स० के० लाल, को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए० स० बी० के पद पर, २३ जून 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/१(१२६)/७९—ए० स०—४४७०—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थाईवत फोरमेन तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए० स० बी० श्री के० ए० शर्मा को, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना ने वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए० स० बी० के पद पर १९ जून 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/१(१३४)/७९—ए० स०—४४७२—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायीवत ए० स० प० तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए० स० बी०, श्री आई० प०० चांदना को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए० स० बी० के पद पर २५ जून 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रशासन/1(130)/79-एस०-8473—नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थाई फोर्मैन तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०, श्री प्रशुद्यान का नरीरा परमाणु विद्युत् परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर 22 जून, 1979 के पूर्वाह्न से, स्थानापन्न स्वप्न में अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रशासन/1(132)/79-एस०-8471—नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थायी एस० ए० 'सी०' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर ग्रेड एस० बी०, श्री डी० ए० न० बजाज, को नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर 23 जून, 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न स्वप्न में अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

एस० वृष्णन्
प्रशासन अधिकारी
कृत सुख्य परियोजना अभियन्ता

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रम एवं भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० डी० पी० एस०/21/1(3)/78-स्थाना/18870—निदेशक, क्रम एवं भण्डार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग श्री कमल प्रसाद सिंह भण्डारी को, प्रभारी सहायक भण्डार अधिकारी पद पर रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में, अस्थाई स्वप्न में, दिनांक 30 जून 1979 से अग्रिम आदेशों तक इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/21/1(3)/78-स्थाना/18880—निदेशक, क्रम एवं भण्डार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री बाल कृष्ण धर्म मोरे भण्डारी को, प्रभारी सहायक भण्डार अधिकारी पद पर, रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतन क्रम में, अस्थाई स्वप्न में, दिनांक 7 जुलाई, 1979 से अग्रिम आदेशों तक इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ,
प्र० अधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० डी० पी० एस०/21(1)/77-प्रशासन/18851—निदेशक, क्रम एवं भण्डार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री एस० एन० शन के भण्डार अधिकारी नियुक्त होने के कारण इस निदेशालय के अस्थायी भण्डारी श्री बी० बी० नायर को स्थानापन्न स्वप्न में सहायक भण्डार अधिकारी पद पर रूपये 650-30-740-35-810-द०रो० 2-196GI/79

35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में 4-5-1979 से 11-6-1979 तक नदर्थ स्वप्न में इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
गवायक कामिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदरगाबाद 50001, दिनांक 23 जूनाई, 1979

सं० प० ख० प्र०-1/29/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद् द्वारा श्री नागलपति रंगनाथ का परमाणु खनिज प्रभाग में 11 जून, 1979 को पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न स्वप्न में वैज्ञानिक अधिकारी अभियन्ता ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/29/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री जादब नन्द दाम को परमाणु खनिज प्रभाग में 12 जून, 1979 को पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न स्वप्न में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जुलाई, 1979

सं० प०ख०प्र०-1/8/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री मुमैर सिंह फोरमैन (यांत्रिक) को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 फरवरी, 1979 की पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न स्वप्न में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

एस० एस० राव,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु विजली घर

महाराष्ट्र, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० टी० प० पी० एस०/1/19(3)/76-आर०—संवर्ग प्राधिकरण द्वारा तैनात किए जाने पर मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु विजली घर, परमाणु ऊर्जा विभाग, भासा परमाणु अनुसंधान केंद्र के श्री के० भास्करन नायर, स्थायी अवर श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न सहायक लेखा पाल को, तारापुर परमाणु विजली घर में अस्थायी क्षमता में, दिनांक 20 जुलाई, 1979 अपराह्न से अगले आदेश होने तक सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं। नियुक्ति की तिथि से पक्क वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षाधीन रहेंगे।

ए० डी० देसाई,
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

सिविल इंजीनियरी वर्ग

कलपाक्षकम 603102, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० डी०ई०जी०/1(6)/79-प्रशासन—इस परियोजना की दिनांक 25 मई, 1979 की समसंख्यक अधिसूचना का अधि-

क्रमण करते हुए, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, कलपाश्वकम के मुख्य परियोजना इंजीनियर, प्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक (सी) (सिविल) श्री एन० पलानी को 1 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न में अगस्ते आदेश तक के निए सिविल इंजीनियरी वर्ग, कलपाश्वकम में प्रस्थायी रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेड एस० बी० नियुक्त करने हैं।

बी० एस० वैकेटेष्वरन,
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

रिप्रेक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाश्वकम, दिनांक 16 जुलाई, 1979

सं० ए० 32023/1/77/प्रार०-रिप्रेक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आणुलिपिक एवं इस केन्द्र के स्थापना प्रबारण श्रेणी आणुलिपिक श्री मुचिन्द्रम राम मुम्बियार सम्भाषितन को दिनांक 16-7-79 से 30-8-79 तक की अवधि के लिए तदर्थे आदार पर स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ठी० एस० बी० अव्यर, प्रशासनिक अधिकारी

दिनांक 22 जून 1979

सं० ए० शी० ए० ए० ए० ए० ए० स्थापना० 72—निदेशक, शार केन्द्र, श्री हरिकोटा में निम्नलिखित कर्मचारियों वो इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में उतके नामों के मामने दी गई तारीखों से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री			
1.	डी० सुरेन्द्र नाथ	इंजीनियर एस० बी०	4-12-78
2.	आर० रामाप्रसाद	इंजीनियर एस० बी०	4-12-78
3.	के० गोपाल कृष्णन	इंजीनियर एस० बी०	4-12-78
4.	आर० देसीकन.	इंजीनियर एस० बी०	4-12-78
5.	बी० के० शिवराम	इंजीनियर एस० बी०	4-12-78
	पाणीकर		
6.	जोसे कुट्टी जाग	इंजीनियर एस० बी०	4-12-78
7.	रमेश कुमार तिवारी	इंजीनियर एस० बी०	12-12-78
8.	ललिता वैकटाचलम्	इंजीनियर एस० बी०	27-2-79
9.	बी० जगन मोहन राव	इंजीनियर एस० बी०	12-4-79

क्रम सं०	नाम	पदनाम	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री :			
1.	बी० बी० बालू	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
2.	एस० लक्ष्मीनारायण	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
3.	बी० सुब्रह्मण्येश्वरराव	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
4.	के० के० बी० एस० रघुराम	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
5.	श्री० सुब्राहामी रेडी	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
6.	ए० लक्ष्मणर्ति	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
7.	ए० कृष्णन	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
8.	एस० जगन्नाथन	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
9.	पी० वैकेटेष्वरन्	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
10.	ए० बी० आर० मोहनराव	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
11.	पी० नागेश्वर राव	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
12.	बी० रविन्द्र रेडी	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
13.	बी० श्रीनिवासन	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979

आर० गोपालरत्नम्,
प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन,
केन्द्र निदेशक

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र
विवेद्वेदम् 695022 जून 21, 1979

सं० वि० सा० अ० क०/स्था० I एफ० / (17)—विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, त्रिवेद्वेदम् में निम्नलिखित व्यक्तियों को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो० 40-960 के बेतनमात्र में, उनके नामों के सामने दी गई तारीखों के अपराह्न से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करने हैं।

क्र० सं०	नाम	पदनाम	प्रभाग/परियोजना	नियक्ति की तारीख
1.	श्री एम० बी० वृषभेन्द्रा	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एम० बी०'	विकास/पी० टी० य०	1-4-78
2.	श्री क० श्रीनिवासमूर्ति	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एम० बी०'	विकास/पी० टी० य०	1-10-78
3.	श्री बी० क० राधाकृष्णन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	ई० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
4.	श्री जेकब अश्राफ़	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	ई० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
5.	श्री आर० शशिधरन	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	ई० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
6.	श्री सी० मी० अब्राह्म	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	ई० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
7.	श्रीमती पी० एन० राधा	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	ई० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
8.	कुमारी ए० आर० सरस्वती	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	सी० जी० डी०	31-3-79 (अतराह्न)
9.	श्री ए० वेंकटाचलम्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आई० एम० आई०	31-3-79 (अपराह्न)
10.	श्री क० य० हमजा	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एम० बी०'	आई० एस० आई०	31-3-79 (अपराह्न)
11.	श्री बी० गंधी	दैशनिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	सी० ओ० एम०	31-3-79 (अपराह्न)
12.	श्री पी० शिधरन असारी	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	पी० एस० सी०	31-3-79 (अपराह्न)
13.	श्री एस० लोकनाथन	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	सी० एम० जी०	31-3-79 (अपराह्न)
14.	श्री ए० ए० जनादनन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	पी० ई० डी०	31-3-79 (अपराह्न)
15.	श्री बी० पी० बालगंगाधरन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	ए० एफ० एल०	31-3-79 (अपराह्न)
16.	श्रीमती बी० राधा	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	एस० एम० ए०/ एम० टी० जी०	31-3-79 (अपराह्न)
17.	श्री सुकेश चन्द्रा पाल	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	एम० ए० सी०	31-3-79 (अपराह्न)
18.	श्री क० बी० श्रीकुमार	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आर० पी० पी०	31-3-79 (अपराह्न)
19.	श्रीमती वस्ता मुरेन्द्रन	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आर० पी० पी०	31-3-79 (अपराह्न)
20.	श्री क० अप्पुकुट्टन	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आर० पी० पी०	31-3-79 (अपराह्न)
21.	श्री क० कृषीवासेन	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आर० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
22.	श्री पी० रवीद्रनाथ	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आर० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
23.	श्री टी० श्रीनिवासराधवन	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आर० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
24.	श्री एन० एन० सुश्रृत्मणियन	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	पी० सी० एम०/ पी० एस० एन०	31-3-79 (अपराह्न)
25.	श्री एम० मंजुनाथ नायक	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एम० बी०'	विकास/पी० टी० य०	31-3-79 (अपराह्न)
26.	श्री एल० एन० नागराजन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	एस० टी० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
27.	श्री फ्रांसिस जोसफ	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	जी० एस० एस०	31-3-79 (अपराह्न)
28.	श्री क० शिवरामन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	एम० ई० टी०	31-3-79 (अपराह्न)

क० एस० नायर
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी, वि० सा० अ० क०
कृते निदेशक, वि० सा० अ० क०

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1979

सं. ए. 32013/1/3/77-स्थापना I—गण्डपति भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित स्थानापन्न श्रेणी-I मौसम विज्ञानियों को उसी विभाग में उनके नामों के सामने दी गई तारीखों तक स्थानापन्न निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

1. श्री टी० एस० अन्जनेयुलू	29-6-1979
	(अपग्रह)
2. डा० एच० एन० श्रीवास्तव	13-6-1979
3. श्री बी० बी० डी० भार्गव	13-6-1979
4. श्री एम० जयराम	13-6-1979
5. श्री एम० राघवन	13-6-1979
6. श्री य० वी० गोपालराव	13-6-1979
7. श्री आर० के० दत्ता	13-6-1979
8. श्री डी० के० मिश्र	13-6-1979
9. श्री पी० वी० जोसेफ	13-6-1979
10. श्री के० चटर्जी	13-6-1979
11. श्री सी० एम० वर्मा	13-6-1979
12. श्री बी० आर० अवस्थी	13-6-1979
13. श्री एम० मी० सिन्हा	13-6-1979
14. श्री ए० वन्द्योगाध्याय	13-6-1979
15. श्री एम० वेंकटगमन	13-6-1979
16. श्री बी० ब्रानामुब्रहमण्यम	13-6-1979
17. श्री मुरेलू कुमार	13-7-1979
18. श्री पी० के० मिश्र	13-6-1979
19. श्री एम० के० घोप	13-6-1979
20. श्री ए० आर० रामकृष्णन	13-6-1979
21. श्री एम० एम० ए० अलवी	13-6-1979

एम० के० दास,

मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक
(प्रशासन एवं भौतिक)

सं. ए. 32014/3/79-ई० मी०—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार मंगठन में निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख में नदर्य आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें कार्यालय में नैतान किया है:—

1. श्री आर० एम० अजमार्ना
2. श्री के० रामलिंगम
3. श्री एम० वा० सुदर्शन।

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1979

सं. ए. 38012/1/79-ई० मी०—निवर्तन आय प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत होने पर निम्नलिखित दो अधिकारियों ने अपने नाम के सामने दी गई तारीख को और अंकित स्टेशन पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:—

क्रम सं०	नाम व पदनाम	तैनाती स्टेशन	रोबा निवृति की तारीख
1.	श्री टी० आर० मेठी, सहायक संचार अधिकारी	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	31-5-79 (अपराह्न)
2.	श्री के० डी० पंडित य हायक तकनीकी अधिकारी	वैमानिक तकनीकी स्टेशन, बम्बई	30-6-79 (अपग्रह)

दिनांक 30 जुलाई, 1979

सं. ए. 32013/10/79-ई० मी०—इस कार्यालय की दिनांक 12-3-79 की अधिसूचना सं. ए. 32013/3/79-ई० मी० के क्रम में गण्डपति जी ने निम्नलिखित तीन अधिकारियों को (जो इस समय महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय में नदर्य आधार पर सहायक निदेशक संचार के पद पर कार्यरत हैं) दिनांक 1-6-1979 से सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियमित रूप में नियुक्त किया है और उन्हें कार्यालय में नैतान किया है:—

क्रम सं०	नाम	माजूदा तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनात किया गया	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री आर० एन० मेहता	वै० सं० स्टेशन, पालम	वै० मं० स्टेशन, पालम	26-6-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री के० एस० आनन्द	“ “ जयपुर	“ “ जयपुर	27-6-79 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एस० के० कृष्णन्	“ “ वार्षिम	“ “ बम्बई	29-6-79 (पूर्वाह्न)
4.	श्री एम० नड्कर्से	“ “ बम्बई	“ “ बम्बई	26-6-79 (पूर्वाह्न)
5.	श्री के० बी० जार्ज	“ “ बम्बई	“ “ बम्बई	26-6-79 (पूर्वाह्न)
6.	श्री एम० इव्वल० शर्मिती	“ “ बम्बई	“ “ बम्बई	27-6-79 (पूर्वाह्न)
7.	श्री एन० वेंकट मुवह्माण्यन	“ “ बम्बई	“ “ बम्बई	26-6-79 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 38015/11/79-ई० सी०—गण्डपति गव्यत घोषित करते हैं कि श्री पी० एन० मन्यान, संचार अधिकारी विमानिक संचार स्टेशन, कलकता पर्याप्त दमदम, कलकत्ता का दिनांक 13-8-79 को निधन हो गया है।

हावस्म राज कोहली,
गिरिशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० ए० 38013/1/79-ई० प०—निर्वन ग्राम्य प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित विमानक्षेत्र अधिकारी, 20 जून, 1979 (अपग्रह) को सरकारी सेवा में निवृत हो गए हैं:—

1. श्री मूल शंकर गर्मा, सिविल विमानक्षेत्र, जयपुर
2. श्री हंस गज, क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नई दिल्ली

बी० वी० जौहरी,
महायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० ए० 32013/4/79-ई० प०—गण्डपति ने गर्वश्री ए० जयसिंह और आर० सी० गुप्त को क्रमशः दिनांक 11-6-1979 और 6-7-1979 से 13-8-1979 तक या पहली के नियमित रूप में भर्त जाने तक जो भी पहले हो, तदनं प्राप्त आपार वर्ग विमानस नियोक्तण के ग्रेड में नियुक्त किया है।

दिनांक 28 जुलाई, 1979

सं० ए० 32014/4/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद में कार्यरत श्री बी० प० गुप्त गुप्ताई संचार महायक को दिनांक 29-6-1979 (पूर्वान्तर) में निर्यामित आधार पर महायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियवत किया है, और उन्हें उसी स्टेशन पर तेजान किया है।

सं० ए० 38015/12/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन सखेद घोषित करते हैं कि श्री आर० स्वामीनाथन, सहायक संचार अधिकारी, विमानिक संचार स्टेशन, नागपुर का दिनांक 13-6-1979 को निधन हो गया है।

गिरिशक गोपाल
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई, 1979

सं० ए० 32013/14/78-ई० प०—गण्डपति ने श्री के० गोपाल, महायक निदेशक (परिचालन) को दिनांक 18 जुलाई, 1979 से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के विमानमार्ग और विमानक्षेत्र मंगठन में उपनिदेशक/विमानक्षेत्र नियंत्रक के पद पर नियुक्त किया है।

श्री के० गोपाल को मुख्यालय में उपनिदेशक (परिचालन) के रूप में तेजान किया जाता है।

बी० वी० जौहरी
सहायक निदेशक प्रशासन

विधि, न्याय एवं अपनी कार्य भवालय

(कम्पनी नियंत्रण विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हुमेंति मिल्क एण्ड आर्ड मिल्क ओनर्स एसोसियेशन निमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 25 जुलाई, 1979

सं० 9832/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हुमेंति मिल्क एण्ड आर्ड मिल्क पावरलूम ओनर्स एसोसियेशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उका कम्पनी विधिटित कर दी जायेगी।

(ह०) अपठनीय
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और पारसोनेल एडमिनिस्ट्रेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई 1979

सं० 21518/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पारसोनेल एडमिनिस्ट्रेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उका कम्पनी विधिटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और देववानी प्रडाक्षण प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई, 1979

सं० 26045/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि देववानी प्रडाक्षण प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उका कम्पनी विधिटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एस० के० इनमेस्टरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई 1979

सं० 29606/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनदब्ल्युआ सूचना दी जाती है कि एस० के० इनमेस्टरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिविरुद्ध हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और व्याकंसेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई 1979

सं० 29632/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनदब्ल्युआ सूचना दी जाती है कि व्याकंसेल इंडिया लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिविरुद्ध हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रिजेन्ट चिट एण्ड इनमेसमेन्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता दिनांक 30 जुलाई 1979

सं० 29753/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनदब्ल्युआ सूचना दी जाती है कि रिजेन्ट चिट एण्ड इनमेसमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिविरुद्ध हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एस० एम० सी० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई, 1979

सं० 23883/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनदब्ल्युआ सूचना दी जाती है कि एस० एम० सी० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिविरुद्ध हो गई है।

एस० आर० सरकार
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
परिचय बंगल।

कार्यालय आयकर आयुक्त दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई, 1979

फा० सं० जुरि० दिल्ली-5/79-80/450—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस बारे में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के आदेशों में संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-5 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम 1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सक्किलों के आयकर अधिकारीयों के अधिकार-क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उन्हें अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :—

अनुसूची

रेज

आयकर डिस्ट्रिक्ट/सक्किल

(1)

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेज-3-ए, नई दिल्ली।

1. डि० 2(1), (3), (4), (5), (6) तथा (7), नई दिल्ली।

निरीक्षीय सहायक आयकर आयकर, रेज-5-सी

2. डिस्ट्रिक्ट 4, नई दिल्ली।

निरीक्षीय सहायक आयकर

2. विंडेश अनुभाग, नई दिल्ली।

निरीक्षीय सहायक आयकर

3. डाक्टर सक्किल, नई दिल्ली।

निरीक्षीय सहायक आयकर

4. डि० 2(2), (8), (9), (10), (11), (12)

नई दिल्ली।

(13), (14), (15)

तथा 16।

यह अधिसूचना 23-7-1979 से लाग होगी।

फा० सं० जुरि०-दिल्ली-5/79-80/800—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 125ए० की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली 5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि इस कार्यालय से दिनांक 7-11-1978 को जारी की गई अधिसूचना सं० जुरि० दिल्ली-5/78-79/27910 दिनांक 23-7-1979 से रद्द मानी जाएगी।

के० आर० राधवन,
आयकर आयुक्त

प्रख्युप श्राई० टो० एन० एम०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक: 1 अगस्त 1979

निदेश सं० पी आर 696-प्रक्ष०-२२-१३३५/१९-८/७८-७९—अतः मुझे एम० एन० पारिख,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-थ के अधीन सत्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय ने अधिक है

और जिसकी स० न० 1731 है तथा जो अठवां लाइन—सुरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-11-1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास लगने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और मन्त्रक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए य आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अक्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रुपी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) नीसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या गन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्राती दाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) (i) श्री वामनराव छगन लाल ज्वरी
(ii) समानगौरी वामनराव जुनन गणेशरी सोमायशी,
B/2, फ्लैट न० 58, 5th फ्लॉर, अन्धेरी (West) बम्बई
(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रबेन मुलवन्द भाई मणेश्वर आरोग्य नगर,
अठवां लाइन, सुरत।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पर्याप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन को अठवां लाइन सुरत में स० न० 1731 में उपस्थित है। जिसका क्षेत्रफल 325-95 स्क्वेयर गज है और जो रजिस्ट्री शोथोरिटी के सुरत कार्यालय में 24-11-1978 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एन० पारिख

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 1 अगस्त, 1979

मोहर:

प्रका. नं. ३० श्री० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन मूलना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 जूलाई 1979

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्य०-II/तत्वस्त्रवर 84/4580—
श्रतः मुझे, आर० बी० एन० श्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), भीषण 269-घ
के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसकी संख्या जी/7 है तथा जो कीरती नगर नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के बार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 30-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रविष्ट है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में अस्तित्व का से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राप्त-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
प्रत-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

बदा अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित अवित्तियों, अधिकतः—

1. उद्धम कीर एवं दर्शन विहारी निवासी जी/7,
कीरती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल सेठी पुष्पव श्री बाल मुकुल नेठी
निवासी 3099 कृता नगर नल्द दिल्ली।

(अन्तर्गती)

को यह मूलना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में होई भी आप्तिप :—

(क) इस मूलना के राजपत्र में प्रत्यापन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
मूलना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-के परिभासित
हैं, वही अर्थ दोगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान, एक मजिला, जो की होल्ड प्लाट नं० 7,
ब्लॉक जी क्षेत्रफल 275 वर्ग गज पर बना है, कीरती नगर,
गोव बमई दारापुर दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित
है:—

उत्तर: मुख्य सहूक

दक्षिण: सर्विस लेन

पूर्व: मकान नं० जी/6-ए

पश्चिम: पार्क

आर० बी० एन० श्रवाल
मन्त्रम प्राधिकारी,

महावाल आयकर आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-7-1979

मोहर:

प्रस्तुप श्राई० डी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा०(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाराष्ट्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-III, नई दिल्ली - 1

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 जुलाई 1979

मा० आई० ए० मा०/प्रकृ०-III/7-79/363:—अर्जन:
मुझे, डी० पी० गोयन

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हस्तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा०(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-16 है तथा जो बैंस्टाइंड कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरेटर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीरेटर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के त्रिपुरायां आया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उस प्रत्यक्ष तिकित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यहां, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

3=196GI/79

1. श्रीमती ऊषा मंडी पत्नि श्री वा० पी० पैठी द्वारा विटल मन्त्र प्राप्त के बाजाद रोड, श्रीनगर (अन्तरक)

2. श्रीमती मनोज नड्डा पत्नि श्री अर्ज० के० नड्डा निवासी 10/22 पूर्वी पटेल नगर नई दिल्ली (अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के वंशधार में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अकित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिना महान त्रिमुः साथ, एक गेरेज दो मर्वेट्स रूप हैं, 457.20 वर्ग मीटर (500 वर्ग गज) के प्लाट पर बना हुआ है जिसका न० सी०-16, वैस्ट प्राप्त कालोनी में निम्न प्रकार में स्थित है:—

पूर्व : सी-17, बैंस्टाइंड कालोनी

पश्चिम : सी 15 बैंस्ट प्राप्त कालोनी।

उत्तर: गली।

दक्षिण : सर्विम रोड (ग्रीन बैल्ट)

डी० पी० गोयन,
मकान प्राधिकारी

महाराष्ट्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-7-79

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-III, विल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०III/7-79/367:—अतः
मुझे, डॉ० पी० गोपल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-45 है तथा जो इन्द्रपुरी, गांव
नारायणा नई दिल्ली-12 में स्थित है (और इसमें उपावड
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 13-11-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मालियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

1. श्रमतो लाज पुत्रो श्री भगवान दास पुनजानी पत्ति
श्री डॉ० बी० तनेजा निवासी नं० 20 प्रेजिडेन्ट
इस्टेट नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री शान्तिलाल गम्भीर पुत्र स्वर्गीय परमानन्द व
श्रीमती चंचल गम्भीर पत्ति श्री शान्ति लाल
गम्भीर निवासी ए०-३९ इन्द्रपुरी नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में वसाप्त होती है, के मीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी-45, जो नरायणा गांव की आवादी
इन्द्रपुरी कालोनी में स्थित है।

डॉ० पी० गोपल,
नक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
प्रजन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-7-79

मोहर :

श्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-III, दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 जुलाई, 1979

सं० श्राई० ए० सी०/पक्ष० III/7-79/365:—अतः
मुझे ई० पी० गोयलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन भावान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैश्रीर जिग्नी संख्या 340/1 है तथा जो शिलमिल
तहीरपुर दिल्ली में स्थित है (प्रौ० इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी वे कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 4-11-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्या करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविवायों, अर्थात् :—1. मै० दुधवर ए० 340/1, जी० टी० रोड शाहदरा
द्वारा लाला जगन्नाथ पुत्र श्री आर० बी० ए०
राम रूप निवासी-74, टोडरमल रोड नई दिल्ली।
(अन्तरक)2. श्री बंसीधर गुप्ता पुत्र लाला पदमचन्द निवासी 1-
बी अयर हिल लेन मिलिल लाइन्स दिल्ली।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भाजन नं० 340/1 (हिस्पा) क्षेत्रफल 390 वर्ग गज
ब्रह्मरा नं० 338/313 शिलमिल तहीरपुरई० पी० गोयल
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज-, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-7-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 जुलाई 1979

मं० आई० ए० सी० /एक्य० III/7-79/364:—अतः
मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सम्प्रभाविकारी को, यह विषयास करने का कारण
है नि लक्षण यमनि, त्रिपक्ति उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिमकी संख्या मी-17 है तथा जो ग्रीन पार्क नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 21-11-1978

को पूर्वान्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत मधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
आयस्वर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रत्यक्त अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवति:—

1. कुमारी उर्वणी अग्रवाल पुत्री श्री एम० पी० अग्रवाल
निवासी एस-418, ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. म० शरत एकान्तोर्दम (प्रा०) लिमिटेड, ए-48,
नारायण औद्योगिक क्षेत्र, फेम-१, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूची जारी करके पूर्वान्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूची के राजवन्म में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूची की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(इ) इस सूची के राजवन्म में प्रकाशन सी तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक डेक मंजिला मकान नं० 17, ब्लाक सी जो 321
वर्ग गज के प्लाट पर बना है, ग्रीन पार्क में निम्न प्रकार से
स्थित है:—

पूर्व : मड़क

पश्चिम : मर्विस लेन

उत्तर : मकान नं० सी-16

दक्षिण : मकान नं० सी-18

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली,

तारीख : 30-7-1979

मोहर :

प्रकाश भाई० डॉ० एम० एट०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली-1
नई दिल्ली-1, दिनांक 31 जुलाई, 1979

मं० आई० ए० सी०/एक्य०-III /7-79/366:—अतः
मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए०
से अधिक है

और जिसकी मंदिर जे-10/40 है तथा जो गाजीरी गाड़न
नई दिल्ली में स्थित है (श्री इसमें उपावद अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन नं० 23-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यमान प्रति-
कल के लिये अन्तरित की गई है और मूल्य पहुँचवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल रो, एवं दृश्यमान प्रतिफल के प इह प्रतिफल से
प्राप्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों)
के बीच एस अन्तरण के लिए तथा या गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्धय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
य करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, किसी भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
आना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार से
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवास:—

1. श्रीमती प्रकाश रानी पस्ति स्वर्गीय श्री दौलत राम
व श्री विजय कुमार, राजिन्द्र मोहन, संजीव कुमार,
विरेन्द्र कुमार व मुनील कुमार पुत्रगण स्वर्गीय
दौलतराम निवासी जे-10/40 राजीरी गाड़न
नई दिल्ली।

(अन्तर्गत)

2. श्रीमती रजनी खना पत्नि श्री कंचन किशोर व
श्री कंचन किशोर खना निवासी बी-5/1, राजा
प्रताप बाग दिल्ली।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास
लिखित में किये जा सकें।

लक्ष्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जो प्लाट नं० 40 ब्लाक नं० जे 10 (जे-10/40)
क्षेत्रफल 200 वर्ग गज पर बना है, रिहायशी कालोनी गाजीरी
गाड़न, गंवि तरारपुर नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व: मकान नं० जे-10/31

पश्चिम: सड़क

उत्तर: मकान नं० जे-10/41।

दक्षिण: मकान नं० जे-10/49।

डॉ० पी० गोयल
सक्षम प्राधिका०

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 30-7-79

मोहन

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 23 जुलाई 1979

सं० आई० ए० सी० ए० ए० १४३०आर० III /
११-८/७८-७९:—अन्तः मुझे मिस अन्जनी श्रीज्ञा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिन्होंने संख्या 26, फैन्डन कालोनी, है तथा जो नई दिल्ली में
स्थित है) और इसमें उपावद्व अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रेटरी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रेटरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)
और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, उपरोक्त में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-ष के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की
उपस्थाना (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी की अर्थात्:—

1. Shri Krishan Lal Grover son of Late Rai Bahadur
Dr. Jiwan Lal, Joint Commissioner Excise and Taxation,
Punjab Government, Resident of: 6-C Rajpura Road Colony
Patiala.

2. Shri Partap Lal Grover (HUF) through its karta
Shri Partap Lal Grover, C. A. son of Late Rai Bahadur
Jiwan Lal, 64 Regal Building, New Delhi.

3. Miss Mira Grover, daughter of Late Rai Bahadur
Dr. Jiwan Lal care of Shri Krishan Lal Grover, 6-C Rajpura
Road, Patiala through S/Shri Krishanlal Grover and Partap
lal Grover, her general attorneys.

(Transferor)

1. Shri Parmod Kumar Jain son of Shri Rama Nand
Jain Resident of: 14 Alipur Road, Delhi through his
attorney Shri Rakesh Kumar Jain.

2. Shri Rakesh Kumar Jain son of Shri Jagdish Rai
Jain Resident of: 25 Friends Colony, New Delhi.

3. Shri Sushil Kumar Jain son of Shri Sri Ram Jain;
Resident of: 14 Alipur Road, Delhi.

4. Shri Sunil Kumar Jain son of Shri Niranjan Lal Jain
Resident of: 25 Friends colony, New Delhi

(Transferee)

जो १३ मूवा जारी करने पूर्वान्त मध्यते के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बना हुआ मकान नं० 26 जो वेस्टर्न साईड नामू राम
फैन्डन कालोनी नई दिल्ली क्षेत्रफल 3595 वर्ग मीटरस
और निम्न प्रकार:—

नारथ: सर्विस लेन

साऊथ: 28 फैन्डन कालोनी

ईस्ट: सर्विस लेन

वेस्ट: रोड

(मारा इनस्ट्रक्शन अन्तरिती)

मिस अन्जनी श्रीज्ञा,
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 23-7-1979

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० ए०स०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-१, दिल्ली-१

नई दिल्ली, नारीख 25 जुलाई, 1979

सं ० आई० ए० ए० सी० ए०स० J/एस० आर० III/

78-79:—अन: मुझे मिस अनजनी औज्ञा प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिवाजा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या ए-15 निजामुद्दीन वेस्ट, है तथा जो वेस्ट दिल्ली में स्थित है श्री० इसमें उपावद्ध अन्तर्भूती में पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1978 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर है अतिशय अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गाया गया परिकल, निर्मिति वा उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों प्रकारत:—

1. श्रीमती पारपती तदानी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री एन० बी० तदानी, थू० जनरल एटोरनी मोहम्मद मासून मुपुत्र मोहम्मद हनीफ निवास स्थान ए 15, निजामुद्दीन वेस्ट, दिल्ली-१।
(अन्तरक)

2. श्रीमती केरीदा खातून धर्मपत्नी मोहम्मद मासून, निवास स्थान ए-15 निजामुद्दीन वेस्ट नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अंतर्क के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के गर्भ में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2 1/2 मंजिल बिल्डिंग जो कि प्लाट नं० ए-15 क्षेत्रफल 761 वर्ग गज में स्थित है। निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली ओर निम्न है।

ईस्ट : रोड

वेस्ट : मर्विस लेन

तार्थ : मकान नं० ए-14

साऊथ : रोड

मिस अन्जनी औज्ञा

सभी प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-१, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 25-7-1979

मोहर :

प्राप्ति प्राइवेटी १० एन० एस०—

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० प्राइवेटी १० सी०/एक्य० I/एस० प्रार० III/11-78/78-79:—अतः मुझे, मिस अन्जनी अंकिता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वां के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ऐग्रीकल्चरल लैड है तथा जो गांव समालका तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से इस के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवात में बाह्यिक रूप से निर्धारित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त प्रतिकाल के अधीन कर देने के अन्तरक के शाफिव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन्य या अन्य अंकितों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धा०-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में उचिता के लिए;

अतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269वां के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269वां की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अंकितों, अर्थात्:—

1. श्री भगवानी सुपुत्र नानक फौर भेलपुरी पण्डित जनरल एटोर्नी श्रीमती भूरा धर्मपत्नी श्री भगवाना।

(2) श्री शिव नारायण एन्सेस भनदः रायण राम धन सुपुत्र श्री भगवान; निवास स्थान गांव आसलका दिल्ली। (अन्तर्गत)

2. श्री आर० के० वधवा सुपुत्र श्री के० एन० वधवा निवास स्थान 14/10 बमन विहार, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अंकितों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अंकितों में से किसी अंकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अंकित द्वारा, अधोदस्ताकारी के पाय लिखित में किये जा सकेंगे।

इन्हींकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त पर्वाय में विद्या गया है।

अनुमूली

एग्रीकल्चरल लैड जो कि क्षेत्रफल 9 विद्या और 12 विद्याम जिमका खंडरा नं० निम्न दिया है।

25/2 (4-17)

16/22 (4-18)

गांव, समालका, तहसील महरौली, दिल्ली।

मिस अन्जनी अंकिता
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई, दिल्ली,

तारीख: 23-7-1979

मोहर:

प्रकृत आई० डी० एन० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्ति रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० आई० प० सी०/एक्य० I/एम० आर० III/11-78/78-79—ग्रन्ति: मुझे, मिम अन्ननी औंजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिमता उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या ई-597 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके बृहयमान प्रतिफल से ऐसे बृहयमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत ने मात्रिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त यन्तरण चिप्ति में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरा से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम द्वारा अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल में कमी करने वा उससे इच्छे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी रिसी माय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिसे आरसीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात् ।—

4—196GT/79

1. श्री महावीर गोयल एण्ड श्री अर्जुन एस० गोयल
सुपुत्र श्री जीत मल गोयल निवास स्थान 614
पूसा रोड, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री गविन्द यिह सुपुत्र श्री हर्गनाम सिंह, निवास स्थान ई-599, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंध में कोई भी घाटेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-फ में परिभ्रा-पित है, वही पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फी होल्ड प्लाट जिसका नं० ई-597 क्षेत्रफल 414 वर्ग गज जो कि कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है।

मिम अन्ननी औंजा
सकाय प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्ति रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली,

तारीख: 23-7-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी०एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० आई० ए० सी०/ग्रू० I/आर० आर० III/

11-78/78-79/760:—अतः मुझे मिम अन्जनी श्रीमा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-126 है तथा जो ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 3-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्रिया का प्रदूष अधिनियम से अधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्षितों) और अन्तरिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच देते अन्तररक्त के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निष्पत्ति उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित निष्पत्ति में वास्तविक कारण से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की वापत, उक्त प्रत्यक्षित नियम के वधीन कर देने के प्रत्यक्षित के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उससे अधिनियम, या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के प्रत्यक्षित में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के वधीन निष्पत्ति अविक्षितों, अवातः:—

1. श्रीमती कोशल्या देवी धर्मपत्नी डाक्टर गुरसेवा पाबला निवास स्थान 12-ए 16, डक्ल्य० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली श्री जी ए० श्री गम लभाय सेनी निवास स्थान 5/3075 रन्जीत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जमविन्दर सिंह मुपुत्र श्री धर्मसिंह निवास स्थान एम-59 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधान के लिए कायंवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दे 45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धि अविक्षितों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतिक्रिया:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधान्य 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधान्य में दिया गया है।

अनुसूची

एक घ्लाट जो कि स्थिति नं० 126 घ्लाट नं० सी० क्षेत्रफल 300 वर्ग गज जो रेजिडेन्शल कालोनी नई दिल्ली ग्रेटर कैलाश-I, में स्थित और निम्न है:

नार्थ—50 फुट रोड
माउथ—घ्लाट नं० 124-बी
वेस्ट—15 फुट सर्विस लेन।
ईस्ट—50 फुट रोड।

मिम अन्जनी श्रीमा
सहायक प्राधिकारी
प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-7-1979
मोहर :

प्रृष्ठ प्राईटी-एन-एन-एन-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून, 1979

सं. आई० ए० सी०/एन्य०/ए० आर० III/11-78/
770:—अतः मुझे मिल अन्जनी ओक्सा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एम०-3 (दुकान) है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-1 में स्थित है (अतः इसमें उपावन्द अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निखिल वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(a) अन्तरगते दूई किसी आर की चावन, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पर उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुद्दिष्ठ के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित अधिनियमों पर्याप्ति:—

1. श्री गुरबख चिह्न पाला सुपुत्र श्री मोटा चिह्न निवास स्थान के-9, एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री शाम लाल चोपड़ा सुपुत्र श्री राधा किशन निवास स्थान एम-7, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिति)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी अवधियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा, प्रबोहस्तान्तरी के पास स्थिति में किये जा सकें।

उपलेख:—इसमें प्रपूर्व जब्तों भीर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयाप 20-क में परिवर्तित है, वही अर्थ होया, जो उस प्रयाप में दिया गया है।

मनुसूची

ज्ञाट जो कि व्यवसायिक तथा निवासी दोनों है क्षेत्रफल 195 वर्ग गज (163 वर्ग मीटर) है, और नं. एम-3 है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।

मिम्न अन्जनी ओक्सा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 26-6-1979

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 जुलाई, 1979

स० आई० ए० सी० एक्य०/I/एस० अ० र०-III/नवम्बर-78-79/779:—ग्राम: मुझ मिस अन्जनी औक्षा
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), कि
धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी संख्या एम 54 है तथा जो प्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (प्रीर इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 9-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
प्रदृश्य प्रतिकल से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में बास्तविक रूप से कृति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में ही किसी प्राय की वादत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक
के बायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; भीर/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

भूमि: ग्राम; उक्त प्रधिनियम, की आरा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवत्ति:—

1. श्री राजेश कुमार मेहता सुपुत्र श्री डी० पी० मेहता,
ई-66, प्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली:
(अन्तरक)

2. श्री मेजर बलवन्त सिंह (2) श्री मन्तोप सिंह
(3) श्री हरबन्स सिंह सुपुत्र श्री लाभ सिंह
सब का निवास स्थान एम-319 प्रेटर कैलाश-
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

हो यदृसूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्भालि के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहियों करता है :

उक्ता तमालि न प्रजेन के अवधि में लोई भी प्राप्तेः—

(क) इस पूर्वोक्त राबपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस पूर्वोक्त के राबपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहृताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर और उर्दौं रा, जो उक्त
प्रधिनियम, न प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं
वो उर्दौं रा तो उम प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फी होल्ड प्लाट नं० एम-54, क्षेत्रफल 194 वर्ग
गज जो कि कालोनी प्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है
और निम्न दिया है।

नारथ: 50 फुट रोड
माऊथ—रोड और लान
ईस्ट—एम-55 प्लाट
वेस्ट—प्लाट नं० 53

मिस अन्जनी औक्षा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 23-7-79

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 जुलाई, 1979

मं आई० ए० सी०/एक्यू-1/एम० आर० II/11-
78/822—आत., मुझे अन्जनी औंडाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर प्रभाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इए से अधिक हैओर जिसकी मध्यमा आफिय प्लाट नं० 405 है तथा
जो चौथी मंजिल, सिनेमा कमर्शियल कम्पलैक्स ग्रेटर कैलाश
नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावघ अनुसूची में
पूर्ण भै वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 30-11-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भवरक (अन्तरिक्षों) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(अ) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल
के लिए ; और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी अन्य प्राप्ति आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें
मुश्किल के लिए ;प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारों, प्रयोगी:—

- मै० डी० एन० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड, 21-22,
नरिन्द्रा पैलेस पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (1) श्री कुलदीप सिंह मखानी (2) गिन्धी सिंह
मखानी पुत्रगण श्री हुकम सिंह मखानी निवासी
बी-5/29 सफदरजंग इन्कलेब नई दिल्ली।
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह
किसी अन्य अधिक द्वारा, अधोलिखानी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

लाइसेंस:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयोग किया जा उस प्रध्याय में दिया
गया है ।

प्रनुसूची

एक आफिस फ्लैट नं० 405, (चौथी मंजिल) सिनेमा
कमर्शियल कम्पलैक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है,
जिसका क्षेत्रफल 792.4 वर्ग फुट है।मिस अन्जनी औंडा
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 3-7-1979

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 जून 1979

मं० आई० ए० मी०/एस० य०/एस० आर० II/11-78/78-79/803—अतः, मुझे, मिस अन्जनी औजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी जो यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या आफिस फ्लैट नं० 503 है तथा जो साक्षी सिनेमा काम्पलैक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूच्छी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य पास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अवृत्तः—

1. मेसर डी० एन० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड 21-22 नरेन्द्रा प्लैस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री रोमेश सी० खन्ना (एस० य० एफ०) पुत्र आर० सी० खन्ना, 3 नोरमानडी आरमीहीयल रोड बम्बई
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिये कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एवजोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में पदा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस फ्लैट नं० 503, क्षेत्रफल 572.9 वर्ग फुट (5बी० मंजिल) सिनेमा बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

मिस अन्जनी औजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1,
दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 27-7-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 जुलाई 1979

मं० आई० ए० सी० एक्य०-१/गस० आर०-III/11-78/

832:—अतः मुझे, अन्जनी ओझा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या आफिस फ्लैट सं० 407 है तथा जो चौथी मंजिल, सिनेमा कम्प्लैक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावर्ष अन्तर्गत में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपवारा(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तों अर्थात्:—

1. मै० डी० ए० ए० यूनाइटेड लिमिटेड 21-22 नरिन्द्रा पैलेस पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. लै० कर्नल मोहनदर मिह पुत्र श्री द्यान मिह, नक्षी निवास शिमला-3
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी अवित्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधीकृतात्मकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक आफिस फ्लैट नं० 407 (चौथी मंजिल) अंतर्फल 616.2 वर्ग फुट, सिनेमा कम्प्लैक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

मिस अन्जनी ओझा,
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 3-7-1979
मोहर :

प्रकृति प्राई. टी. एन. एस.

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 जुलाई 1979

सं. आई. प० सं०/एक्य०/I/एम० आर० III/11-78/
824:—अतः मुझे मिस अन्जनी औंशा,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी संख्या एकीकल्चरल भूमि गांव गदायीपुर नई
दिल्ली है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
24-11-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षितों (प्रत्यक्षितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष नियमि। में वास्तविक रूप से किया नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष
में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए,
और या(ख) ऐसो किसी आय या किसी खन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, उसमें मुश्किल के लिए;अतः यदि, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, प्रर्यातः :—

5—196GI/79

1. Prithi
2. Raghbir Singh
3. Ant Ram
4. Ramswarup
5. sons of Prithi,
6. Anto devi daughter of Sunehro (1/6th share)
7. Shrimati Bohti wife of Mohar Singh
8. Birhma wife of Hukam Singh
9. Shrimati Chameli wife of Sis Ram
10. Keso Ram,
11. Daya Chand and Vijay Singh sons of Risal

All Residents of village Ghitorni, Tehsil Mehrauli
(Transferor)

1. Shri Harbans Singh son of Gur baksh singh Resident
of Gadaipur, Tehsil Mehrauli,
(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्धि के प्रबंधन के लिए
कार्यालयान्वयिता करता है।

उक्त सम्बन्धि के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अक्षितयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में से किसी
अक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभ्रामित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एकीकल्चरल भूमि का भेत्रफल विधा और 11 विधास
जिस का खसरा नं. निम्न है। गांव गदायीपुर में स्थित,
नई दिल्ली।

1. 277 (4-7)
2. 280 (2-4)

मिस अन्जनी औंशा
मध्यम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 31-7-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. ——

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रशासक व्यायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1
नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1979

सं. आई. ए. सी. ०/प्रकृष्ट—अतः मुझे मिस अन्जनी औज्ञा,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मांगा गा. ० IV/9 चीप रिनामेन्ट लाजपतनगर है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-11-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय व्यायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या किया जाना चाहिए या, लिपाने में सुधिष्ठित के लिए,

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती द्रोपती सुपुत्री श्री देलोती राय धर्मपत्नी श्री ओ० पी० भारद्वाज, निवासी ए० IV/9, लाजपतनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पदमा मिरचन्दानी धर्मपत्नी श्री ए० मिरचन्दानी निवासी ए० IV/9, चीप रिनामेन्ट) लाजपतनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय शुल्क करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाष्टर संपत्ति में हिस्सेदारी किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उम्मीदाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सिंगल मंजिला मकान नं. ए० IV/9 (चीप रिनामेन्ट) क्षेत्रफल 100 वर्गगज जो कि स्थित लाजपतनगर, नई दिल्ली में।

मिस अन्जनी औज्ञा,
मन्त्रम प्राधिकारी,
महायक व्यायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 31-7-1979

मोहर :

प्रसप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-४, दिल्ली-१

नई दिल्ली-१, दिनांक 31 जुलाई 1979

सं० आई० ए० सी०/एक्य० —अतः मुझे मिस अन्जनी औंसा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मंज्या एग्रीकल्चरल लैंड गांव गादीपुर तहसील महरोली है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा

(आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भास्तीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री विरेन्द्र किशोर गुलाटी सुपुत्र श्री चरण जीत लाल, निवासी, 3-डी, निजामुद्दीन ईस्ट नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती महर कौर धर्मपत्नी श्री हुकम सिंह (2) श्रीमती कुलदीप कौर धर्मपत्नी श्री मांती सिंह निवासी सी०-२/२५ माडल टाउन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

एग्रीकल्चरल थेल्फल 15 विधा और 4 बिसवा जिसका खसरा नं० निम्न है ।

452 (4-17)

461 (4-16)

436 (4-16)

453/1 (0-16) साथ टूबवैल, फैन्सी वायर जो स्थित गांव गादीपुर, नई दिल्ली ।

मिस अन्जनी औंसा,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-४, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 31-7-1979

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III/
11-78/78-79/781—अतः मुझे मिस अन्जनी औज्ञा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० 23 खाता मार्किट है तथा जो नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपबाह्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 10-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती राज मलिक पत्नी सतिन्दर कुमार मलिक
निवासी-सी-III/13, लाजपत नगर, नई दिल्ली
(श्रू जनरल एटोरनी)।

(अन्तरक)

2. श्री सतिन्दर कुमार मलिक सुपुत्र श्री प्रकाश चन्द्र
मलिक, निवासी सी-III/13, लाजपत नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी छरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माथेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
फिसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्यंत होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक दुकान नं० 23 जिसका क्षेत्रफल 27.7 वर्ग गज
स्थित है खाता मार्किट, लोधी रोड, नई दिल्ली।

मिस अन्जनी औज्ञा,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 31-7-79

मोहर :

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1979

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/१/एम० आर-III/
11-78/78-79/911—यतः मुझे मिस अन्जनी शौका,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा
269वा के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम-46 ग्रेटर कैलाश-II है तथा जो नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपांचद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 19-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(पन्द्रहरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें यत्न में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन्य प्राप्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रता. अब, उक्त अधिनियम की बारा 269वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269वा की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारीयों, अर्थात् :—

1. श्री मनोहर लाल सेठी

(2) श्रीमती अग्नीया रानी सेठी, एम-46 ग्रेटर
कैलाश-I, नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

2. श्रीमती फूल बती अग्रवाल और

(2) श्रीमती मन्जु अग्रवाल, निवासी डब्ल्यू-27
ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यकालिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस पूर्वोक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों
में ने किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोलिस्ताक्षरी के पास
दिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० एम-46 थोक्फल 510 वर्गगज
जोकि स्थित है ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में।

मिस अन्जनी शौका
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-8-79

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

तर्फ दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-1/एस० आर०-III
1-1-78/78-79/766—यतः मुझे मिस अन्जनी औज्ञा
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सन्तुष्ट प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० आर-12 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 4-11-1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अक्तियों, अर्पण:—

1. श्री अमरजीत सिंह जोहर सुपुत्र श्री अर्जीत सिंह
निवासी सी-139 डिफेन्स कालोनी नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री बलबीर सिंह मयाल सुपुत्र उदय सिंह मयाल
निवासी 4/9 विजय नगर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्तियों में से किसी अक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक 2½ मंजिल मकान नं० आर-12 क्षेत्रफल 300 वर्ग
गज स्थित है ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली साथ में बिजली, पानी
और प्लश फिटिंग और निम्न हैं,
नोरथ—सर्विस लेन
साउथ—रोड
ईस्ट—प्रोपरटी नं० आर-14
वेस्ट—प्रोपरटी नं० आर-10।

मिस अन्जनी औज्ञा
सन्तुष्ट प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 1-8-79
मोहर

प्रकृष्ट प्राई. डी० ईन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी० /प्रकृष्ट-I/एस० आर०-III/
12-78/78-79 —अतः मुझे, मिस अन्जनी श्रीमा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मूल्य 25,000/-
प्रप्त से अधिक है

और जिसकी सं० आर-134, है तथा जो गेटर कैलाश-I,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्र अनुसूची में पूर्ण
रूप से रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 7-12-1978 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिशिव की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के भिन्न
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण
लिखित में आहतिक रूप में कहिए किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, दिया जै
में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदीयाल कोहली निवास स्थान एच-24 जंगपुरा
एस्टेट्सन, नई दिल्ली एस० जी० ए० श्रीमती
कृष्णा कुमारी निवास स्थान 44 यूनीयन पार्क,
चेम्बूर, बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुदरशन कुमारी और राम गोपाल शर्मा
निवास स्थान जे-13 किंवि नगर नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जाए इसके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा किसी अविद्या ग्राया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्रोपरटी स्थित प्लाट नं० आर-734 क्षेत्रफल 300
वर्गगज स्थित फी होल्ड कोलानी, नई दिल्ली।

ईस्ट—प्रोपरटी नं० आर-136

वेस्ट—प्रापटी नं० आर-132

नोर्थ—सविस लेन।

साउथ—रोड।

मिस अन्जनी श्रीमा
मध्यम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 27-7-1979

मोहर:

प्राप्ति आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी० /प्रक्ष०-१/गम० आर०-III/ 2-1979/78-79/1082—यतः मुझे मिय अन्जनी औज्ञा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 7 टोलसटोय मार्ग, है तथा जो नई दिल्ली स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ने प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीखः 27-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर निसो प्राय की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य प्रास्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रथम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री ओम प्रकाश वेंग
- (2) नारायण प्रकाश
- (3) आनन्द प्रकाश गुप्ता
- (4) राज कुमार गुप्ता
- (5) रविन्द्र प्रकाश गुप्ता
- (6) नारेन्द्र कुमार गुप्ता मब सुपुत्र श्री प्रभु दयाल निवास स्थान-7 टालम्टाय मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मेसर अनमल प्रीरोट्रीम एण्ड इन्डस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड, 115 अनमल भवन के० जी० मार्ग, नई दिल्ली-

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम अवित्त द्वारा, अब्रोदूस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

एष्टोक्टरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

प्राप्ति

दि इनटाईर प्रोपर्टी कंसल्टेंट्स पर ब्लाट नं० 41 ब्लाक नं० 148 का थेन्ट्रफल 4162 वर्गगज में स्थित नं० 7 टोलसटाय मार्ग पर, नई दिल्ली (ओल्ड किलिंग रोड) नई दिल्ली, स्पेसीफार्क्स, सेल डोड तिथि 26-2-79।

मिस अन्जनी औज्ञा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः 23-7-79

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एम० एस०----

प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1979

निकेश मं० आई० ए० सी०/पक्ष०-१/पक्ष० आर०-III
2-1978/78-79/1084—यन् मुझे मिस अर्जनी ओक्सा
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और जिसकी मं० ए० 30 और ए०-33 है तथा जो कनाट प्लेस,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुमूली में पूर्ण
स्वप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
विल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 28-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों)
मोर प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति:—

6-196GT/79

1. (1) मैसर्स बेनगर एण्ड कम्पनी के द्वारा पार्टनरस
(1) श्री रनबीर सिंह टण्डन
(2) श्री ओम प्रकाश टण्डन
(3) श्री अनुप कुमार टण्डन और श्रीमती विद्या
रानी मेहरा, बेनगर, मकान कनाट प्लेस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स ईमका कोस्ट्रक्सन कम्पनी, 24/24, दरयांगंज
चूप्रोपराईटर श्री महावीर प्रसाद गुप्ता सुपुत्र श्री
श्री राधा कृष्ण गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रधानमंत्री:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
प्रधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में विद्या
गया है ।

अनुसूची

प्रोटर्टी कन्नस्ट्रक्टिड प्लाट पर जमीन नं० ए-30,
ए-33 बर्ग क्षेत्रफल 703 बर्ग मिटर जो कि स्थित है कनाट
प्लेस नई दिल्ली, साथ पहली मंजिल पर दुकान नं०
नं० ए-16, ए-17, ए-18, ए-19 और ए-20, कनाट प्लेस,
नई दिल्ली ।

मिस अर्जनी ओक्सा

सक्षम प्राधिकारी

महामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्ज रेंज-I, दिल्ली, नई विल्ली-1

तारीख: 27-7-1979

मोहर:

प्रकृत आई० टी० एन० एस०—

अधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I दिल्ली-1

नई दिल्ली-I, दिनांक 31 जुलाई, 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एम० आर०-III

11-78/78-79/774—यन्तः मुमे, मिस अन्जनी श्रीमा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अग्रीकल्चरल लैण्ड गांव सुलतान पुर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

वक्तः यद्यु, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1° श्री लिलोकी नाथ खन्ना सुपुत्र श्री गोकल चन्द्र, निवासी है 12 ओरंगजेब रोड नई दिल्ली।
(अन्तरक)2. श्रीमती मंधी देवी पत्नी श्री विहारी नाल निवासी एन-213 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एग्रीकल्चरल लैण्ड जो कि 6 विधा, 16 विश्वास खसरा नं० 222/1, (3-16), 223/2 (3-0) साथ में टूबवैल, बोनडी, पेड़, गार्डन, पानी टैंक और फिटिंग और फिल्मचारस गांव सुलतान पुर, तेहसील महरोली दिल्ली।

मिस अन्जनी श्रीमा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 31-3-1979

मोहर:

प्रकल्प शार्डौ डी० एम० एस० ——

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की आरा
289व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/7-79/368/
2120/3/8/79—यतः मुझे डी० पी० गोयल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 289व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी मं० डी-25 वी है तथा जो एन० डी० एस० ई०
पार्ट 2 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 6-11-1978 को
पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरिक्ष) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में
वास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य सामिलियों
को, जिसे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की आरा 289व के प्रत्यक्षरूप
में, मैं, उक्त अधिनियम, की आरा 289व को उपकारण (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. मैमसे आर० सी० सूद एण्ड कॉ० (प्रा०) लिमिटेड,
इंगेस मिनेमा बिल्डिंग जंगपुरा एक्सटैनशन नई
दिल्ली दृष्टके डायरेक्टर श्री जे० आर० सूद द्वारा
(अंतरक)

2. श्री श्रीकृष्ण कपूर प्रोपराइटर मै० कपूर फिल्म इन्टर-
नेशनल, पुत्र स्वर्गीय राम लुभाया कपूर
निवासी डी-25-वी, एन० डी० एस० ई० पार्ट-2,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिमी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी व्यापकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
निवित में हित वा यकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भावित हैं, वही पर्यंत होता, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक द्वाई मंजिला मकान जिसका नं० डी-25-वी है प्लाट
जिसका क्षेत्रफल 755 वर्ग गज पर अना है, नई दिल्ली साऊथ
एक्सटैनशन पार्ट-2, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है—

पूर्व: सड़क
पश्चिम: प्लाट नं० डी-25-जी
उत्तर: सड़क
दक्षिण: प्लाट नं० डी-25-सी ।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 31-7-79
मोहर:

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 जून 1979

निदेश सं० सीएचडी/248/78-79—यतः मुझे जी० पी०
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 132 सैक्टर 18-ए है तथा जो
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाध्य ग्रन्तसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, नवम्बर, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरक के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर से उक्त अस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किया जायेगा है:—

(a) प्रमाणारा से हुई हिंदी भाषा की वाक्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी भाषा या किसी भन या अन्य भाषितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की ओरा 269-व के प्रश्नसंरण
में, वे उक्त अधिनियम की ओरा 269-व की संपत्ति (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अवधारित:—

1. श्री गुरजरण सिंह बिन्दरा पुत्र श्री सुजान सिंह बिन्दरा
वासी 11-सी संगम विल्डिंग, 2 बड़े स्ट्रीट कलकत्ता।
(अन्तरक)

2. श्री बलवत्त मिंह पुत्र श्री नागर सिंह व श्रीमती
हरभजन कौर पत्नी श्री बलवत्त मिंह वासी मकान
नं० 132, सैक्टर 18-ए, चन्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत किए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा अवौहस्ताकरी के पास
लिखित में जिए जा सकें।

एवज्जीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20क में परिवारित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 132 सैक्टर 18-ए-चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 709, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख: 21 जून 1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 जून 1979

निवेद सं० सीएन्चडी/243/78-79—यतः मुझे जी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3050, सैक्टर 20डी, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यां, अपने :—

1. डा० जे० एन० नन्दन पुत्र गांगी शंकर नन्दा वासी बी-१, आई० एम० आर० फ्लैट, आर० को पुरम, मैक्टर-१३, नई दिल्ली।
(अन्तरक)2. प्रोफेसर के० के० नन्दा पुत्र श्री दिवान राम नाथ नन्दा व श्रीमती मंतोप नन्दा पत्नी श्री के० के० नन्दा वासी 3050, मैक्टर, 20डी, चन्डीगढ़।
(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्यां पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यां में से किसी अवित्यां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ फिसी अन्य अवित्यां द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20क में परिभ्रान्ति हैं वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3050, सैक्टर 20डी, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 677, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंतर्न रेज, लुधियाना।

तारीख: 21 जून 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—
आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
289 व (1) के प्रवीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 27 जुलाई 1979

निदेश सं० सी०ए०व०/२५२/७८-७९—यतः मुख्य जी० पी०
मिह

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा जाय है), की आरा 269-व के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० म प्रधिक है
और जिसकी सं० एक मंजिली इमारत, श्रो रूप-कुकम-आफिस नं० 2409-2410, है तथा जो सैकटर 22-वी, चन्डीगढ़ में स्थित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित रहेंगे से उक्त प्रत्यक्षण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(१) पन्नरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रवीन कर देने के अनुसर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मविधा के लिए; और/या
(२) ऐसी हिसी आय या किसी अन्य व्यक्तियों को जिसे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोगनाम प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण में, वे, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व की उपधारा (1) के प्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (१) श्री रघुनाथ राय कपूर पुत्र श्री महेन्द्र राय कपूर
(२) श्री अनिल सेठ पुत्र श्री हंस राज सेठ।
(३) श्री अशोक विज पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह विज।
(४) श्रीमती पुष्पा कपूर पत्नी श्री रघुनाथ राय कपूर।

(५) श्रीमती श्री विज पत्नी श्री अशोक कुमार विज।

(६) श्रीमती कैलाश रानी पत्नी श्री हंस राज सेठ।

(७) श्रीमती जनक रानी पत्नी श्री अमृतलाल।

(८) श्री अमृत लाल पुत्र श्री रामजी दाम मार्फन मकान नं० 324, सैकटर 22-ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. (१) श्रीमती मुशील कौर पत्नी श्री जगदीश मिह सेखों।

(२) श्री नवपरीत मिह पुत्र श्री जगदीश मिह सेखों, निवासी 1174-सैकटर 21-सी, चन्डीगढ़।

(३) श्री बलदेव मिह (कर्ता एच० य० एफ०) पुत्र श्री इन्दर मिह, वासी 2250 सैकटर-21 मी, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

3. (१) मैमसं लुधियाना टैट एलाईट मविभिज़।

(२) मैमसं अगरवाल इनेक्टोनीक, चन्डीगढ़।

(३) मैमज रजिस्टर प्रमाद विनोद कुमार, चन्डीगढ़ मारे निवासी एम० सी० ओ० नं० 2409 2410, सैकटर 22-सी, चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्बन्धित है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए कार्यविहिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रबंधि जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रथा व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रबद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त गढ़ों और खद्दों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिवारित हैं, वही प्रथा होगा जो उप प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रो रूप कम प्राकिस नं० 2409-2410, सैकटर, 22-सी चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 724, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० मिह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 27 जुलाई 1979

मोहर :

प्रकल्प आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269वा०(1) के पर्यालय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेंज नुदियाना

नुदियाना, दिनांक 27 जुलाई 1979

निदेश मं० सीएचडी/239/78-79—यतः मुझे जी० पी०
मिह०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269वा०
के पर्यालय सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग जायेदाद नं० 11 टिम्बर मार्केट,
चन्डीगढ़ है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपवाद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, नवम्बर, 1978

में पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पक्ष्य
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (पल्टरकों) और अन्तरिक्त
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिल में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या पर्याप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-
कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की वारा 269वा० के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की वारा 269वा० की उपवाद
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

1. श्री चेन मिह पुत्र श्री प्रभू मिह, वासी 11 टिम्बर
मार्केट, चन्डीगढ़।

(प्रम्भरक)

2. श्री रणवीर मिह पुत्र श्री प्रभू मिह, वासी 11 टिम्बर
मार्केट, चन्डीगढ़।

(अन्तरिक्ती)

3. श्री रणवीर मिह पुत्र श्री प्रभू मिह वासी 11 टिम्बर
मार्केट, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में स्थिति
है।)

को यह मूचना जाये करने पूर्वोक्त ममानि के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तम्भवंदी व्यक्तियों पर मूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि
शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
पर्याप्त व्यक्ति द्वारा, प्रधोक्तस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण :—इसमें प्रवृक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के पद्धत्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
पद्धत्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायेदाद नं० 11 टिम्बर मार्केट चन्डीगढ़।
(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 650, नवम्बर, 1978 में दर्ज है।)

जी० पी० मिह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नुदियाना।

तारीख: 27 जुलाई 1979

मोहर:

प्ररूप ग्राइंडी० ईन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जुलाई 1979

निदेश सं० राज/महा० आ० अर्जन/559 —यस: मुझे
एम० आ० अर्जन ग्रामवाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट का टुकड़ा है तथा जो कोटा में स्थित
है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन, तारीख
24-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान के
प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का
पञ्चवांश प्रतिशत से अधिक है और प्रतिक्रिय (अन्तरकों)
और प्रतिक्रिय (प्रतिक्रियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तराया गया गतिहर विवरणित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विवरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(न) प्रतिक्रिय से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यह: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपस्थाता (1)
के अधीन विवरणित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

(1) श्री कैलाश बाकीवाला पुत्र श्री गोकुल चन्द बाकीवाला
एवं श्री अशोक कुमार बाकीवाला पुत्र श्री कैलाश
चन्द बाकीवाला, 3 नं 41 पत्ती की टंकी के पास,
जवाहर नगर, जयपुर, राजस्थान।

(अन्तरक)

2 श्री रामस्वरूप रसोंगी पुत्र श्री रमदाम रसोंगी
(2) श्री हरीओम रसोंगी एवं श्री धर्मपाल रसोंगी
पुत्र श्री राम स्वरूप रसोंगी, मकान नं० 8
लालबूर्ज बुजर्जगुरा, कोटा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के अन्तर्गत में कोई भी आमेश—

(क) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजगत म प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 396 जिसका क्षेत्रफल 2400 वर्गफुट जो
शोपिंग सेन्टर कजटा में स्थित है और उपपंजियक कोटा द्वारा
क्र० संख्या 81/334 दिनांक 24-1-79 द्वारा पंजीबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आ० अर्जन
मकाम प्राधिकारी,
महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख 19-7-1979

सोहर;

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जूनाई 1979

निदेश सं० राज/महा० श्र० अर्जन/557—यतः मुझे,
एम० श्रा० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० वा० नं० 8 है तथा जो मदनगंज किशनगढ़
में स्थित है, (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय किशनगढ़ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17 नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अत्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वर्णन कर सहित नीचे लिपा गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्बात्:—

7-196G1/79

1. श्री पांडुनाल पुत्र श्री बिरदराम बागड़ी, मदनगंज
किशनगढ़ जिला अजमेर वर्तमान निवासी बड़ोदा।
(अन्तरक)

2. श्रीमती रुक्मिनि पत्नी श्री चांदमल जाति छापरबाल
महेश्वरी निवासी अजमेर जिला अजमेर।
(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स लाहोती टैक्सटाइल मिल्स।
(2) मैसर्स मुमाप टैक्सटाइल मिल्स एवं
(3) लाहोती टैक्सटाइल एजेंसीज, किशनगढ़
(वह व्यक्ति जिनके अधिकारी में सन्तानि
है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूलता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैद्वस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक पावग्न्लम शैड जिसका क्षेत्रफल 440 5/9 वर्ग मज्ज है
जो बांडैन० 8, मदनगंज किशनगढ़ में स्थित है और उपपंजियक,
किशनगढ़ जिला अजमेर द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र संख्या 838
दिनांक 17-11-78 में और विनृत रूप से विवरणित है।

एम० श्रा० अग्रवाल
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 19-7-79

मोहर:

प्रस्तुप ग्राही ० दी० एन० एस० -

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जूलाई 1979

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/558—यतः मुझे,
एम० आर० अग्रवाल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 395 जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय में कोटा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 29-11-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रष्टातः:—

1. श्री कैलाश चन्द्र पुत्र श्री गोकल चन्द्र बाकीवाला एवं श्री ओक कुमार पुत्र श्री कैलाश चन्द्र बाकीवाला, निवासी 8 मोती डॉगरी मार्ग, निमकनगर जयपुर।
(अन्तर्गत)

2. श्री रूप चन्द्र एवं श्री हीरा नन्द पुत्रान् श्री लच्छीराम एवं श्री गोविन्द राम शेवानी दत्तक पुत्र श्री लच्छीराम, 8 बी, बल्लभनगर, एक्सटेंशन स्कोम, मुमानपुरा (कोटा) (गज०)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकादः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका नं० 395 जिसका शेवफल 2400 वर्गफुट है तथा जो उप पंजियक, कोटा द्वारा क्रमांक 1531 दिनांक 29-11-78 द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 19-7-1979

मोहर:

प्रकाश अमृत टी० पैक० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 मई 1979

निर्देश सं० सीओआर 62/22395/79-80/एसीक्य०/वी—यह:
मुझे एच० तिम्मयाआयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-प
के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 493 है, तथा जो गजा महल विलास एक्स-
टेंशन बंगलूर-6 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गोंधीनगर, बंगलूर दस्तावेज सं० 2804/78-79 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-11-1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिक्रिया से
अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याद गया प्रतिफल, निम्न-
सिद्धि उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—(क) अस्तरा 4 हुए विद्यमान दाय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिए के अस्तरक के द्वायित्व
में यामी उत्तेया उत्तेयने में सुविधा के लिए;
जीर्णगति(ख) ऐसा उक्त दाय या किसा धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें प्राग्तीय आद्य-कार अधिनियम, 1922 (1922
का 11) वा उक्त अधिनियम, वा अन्य-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की आरा 269-प की उपबारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्चातः :—1. प्रोफेसर एम० एम० थाकर सुपुत्र श्री संकलचन्द्र
सं० ए/2 सी० फैम पार्क भोला शाम देसाई रोड,
बम्बई-400026।

(अन्तरक)

2. (1) श्री टी० वी० वेंकटास्वामी सुपुत्र लेट तिम्मया

(2) श्री एम० पी० शीवाकुमार सुपुत्र श्री टी०
वी० वेंकटास्वामी 493 राजामहल विलास
एक्सटेंशन, बंगलूर।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वते के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त प्रभावि के अर्वते के प्रभावि में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील ने 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
नमाप्त होती है, तो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रदोषस्ताक्षरी के पास निवित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टांकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं;
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनृसूची

(दस्तावेज सं० 2804/78-79 ता० 25-11-78)
घर सम्पत्ति सं० 493 तथा जो राजा महल एक्सटेंशन
बंगलूर में है। और चकवंदी यह है।

उत्तर: रोड़

दक्षिण: साइट सं० 494 और 519

पूर्व: रोड़

पश्चिम: सम्पत्ति सं० 493, 1/1।

एच० तिम्मया
संघर्ष प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर।

तारीख: 1-5-1979

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 मई 1979

निर्देश सं० सीआर 62/22356/79-80/एसीव्यू०वी—
यतः मुझे, एच० तिम्मव्या,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है
कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना 21 और नया 33 है, तथा जो नारीख
रोड़, रिचमन्ड टाउन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी
के कार्यालय गिरावंजी नगर बंगलूर दस्तावेज सं० 2328/78-79
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 24-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अनुसूचित की गई है और मुझे यह विवाह करने का
कारण है कि यक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक अन्तरकों और अन्तरिती
(अनुसूचितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया
प्रतिक्रिया, निम्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी पारा ही बाबा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या दृश्य यासितयों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नसिद्धि अनुसूचियों, अर्थात् :—

1. श्री शोजात श्रीली खान सुपुत्र श्री हाजी सी० एम०
अब्दुल गफार खान सं० 14/2 करले स्ट्रीट रिचमन्ड
टौन बंगलूर।

(अन्तरक)

2. डाक्टर विजय अशोक सोलोमान पाल शासकर मुपुत्र
श्री पाल आनन्द शासकर 17, मिल्लरस रोड बंगलूर।
(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्गत में जोई वी ग्राहेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी अनुसूचियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बात में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अनुसूचियों में से किसी अनुक्रिया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अनुक्रिया द्वारा, प्रबोहस्तावरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त मस्ति-
नियम के प्रधान 20-का में यथा परिभ्राषित है,
इसी मर्ज द्वारा, प्रबोहस्तावरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रनुस्त्री

(दस्तावेज 2328/78-79 तारीख 24-11-78)

घर सम्पत्ति जिसका सं० पुराना 21 और नया 33 तथा
जो नारीस रोड़ रिचमन्ड टौन बंगलूर में है।

चकबंदी :

सम्पत्ति सं० पुराना 21 और नया 33

पूर्व एम० अब्दुल जबबार की सम्पत्ति रीता विला
प० : सम्पत्ति सं० 6 परीहम स्ट्रीटउत्तर : सम्पत्ति सं० 23 नया सं० 34, नारीस
रोड़।

दक्षिण : परीहम स्ट्रीट।

सम्पत्ति सं० 33 की बाकी जगह

पूर्व : अब्दुल जबबार की सम्पत्ति

पश्चिम : सम्पत्ति सं० पुराना -1 और नया 6
परीहम स्ट्रीट।उत्तर : सम्पत्ति सं० पुराना 23 और नया 34
नारीस रोड़।दक्षिण : श्रीमती जीनत बेगम की सम्पत्ति जो परीहम
स्ट्रीट पर है।

एच० तिम्मव्या,
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 7-5-1979

मोहर:

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस०————

ग्राम्यकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-च(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 मई 1979

निर्देश सं० सीआर 62/23052/79-80/एस्यू/बी—यतः
मुझे, एच० तिम्मन्ना

ग्राम्यकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च
के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इकाई से अधिक है

और जिसकी सं० 391/42, 19 में है, तथा जो ब्लाक राजाजी
नगर बंगलूर-560010 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
ग्रधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर बंगलूर दस्तावेज
सं० 3508/78-79 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के ग्रधीन, तारीख 14-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चैकेश से उक्त अन्तरण
लिखित मावास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त
ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के
शायत्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर ग्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या
धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च के ग्रनुसरण
में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)
के ग्रधीन निम्नलिखित अवित्तयों, अर्थात्:—

1. श्री वी० के० शामन्न सुपुत्र केशवा ग्राम्यगार मं०
25/1, 9 आस मलेश्वरम, बंगलूर-3।
(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रपा सुपुत्र चन्द्रपा मं० 2907, राजाजीनगर
स्ट्रीट, बंगलूर-560010।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हस्ताक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज 3508/78-79 तारीख 14-11-78)
उक्त सम्पत्ति जिसका सं० 391/42, 19 में फस्ट ब्लाक
राजाजीनगर, बंगलूर-560010 और चकवंदी:—

पूर्व: रोड़।

पश्चिम: साइट सं० 414,

उत्तर: साइट सं० 390

दक्षिण: साइट सं० 392

एच० तिम्मन्ना
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूर।

तारीख: 19-5-79

मोहर:

प्रस्तुप ग्राही= टी० एन० एस०—

आयकर व्यवित्रियम्, 1961 (1961 का 43) को धारा
269 व (1) के प्रधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 1 जून 1979

निर्देश सं० सीआर 62/22365/79-80/एक्य०/वी—यतः
मुझे, पी० रंगनाथन

आयकर व्यवित्रियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यवित्रियम्' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संश्लेषण प्राधिकारी को, 'यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 44 पुराना सं० है, तथा जो राबरटसन रोड, फेजर टाउन बंगलूरु-5 में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर बंगलूरु में रजिस्ट्रीकरण व्यवित्रियम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-11-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिया लिखित में व्याख्यिक कर में कथित नहीं किया गया ।

(क) प्रतिक्रिया के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तरक के अन्तरक के दृश्यमान प्रतिफल के दायित्व में कमी करने पा उसी बचने में व्युविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आमितियों को जिन्हें भारतीय आयकर व्यवित्रियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यवित्रियम् या धनकर व्यवित्रियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने से सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त व्यवित्रियम् की धारा 269-व के अनुसरण में, में उक्त व्यवित्रियम् की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मारीना अलबूकरकसं० 126 (नया सं० 146)
सात थोम हाई रोड सान थोम मद्रास-4।
(अन्तरक)

2. श्री एम० पी० टैनवाला सं० 10/1, सानडस रोड,
बंगलूरु-5।
(अन्तरिती)

को यह मूल्यना बारो नरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए कार्यकारी होता है।

इस सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी व्याप्रेषः—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूल्यना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइंद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहृस्ताकरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यवित्रियम्, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

(दस्तावेज 2181/78-79 ता० 13-11-78)
घर सम्पत्ति सं० नया 44 और पुराना 6 राबरटसन रोड,
फेजर टाउन, बंगलूरु-5 चकवंदी:—

उत्तर: प्राइवेट सम्पत्ति

दक्षिण: राबरटसन रोड

पूर्व: प्राइवेट सम्पत्ति

पश्चिम: प्राइवेट सम्पत्ति

पी० रंगनाथन
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूरु ।

तारीख: 1-6-1979

मोहर :

प्रस्तुप धाई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सम्बायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 5 जून 1979

निर्देश मं० सोआर 62/22370/79-80/एक्य०/ए —प्रतः
मुझे पी० रंगनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा० के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है और

और जिसकी मं० खाली जगह का नं० है, तथा जो 44,
मद्रास एकाधार आफिस कालोनी बानसवाडी रोड बैंगलूर में स्थित
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर बैंगलूर,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 6-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुप के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(द) ऐसी किसी आप या किसी धन या अभ्य आक्षियों
वा०, जिन्हें नारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादित:—

1. श्रामनी रुबी रुथामम पत्नी मेजर पी० ए० थामस,
नं० 103/3, पुरस्वालकम हाई रोड, मद्रास, 10।
(अन्तरक)

2. श्री राईट रंबरेंड फिलिपोम मार चार्यमोमटम, विश्व
ग्राम दि मार थोमा चर्च, एकिटग फार और
आंन विहाफ आफ दि मार थामा चर्च, बैंगलूर
ईस्ट पैथर ग्रुपे 11, डिं० कास्टमा मैक्यर, बैंगलूर-
560005।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोन्तस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 2115/78-79 ता० 6-11-78)

खाली जगह नं० 44, मद्रास आफिस कालोनी बानसवाडी
रोड, बैंगलूर।

चक्रवदी:—

पूर्व: खाली जगह का नं० 3,

पश्चिम: खाली जगह का नं० 1

दक्षिण: खाली जगह का नं० 9 और

उत्तर: रोड़

पी० रंगनाथन
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 5-6-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 4 जून 1979

निदेश स० सीआर 62/22389/79-80/एक्य०/वी—यतः
मुझे, पि० रंगनाथन्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी म० ई४/९२०/९२१ है, तथा जो ओ० टी० सी०
रोड़, बंगलूरु में स्थित है (और हम उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी 'के कार्यालय,
गांधी नगर, बंगलूरु दस्तावेज म० 2756 में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-11-1978
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
दृष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के असरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. धो के० वेंकटारामद्वा शटी सुपुत्र कृपनाना शटी
प्रोपराइटर रमेश अग्रवाली और कम्पनी स० 36/5
अप्पाजी राव लेन चौडेश्वारी टेमप्ल स्ट्रीट बंगलूरु।
(अन्तरक)

2. श्रीमती डेली बाई पत्नी हगशालालजी श्रीमती मानथोबाई
पत्नी शानती लाल के मार्फत पूनम टैक्सटाइल्स,
डी० के० लेन चिक्कपेट क्राम बंगलूरु-53 रेप्रेसरकर
रोड है श्री छीगलाल पूनमजी।
(अन्तरिती)

3. मेमर्म अमन मेडीकलम

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 2756 तारीख 23-11-79)
घर सम्पत्ति स० ई४/९२०/९२१/ तथा जो नागारपेट
ओ० टी० सी० रोड बंगलूरु में है। (42 डिक्टीजन)।

चक्रवंदी :—

पूर्व : पिलना का घर।

पश्चिम : देवादाम का घर।

उत्तर : देवादाम का घर।

दक्षिण : ओ० टी० सी० रोड।

पी० रंगनाथन

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

तारीख : 4-6-79

मोहर :

प्रस्तुति दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूरु

बंगलूरु दिनांक 13 जून, 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/22401/79-80/एक्य०/बी—

यतः मुझे पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है, और

और जिसकी सं० 97 नया सं० 16, है, तथा जो 24 आम
कबबनपेट, बंगलूरु में स्थित है, (और इस से उपावड़ अनुसुची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय गांधीनगर, बंगलूरु दस्तावेज सं० 2725/78-79
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख 20-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और प्रत्यरित (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
मिलिंगित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरित लिखित में बास्तविक रूप
से कवित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरित में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरित के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
धौर'या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सार्वस्वियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रन्थ: यह उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रत्यक्षरूप में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित अवक्तियों, अवर्ततः—

8-196GI/79

1. श्रीमती ये० सुन्दरम्मा
सं० 1/1, II फ्लास
4 ब्लाक, जग्नानगर
बंगलूरु-11

(अन्तरक)

2. श्री आर० गंभूगम
सं० 51, मंजीविप्पा लेन
अवेनियो रोड
बंगलूरु सिटी

(अतिरिक्त)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आशेष।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से
किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवक्ति द्वारा, अधोदृस्तान्तरी के पास सिविल
में किए जा सकेंगे।

एवडोक्टरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अन्य
होंगा जो उम प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2725/78-79 ता० 20-11-78)
घर सम्पत्ति सं० 97 नया सं० 16 तथा जी 24 आम
कबबनपेट बंगलूरु में है।

चक्रवर्दी :

पूर्व—रोड

पश्चिम—बैरप्पा का घर

उद्धर—तिप्पणी का घर

दक्षिण—लेन

पी० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 13-6-1979 अर्जन रेज, बंगलूरु
मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 14 जून 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/22403/79-80/एक्य०/बी—
यतः मुझे पी० रंगानाथन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से प्रधिक है और जिसकी सं० 46 है, तथा जो राजामहल विलास एक्सटेंशन में स्थित है (और डस से उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर बंगलूर दस्तावेज सं० 2676/78-79 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वृहत्याकृत रूप से उल्लिखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दृ० किसी आप की ओरा, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर धनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आगा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वस्तु: अब, उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-ष के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-ष की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवतार :—

1. श्री के० सी० आद्या
सं० 456, सदाशीवानगर
बंगलूर-6

(अन्तरक)
2. श्री एन० य० रामाकृष्णा
सं० 4, आर० आर० लेस्ट्रोट
कुमारा पारक वेस्ट
बंगलूर-560020।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में जोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना जो तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोदस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2676/78-79 तारीख नवम्बर 78)
खाली जगह सं० 46, तथा जो राजामहल विलास एक्सटेंशन बंगलूर।

पी० रंगानाथन
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
तारीख : 14-6-79
मोहर :

पी० रंगानाथन
सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथालय, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 12 जून 1979

निर्देश सं. सी० आर० 62/22403/—यतः मुझे पी०
रंगनाथन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269व (1) के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. 5 है, तथा जो एम पसी ट्यांक रोड बंगलूरु 27 में स्थित है (और इस से उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर बंगलूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशेष से अधिक है और प्रत्यरूप (प्रत्यरूपों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरूप के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरूप लिखित में वास्तविक रूप से निर्धारित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरूप से हुई किसी धार्य की वापस, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यरूप के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वयं प्रत्यरूपी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री डॉक्टर ये० बी० ये० कारात
डॉक्टर मिसज श्री० आर० कारात
केएरआफ जी० आर० कारात
44/6, मिल्लरस रोड, बंगलूरु

(अन्तरक)

2. डॉक्टर बी० जी० रुद्रप्पा,
सं. 9, II फ्लास, बस्सप्पा रोड
शान्तिनगर, बंगलूरु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं. 2661/78-79 ता० 16-11-78)
घर सम्पत्ति सं. 5, सम्पत्ति ट्यांक रोड बंगलूरु-27

चकबन्दी :

पूर्व : प्राइवेट रोड

परिवेश : संपर्गी रोड फ्लास

उत्तर : सम्पत्ति सं. 3 (तिम्मव्या)

दक्षिण : सम्पत्ति सं. 2. (करीयव्या)

वातः यद्य, उक्त अधिनियम की वारा 269व के अनुचरण में, में, उक्त अधिनियम, की वारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

पी० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथालय, बंगलूरु

तारीख : 12-6-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
296-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

प्रधान, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर
बंगलूर दिनांक 13 जून 1979

निर्देश सं० प्रधीन आर० 62/22422/79-80/एक०बी०) —
यतः मुझे पी० रंगनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 10/80, बुल्टेपल, है, तथा जो रोड, बसवन
गुडि, बंगलूर में स्थित है (और इस से उपावड अनुसूची में और
पूर्ण लिप्त से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बृन्दावन गुडि, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 29-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और प्रतिरक्त (प्रतिरक्तों) और प्रस्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रतिरक्त में भाग्यनिक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(a) प्रथम ने इई निसो पर को धारा 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के वायिस में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रतिरक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, तिपारे
में मुर्बिका के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को
उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैद :—

1. श्री एम० प्रस० कुमार, S/o Late
प्रम० नरसिंह आयंगार नं० 80, बुल्टेपल रोड,
बंगलूर।
(अन्तरक)

2. दि० मेवा समूह, द्वारा
मिस्टर सिलवाना टेरियगमतमू
मार्फत कघथोरिक सेटर, सेट मार्क्स टौन,
बंगलूर-560005
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधान्य 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधान्य
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2786/78-79 ता० 29-11-78)
सारा सम्पत्ति सं० नं० 10/80, बुल्ल टेपल रोड, बसवन
गुडि, बंगलूर-4

वक्तव्यदी :

उः प्राइवेट प्राप्टर्टी

दः बही

प्रृः बुल्ल टेपल रोड और

पः कंजरवेनसिस

पी० रंगनाथन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
तारीख : 13-6-79
मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 13 जून 1979

निर्देश सं० सं० आर० 62/22493/79-80/ए०सी०आ००/
(बी) — यह: सुझे पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के प्रधीन प्रकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० न० 25/64, है तथा जो लिति महल रोड, मैसूरु में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय मैसूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27/11/78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है पौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए निविन में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वादत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी वन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. श्रीमती रजनी किक्केरि पति श्री विह० गल० किक्केरि नं० 97, नन्दघनश्याम रोड, नं० 21, सैन वेस्ट बम्बई-22
Rep. by his Power of Attorney :
श्री ए० आर० नानजुनदान, सुपुत्र श्री, ए० ए० एन० रामाश्वामि गैर्यर, नं० 39, "शेलटर"
पोन्नुरंगम रोड, आर० ए० पुरम्, कोयम्बतूर-2
(अन्तरक)

2. श्री ए० जौ० नागराज, सुपुत्र श्री स्व० रिटार्ड कर्नल श्री ए० जौ० गोपालगृष्णा अरस, "अश्वायविला"
नजरबाद, मैसूरु-10
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

अनुसूची

[दस्तावेज मं० 2272/78-79 तारीख 27-11-78]।

बंगला न० 25/64, लनिथा महल रोड, मैसूरु।
चारबदी उ० लनिथा महल रोड,

द० : घर का न० 25/64ए,
पू० : श्री बालकृष्ण मेट्रिक का खाली जगह और
प० : एरिया रिजर्वेड फार० हाई टेन्शन लाईन
और रोड लींडिंग टू सायिट्स एट दी ब्लाक।

पी० रंगनाथन
मक्कम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूरु

तारीख 13/6/79

मोहर:

प्रलैप प्राईंटी० ईन० एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 15 जुलाई, 1979

निर्देश सं० सो० प्रार० 62/23270/79-80/ए०सी०क्य०/०
(बी)-यतः मुझे पौ० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-८ के सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए० जी०/२-००, जमीन इन सर्वे है, तथा जो येलहका हुबली बैंगलूर, नार्थ तालूक (और अब इन्कूडिंग इन दि बैंगलूर कापरिशन डिवीजन नं० २)

जारकवाड़कावल गांव, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतीतद्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-८ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-८ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री चन्द्रप्रसाद, सुपुत्र मि० थम्मन्ना,
गरगटेपल्ला गांव, राजाजी नगर, बैंगलूर
(Dn. No. 2), rep. by his power of attorney
Holder श्री वि नारायण स्वामी
सुपुत्र श्री वेंकटरमणपा पिंचा गांव, यशवंतपुर
हुबली बैंगलूर नार्थ तालूक।

(अन्तरक)

- दि रेलवे मेन्स हॉस बिल्डिंग,
को-ऑपरेटिव सोसायटी लि० माउथन रेलवे, इनस्ट्रियूट
बिल्डिंग, एम० जी० रेलवे, कालोनी बैंगलूर
Rep. by its President
श्री ई० मस्करेहेन्स और अवैतनिक सचिव
श्री क० श्रीनिवास राव। (अन्तरिती)
- विह नारायणस्वामी सुपुत्र श्री वेंकटरमणपा,
पिंचा गांव, यशवंतपुर हुबली, बैंगलूर नार्थ तालूक।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एन्ड्रारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं० 3427/78-79 तारीख 9-11-78)

प० जी०/२-०० जमीन इन सर्वे नं० १ जारकवाड़कावल गांव येलहका हुबली, बैंगलूर नार्थ तालूक (और अब इन्कूडिंग इन दि बैंगलूर कापरिशन डिवीजन नं० २)।

चक्रबंदी: प० : श्री थिम्मा सेट्टी का जमीन

प० : कटीरवा स्टुडियो

उ० : श्री चौल्डपा का जमीन और

द० : श्री अरसपा का जमीन

प० रंगनाथन

सभाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 15-6-79

मोहर:

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 15 जून, 1979

निर्देश सं० सी० प्रा० 62/23979/79-80/ए०सी०य०
(बी)---अतः मुझ पि० रंगानाथन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मूल्य 200 जो०/2-00 जमीन इन सर्वे है, तथा जो
जारकबड़ाबल गांव, येलहका हुबली बैंगलूर, नार्थ तालूक
(और अब इनकलूड इन दि बैंगलूर कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2
में स्थित है) (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारों के कार्यालय राजाकिनगर,
बैंगलूर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 9-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
रद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पट्टयाल नायडु सुपुत्र श्री तल्लया नायडुनं० 1282,
कमला नेहू प्रकरणटेशन, यशवंतपुर बैंगलूर-22
rep. by his Power of Attorney holder
श्री जि० नारायणस्वामि, सुपुत्र श्री बैंकटरमाय्या,
पिता गांव, यशवंतपुर, हुबली बैंगलूर नार्थ तालूक
(अन्तरक)

2. दि रेलवे मैनस हाउस बिल्डिंग कोओपरेटिव
सोसायटी लि० नार्दन रेलवे इनस्टियूट बिल्डिंग्स
एम० जि० रेलवे कालोनी बैंगलूर,
Rep. by his Power of Attorney Holder
श्री ह० संस्करण, मौर हॉन सेक्रेटरी श्री क०
श्रीनिवास राव ।
(अन्तरिती)

3. श्री नारायणस्वामि, सुपुत्र श्री बैंकटरमाय्या, जिला गांव,
यशवंतपुर, ब्रावली, बैंगलूर, नार्थ तालूक ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मुव्वता की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
म किए जा सकेंगे ।

स्पष्टदोक्टरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज 3433/78-79 तारीख 9-11-78)
ए० जो० /2-00 जमीन इन सर्वे न० 1 जारकबड़कावल
गांव, येलहका हुबली बैंगलूर नार्थ तालूक (और अब इनकुलड
इन दि बैंगलूर कार्पोरेशन डिवीजन न० 2)

चकवदी : पू० : सोमाइटो का जमीन

प० : श्री एम० रामद्या का जमीन

उ० : श्री क० पि० देवराज का जमीन और

द० : श्री बैनप्पा का जमीन

पि० रमानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

तारीख 15-6-79

मोहर :

प्ररूप ग्राही ० टी०१०८० एस—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 15 जून, 1979

निर्देश सं० सी० अर० 62/23272/79-80/ए०सी०क्य०/
(बी) —यतः मुझे पि० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी सं० ए० जी०/2-00 जमीन इन सर्वे हैं तथा जो
नं० जारकलंडेकल गांव एलडुका हुबली, बैंगलूर नार्थ तालूक
(श्री और श्री इनकल्डुड इन दि कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2)
में स्थित हैं (श्री और इससे उपाबद्ध, अनुसूची में श्री और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गजाजिनगर,
बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 9-11-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी बन या अन्य ग्राम-तथों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं होया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
युक्तियों के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, पर्यात:—

1. श्री पापन, सुपुत्र श्री थम्मन, गुश्गन्टयालया गांव,
राजाजिनगर, बैंगलूर Ref. by his Power of
Attorney Holder, श्री जि० नारायण स्वामि, सुपुत्र
वेंकटरमणया, पेन्या गांव, यशवंतपुर, हुबली बैंगलूर,
नार्थ तालूक। (अन्तरक)

2. दि रेलवेमैन्स हाउस बिल्डिंग को आपरेटिव सोसाईटी
लिमिटेड, सर्वन, रेलवे, इनस्टीट्यूट बिल्डिंग, एम० जि०
रेलवे कालोनी, बैंगलूर, rep. by its Chairman
श्री ह० मस्केरन्हस और अवैतनिक मंत्री श्री के०
श्रीनिवास राव। (अन्तरिती)

4. श्री नारायण स्वामी, सुपुत्र श्री वेंकटरमणपा,
पिन्या गांव, यशवंतपुर, हुबली, बैंगलूर नार्थ तालूक।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के
लिए कार्यवाहियों करना हूँ।

उस संपत्ति के प्रर्जन के मंत्रिय में कोई भी प्राप्तेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरित अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों
में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ध्याद्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ना, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20—क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज, 3434/78-79 तारीख 9-11-78)

ए० जी०/-2-00 जमीन इन सर्वे नं० जारकलंडेकावल गांव
एलडुका हुबली बैंगलूर नार्थ तालूक (श्री और श्री इनकल्डुड
इन दि कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2)

चक्रबंदी:

प० : थिम्मा सेट्टी का जमीन

प० : कंटीरवा स्टुडियो

उ० : हाली चन्तपा का जमीन और

द० : श्रीचिकन्ना का जमीन

पि० रंगनाथन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख 15-6-79

मोहर:

प्रस्तुत ग्राइंड टी० एन० एस०—

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर दिनांक 15 जून, 1979

निर्देश सं० सी०आर० 62/23273/79-80/ए०सी०य०बी—
यतः मुझे पि० रंगनाथन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए० जी०/2-00 जमीन इन सर्वे नं० 2 है, तथा जो जारकबंडेकावल, गांव एलहंका हुबली, बैंगलूर नार्थ तालूक (और अब इनकलुडेड इन दि बैंगलूर कार्पोरेशन हिक्वीजन नं० 2) में स्थित है (और इसमें उगाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजिनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-196GI/79

1. श्री के० पि० देवराज, सुपुत्र श्री पूजपा, गुरगुंटपालया गांव, बैंगलूर Rep. by his Power of Attorney Holder श्री ए० नारायणनास्वामि, सुपुत्र श्री वेकटरमणपा, पिन्या गांव, यशवंतपुर, हुबली, बैंगलूर नार्थ तालूक ।

(अन्तरक)

2. दि रेलवेमैन्स हाउस विलिंग को-आपरेटिव सोसायटी लि० सर्कन रेलवे, हॉस्टीट्यूट विलिंग एस० जि० कालोनी, बैंगलूर, Rep. by its Chairman, श्री मसकरेहन्स और अवैतनिक सचिव श्री के० श्रीनिवास राव

(अन्तरिती)

3. वि० नारायण स्वामि, सुपुत्र श्री यशवंतपुर हुबली, बैंगलूर नार्थ तालूक
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधिया तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भै समाप्त होती है, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज 3435/78-79 तारीख 9-11-78)

ए० जी०/2-00 जमीन इन सर्वे नं० 1, जारकबंडेकावल गांव, येलहंका हुबली, बैंगलूर नार्थ तालूक (और अब इनकलुडेड इन दि बैंगलूर कार्पोरेशन हिक्वीजन नं० 2) ।

चक्रबंदी :

पू० । सोमायटी का जमीन,
प० : श्री मल्लपा का जमीन,
उ० : श्री एम० के० थिम्मद्या का जमीन और
द० : श्री वेसमल नायडु का जमीन ।

पि० रंगनाथन

सभाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख 15-6-79

मोहर :

प्र० प्र० प्र० प्र० प्र०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जून, 1979

निदेश सं० सी०आर० 62/23274/79-80/ए०सी०क्य०—

यतः सुझे पि० रंगानाथन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० ए० जी०/2-00 जमीन का इन सर्वे हैं तथा जो नं० 1, जारकबड़कावल गांव, हेलंका हुबली, बंगलूर नार्थ तालूक (और अब इन्कलूडिंग इन विबंगलूर कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2) । में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजिनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-11-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ले उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य ग्रासितियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रति । अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व के अन्तरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन:

1. श्रीमती हुनुमका पति श्री चिक्कास्त्रा, हरिजन कालोनी, राजाजिनगर, बंगलूर Rep. by her P. A. Holder श्री वि० नारायण स्वामि सुपुत्र श्री वेंकटरमणफेवा पित्या गांव, विश्वास अन्तपुर हुबली, बंगलूर नार्थ तालूक ।

(अन्तरक)

2. दि रेलवेमैन्स हाउसिंग बिल्डिंग को-आपरेटिव सोसाइटी लि०, माउथर्न रेलवे, हनस्टीट्यूट बिल्डिंग एम० जि० रोड रेलवे कालोनी, बंगलूर Rep. by its Chairman श्री इ० मेस्करेहस और अवैतनिक सचिव श्री तिवास राव

(अन्तरिती)

4. श्री वि० नारायणस्वामि सुपुत्र, वेंकटरमणम्या, पन्था गांव विश्वास अन्तपुर, हुबली, बंगलूर नार्थ तालूक ।
(वह उक्त जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3436/78-79 तारीख 9-11-78)

प० जी०/2-00 जमीन इन सर्वे नं० 1, जारकबड़कावल गांव हैलंक हुबली बंगलूर नार्थ तालूक (और अब इन्कलूडिंग इन दि कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2) ।

प० : श्री धिमा सेट्टि, का जमीन,

प० : रोड बिल्डिंग टु लग्गेर गांव

उ० : श्री मुनिरस्पा का जमीन और

द० : श्री एम० क० थिमस्या का जमीन

पि० रंगानाथन

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख 15-6-79

मोहर:

प्राच्य पाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओर

269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० सीआर 23275/232-76/79-80—गत: मुझे
पि० रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की ओर
269-वाँ के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० ए जी० 2-00 जमीन इन है, तथा जो सर्वे नं० 1
जारकबंडकबल गांव, यलहंका हुबली, बैंगलूर नार्थ तालूक, (और
अब इनक्स्लूडिंग इन दि बैंगलूर कार्पोरेशन डिविजन नं० 2) में स्थित
है (शैर इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
बैंगलूर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन ता० 9-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों)
और पन्तरितों (पन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के
लिए उत्तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से लिया जाता रहा जिसका गता है:—

(क) पन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के पन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में मुविषा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उससे अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अनुरिती ज्ञान प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविषा के लिए;

गत: अब, उक्त अधिनियम को ओर 269-वाँ के अनु-
मत में, ये, उक्त अधिनियम की ओर 269वाँ की उपधारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अनुसूची, अर्थात्:—

1. श्री एम० के० थिम्मेश्या, गा० श्री फलभेगुडा, 1080

12 मेन रोड वैष्णवालिकाबल एक्सटेनशन बैंगलूर-3, बैंगलूर-3,
Rep. by his Power of Attorney Holder

श्री जि नारायण स्वामी, नुव बैंकटरमन फिन्या गांव, यशवंतपुर
हुबली, बैंगलूर नार्थ तालूक।

2. दि रेलवेमैन्स डैम बिल्डिंग को—ग्रांपरेटियु सोसायिटि लि०
मर्दन रेलवे, इन्डियनप्पुट बिल्डिंगम, एम० वि० रोड कालोनी,
बैंगलूर and its chairman श्री इ० मेस्कर्टेस और Hon
Secretary श्री के० श्रीनिवास रावे, (अन्तरिनी)

4. श्री वि० नारायणस्वामी, पुल बैंकटरमन, फिट्या गांव, यशवंतपुर
हुबली, बैंगलूर नार्थ तालूक (वह व्यक्ति जिसके बारे
में अधोस्ताशरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताशरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परि-
भावित हैं वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय
में विद्या गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3437/78-79 ता० 9-11-78)

ए० ही०/200 जमीन इन सर्वे नं० जी० जारकबंड काबल
गांव, एलहंक हुबली, बैंगलूर नार्थ तालूक, (और हनक्स्लुडेंग इन
दि कार्पोरेशन डिविजन नं० 2)

चकवंदी

पू० रिमेनिग-पोर्नेन आंफ सर्वे नं० 1

प० : श्री मान्दप्पा का जमीन

उ० : श्री चिककन्ना का जमीन

द० : श्री० के० वि० देवरामा का जमीन

पि० रंगनाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेन्ज बैंगलूर

तारीख : 15 जून 1979

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारत
269-घ (1) के अधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 58/23276/79-80—यतः मुझे पि०
रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० ५० जी० 200 जमीन इन है, तथा जो सर्वे नं० १,
जारकाबन्डोकावल गांव, येल्लेंका हुबली, बंगलूर नार्थ तालूक (और
अब इनक्सलूडिड इन दि बंगलूर कापोरेशन डिविजन नं०-२)
में स्थित है (और इन से उपावड अनूसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजाजिनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता० 9-11-1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथाूदौक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिम्नलिखित उद्देश्य
से उस अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) ग उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगशार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवृट नहीं किया गया
आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के पन्द्रहरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सिंह मल्लया, पुत्र श्री चिक्कचैने ग्रौडा, नं० 132,
IV आस 12/13 मेन रोड, हेमंतनगर बंगलूर,
Represented by his power of Attorney Holder
श्री नारायणस्वामि, पुत्र बेंकटरमणप्पा पिन्धा गांव, यशवंतपुर हुगली
बंगलूर तालूक
(अन्तरक)

2. दि रेलवेरेमेन्ट्स हाउस बिल्डिंग को-आपरेटिव सोसायिटि लि०
माऊर्थन रेलवे हस्टीट्यूट बिल्डिंग एम० जि० कालोनी बंगलूर,
Rep. its Presidents श्री ई० मेस्करानहास, और Hon. Secretary
श्री के० श्रीनिवासाराव
(अन्तरिती)

4. श्री वि नारायणस्वामी पुत्र बेंकटरामानापा, पिन्धा गांव,
यशवंतपुर हुबली, बंगलूर नार्थ तालूक (वह व्यक्ति जिसके द्वारे मे
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
गाम लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही धर्य दीया जो उस अन्याय में दिया
मर्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3438/18-79 ता० 9-11-78)

ए० डी० 200/जमीन इन सर्वे नं० १ जारकाबन्डोकावल गांव,
एलहनका हुबली, बंगलूर नार्थ तालूक (और अब इनक्सलूडिड इन
दि कापोरेशन डिविजन नं० २)

चकवंदी :

पू० : श्री० एम० के० थिम्मया और श्री० के० पि० देवाराज
के जमीन,

प०: श्री पापन्ता का जमीन,

उ० : कंटीरावा स्टुडियो और रिमोनिंग और

दा०: पोर्णन आंफ श्री सिंह मल्लया का जमीन

पि० रंगनाथन,

मक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 15 जून 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एम. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269 व (1) के प्रधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 62/23284/79-80/ग०मी०क्य०/बी. —यतः
मुझे पि० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० १-०३०
2-00 जमीन इन हैं, तथा जो सर्वे नं० 1

जारकबंडकावल गांव एकड़ुका डोबलि बंगलूरु नार्थ तालूक
(और अब इनकुड़ंड इन दि बंगलूर कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2)
में स्थित है (और इस से अपावृद्ध अनुभूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजाजीनगर, बंगलूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता० 9-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, मिस्निवित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष निवित में
बास्तविक रूप से कषित महीं किया गया है ।—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
पौर/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या पन्थ प्राप्तियों
को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमात्र
प्रत्यक्षीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि; उक्त अधिनियम की वारा 269-व के अनुष्ठान
में, ये उक्त अधिनियम की वारा 269-व को उपचारा (1)
अधीन निस्निवित व्यक्तियों, अबतु ।—

1. श्री पि० मल्लाया, पुत्र श्री चिक्काचिनी, 132, IV
कान, 12 में राड, हनुमथयानगर, बंगलूरु,

Rep. by his power of attorney holder

था पी० नारायणास्वामी श्री वेंकटरमणप्पा, पुनिया गांव,
यगवंतपुर होबलि, बंगलूरु नार्थ तालूक (अन्तर्गत)

2. श्री दि० रेलवेमेन्स होम बिल्डिंग को-अपरेटिव
सोमाइटि लि० मर्दन, रेलवे इनस्ट्रियूड बिल्डिंग एम० सी०
रेलवे कालोनि, बंगलूरु, Rep. by its Chairman श्री ड०
यंकर्केम, और Hon. Secretary श्री के० श्रोनिवासराव

4. श्री वो० नारायणगव्वामि, पुत्र वेंकटरमणप्पा, पुनिया गांव
यगवंतपुर होबलि, बंगलूरु नार्थ तालूक (यह व्यक्ति जिसके बारे
में श्री श्वाकरो जानता है कि वह सम्पित्त में इनिबद्ध है)

को यह मूल्यना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन
के लिए सायंदाहियां करता है ।

इन सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(ह) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टहोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 3699/78-79 ता० 9-11-78)

प०जी० 2-00 एकड़ जमीन इन सर्वे नं० 1, जारकबंड कंवल
गांव, पालाका होबलि, बंगलूरु नार्थ तालूक, (और अब
इन दि बंगलूर कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2)

चक्रबंदीः

पू. यिम्परया और के० पि० देवराजा के जमीन,

प० : श्री पापण का जमीन,

त० : जमीन सोलड टू रेलवेमेन्स होम बिल्डिंग को-अपरेटिव
सोमाइटि लि० बंगलूर-23 और

द० : श्री चिटटंडी रामस्या का जमीन

पि० रंगनाथन,
मक्षम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूरु

तारीख : 16 जून 1979

मोहरः

प्रकप पाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 जून 1979

निवेश सं० 62/ 22698/79-80 Acq/B ---प्रतः
मुझे पि० रंगनाथ

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

ग्रीष्म जिसकी सं० न० 88/9 और दसिंग है, तथा जो साइड आफ 88/10, कोलमस रोड बंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजिनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 23/11/ 1978।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त विधि-नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायिष्य में न.मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पि०/पा०

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक ने, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रधीन।—

1. श्री (1) श्रीमती त्यारी बेगम,
- (2) श्री मोहम्मद अबदुल (रहीम)
- (3) श्री मोहम्मद अबदुल करीम
- (4) श्री मोहम्मद अबदुल खादर
- (5) श्री मोहम्मद अबदुल मोहम्मद
- (6) श्रीमती फातिमा बी
- (7) श्रीमती सुबर्गा बेगम
- (8) श्रीमती स्था बेगम

न० 2 से 8 तक हाजी मोहम्मद अबदुल्ला हुसैन के बच्चे All Residing at : बोरे ब्लॉक रोड, बंगलूर Nos. 1, 3, 4, 5, 6, 7 and 8, represented duly nominated attorney श्री मोहम्मद रहीम न० 2 above names.

2. श्री (1) मोहम्मद मारगुब हुसैन
- (2) मसूद अबदुल खादर

बच्चे एवं मोहम्मद इसमाइल 88/3, कोलम रोड, बंगलूर (प्रत्यरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त प्राप्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त प्राप्ति के प्रत्येक के पंचव वें नोंड भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्राप्तिया तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्राप्ति, जो भी प्राप्ति बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवैधताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही प्रचं द्वारा, अवैधताकारी के द्वारा दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2322 /78-79 ता० 23/11/78)
सारा संपत्ति का न० 88/9 और दिल्ली स्टूयरट आफ न० 88/10, कोलम रोड बंगलूर, डिविजन 47)

चक्रबंदी :

पू० : सिंडिकेट बैंक बिल्डिंग,
प०: कोलम रोड क्रांस,
उ० : प्राप्टि बसा न० 88/3 इन दि मांड फ्लौर और उसर साइज पोर्टन न० 88/10, नौ० रिलेटिंग टू० मैमेस राक बडन साड़िब और दशर्ते और
द० मैन० 88/11, कोलम रोड, ।

पि० रंगनाथन्
सकाम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर
तारीख : 29/6/79
मोहरः

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269वा०(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर
अमृतसर दिनांक 18 जून 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर० /79-80/70—यतः मुझे
एम० के० धर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269वा०(1)
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए ते अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो कि दुर्गयाणा आवादी
मुहल्ला लाजपत राय पुरानी बनावट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बायत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी बाना आहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269वा०(1) के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वा०(1) की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अवृत्ति:—

1. श्री मदन मोहन शर्मा पुत्र श्री रमेश राम निवासी
अमृतसर दुर्गयाणा आवादी महल्ला लाजपत राय अब 16/5830,
ज्लाक नं० 4 देव नगर दिल्ली (अन्तरक)

2. आशा रानी पत्नी श्री मोहन लाल, अमृतसर दुर्गयाणा
आवादी मकान नं० 377/16-4, अमृतसर (अन्तरिती)

3. सर्व श्री वेद राम रखा 2. सोम नाथ 3. रघुनाथ प्रसाद
मुहल्ला लाला लाजपत राय, दुर्गयाण आवादी, अमृतसर

जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में सच रखता हो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बहुसूची

एक मकान नं० 201, 376, 377/10-4 जो कि अमृतसर,
दुर्गयाणा आवादी महल्ला जालपत राय (पुरानी बनावट) जैसा कि
रजिस्टर्ड डील नं० 2909 दिनांक 9-11-78 आफ रजिस्ट्रीग
आयारिटी अमृतसर शहर की कार्यालय में दर्ज है।

एम के० धर
सकम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 18 जून 1979
सोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 18 जून 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/71—यतः मुझे एम० के० धर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग जायदाद नं 2120/VI/10 2123/VI/10 तक जिसका थोकफल 198-58 वर्ग मी० है तथा जो कि बाजार आटा मंडी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहाँ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्वरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्वरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्वरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।

प्रो/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्लन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्ति अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी आना अद्वितीय, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः ।—

1. श्री सिकन्दर सिंह पुत्र स० मालक सिंह निवासी गांव मुचरई तहसील बटाला (अन्तरक)

2. श्री बलबंत सिंह पुत्र स० जवाहर सिंह और मनजीत सिंह पुत्र स० बलबंत सिंह बाजार माई सेवा, अमृतसर (अन्तरिती)

3. सर्वेश्वी 1. मुलख राज 2. अजीत सिंह 3. जगजीत सिंह बाजार आटा मंडी अमृतसर।

जैसा कि आप सं० 2 में और कोई किरायेवार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में हुनि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जातता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में राई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी प्रबंधि बाद भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद 2120/VI/10 से 2123/VI/10 तक जिसका थोकफल 198-58 वर्ग मी० है जो कि बाजार आटा मंडी, अमृतसर (पुरानी अमारत) में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीड डीड नं० 3020 दिनांक 16-11-78 आफ रजिस्ट्रीग्राही अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 18-6-1979

मोहर :

प्रलेप प्राईटी एन एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 18 जून 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/72—यतः मुझे
एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० एक० मकान नं० 4920 है तथा जो
कि अमर कोट निकट खालसा कालोनी अमृतसर में स्थित
और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
नवम्बर 1978।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टिमान
प्रतिफल के निए प्रमुखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्टिमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और प्रत्यक्ष (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से करित नहीं किया गया है।

(क) प्रत्याग म हुई किसी आय से जबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर रख के अन्तरक के
दायित्व में किसी बारे या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए ; गोरगढ़।

(ख) देश किसी आय से किसी बारे या प्रत्यक्ष आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए या, जिसमें सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः—

10—1 96GI/79

1. श्री हरचरण सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह निवासी मकान
नं० 4920, अमर कोट, निकट खालसा कालोज, अमृतसर।
(प्रन्तरक)

2. श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी श्री तलबिन्द्र सिंह चौक गोल
हट्टी अमृतसर (हाल बाजार) (प्रन्तरिनी)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो
तो (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुच रखता
हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

इकाईकरण—इसमें प्रयुक्त सब्जें और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रत्याय 20-क में परिभासित
हैं वही प्रये होगा, जो उस प्रत्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 4920 जिसका 170 वर्ग मी० है जो
कि अमरकोट निकट खालसा कालोज अमृतसर में स्थित है
जैसा कि रजिस्ट्रेड डीड नं० 3211 दिनांक 30-11-78
आफ रजिस्ट्रीग्रामार्टी अमृतसर शहर के कार्यालय में
दर्ज है।

एल० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 18-6-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1979

निर्देश सं० ए० आर०/79-80/73—यतः मुझे एम० के० धर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जायदाद है तथा जो कि पूर्व मोहन नगर अमृतसर में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररूप) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया था है :—

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी आय का नाश, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक राजपत्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(द) ऐसी किसी आय या किसी उन गा अन्तरितियों से, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम को धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अक्षियों, वर्ततः :—

1. सरदार तेजासिंह पुत्र सं० मुन्द्र सिंह गुरु राम दास नगर, अमृतसर (अन्तरक)

2. मैसज न्यू डिल मशीन कार्पोरेशन मालिक श्री मिका मिह सपुत्र श्री बलदेव सिंह गुरुनानक पुरा, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में है और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में नहीं रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर गम्भीर के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रबालग की हार्दिक रु 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्दित में किए जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में उल्लिपित है, वही अर्थ होगा, जो उग आध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 145 बना हुआ जिसका क्षेत्रफल 208.3 वर्ग मी० है जो कि हस्ट मोहन नगर अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार रोड नं० 2796/1 दिनांक 3-11-78 द्वारा प्रजट्रिंग अथायी अमृतसर शहर में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-6-1979
मोहन :

प्रधान प्रार्थी दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269 अ (1) के अधीन भूमतः

भूमत अधिकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1979

निर्देश सं० ४० एस० आर० /79-80/74—यतः, मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो कि गोपाल नगर, अमृतसर में स्थित है (और जिससे उपावद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक कर संक्षिप्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किती आर० ३० किंवा या या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर संघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ब के अनु-नरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधितियों, अस्ति:—

1. श्रीमती प्रीतम कौर पल्ली श्री सेवा सिंह निवासी गली नं० 2, दुकम सिंह रोड, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री सदरीक सोहन लाल पुत्र श्री सोहन लाल 120, निवासी नगर, मजीठा रोड, अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में खत्रि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यालयिया करना है।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी वाचनः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अधितियों पर सूचना जी तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधितियों में से निम्नी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस धन्यवाद में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट प्राइवेट नं० में 1-5-6 जो कि गोपाल नगर (सिब अरबन आबादी), अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्राइड डीड नं० 3497/1 दिनांक 22-12-78 आफ रजिस्ट्रींग अथॉरिटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-6-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
शारा 269प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1979

निर्देश सं. पी० टी० के० /79-80/75—यतः मुझे
एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके प्रथमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की शारा
269-ख के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि जिसका थेटफल 48 कनाल 13 मरले
है तथा जो कि गांव हरियाल तहसील पठानकोट में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख नवम्बर
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्थित से अधिक है और प्रत्यक्षित (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षित के
दायित्व में करनी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आंतरिकों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रष्ट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः यह, उक्त अधिनियम की शारा 269-प के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की शारा 269-प की उपस्थाता
(1) के अधीन, निम्नलिखित अविसर्यों, अर्थात् :—

1. श्री वेद व्यास पुत्र श्री गिरधारी लाल मेन बाजार
पठानकोट (अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल पुत्र मुनशी राम पुत्र नागर मल भाजान
निवासी मकान नं. 3350/1, कटड़ा वधीयां, अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में लूचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सधान्य में कोई भी प्रारंभ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी मध्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में निए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के भ्रष्टाय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्टाय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका थेटफल 48 कनाल 13 मरले हैं जो कि गांव
हरियाल तहसील पठानकोट जिला गुरदासपुर में स्थित है जैसा
कि रजिस्ट्रॉड डीड नं. 1564 दिनांक 2-11-78 आफ रजिस्ट्रीग
अधाराटी, पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 2-7-79
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एव० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी० टी० के०/79-80/76—यतः, मुझे,
एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 29 कनाल है तथा
जो कि गांव लाडू चक तहसील पठानकोट में स्थित है
(और इससे उपावरु अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी जाना बाहिए या, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगन नाथ पुत्र श्री मथुरा वास, गांव डेरी बाला
तहसील पठानकोट
(अन्तरक)
2. श्री संजीव कुमार पुत्र श्री राज पाल गुप्ता पूत्र श्री०
दिवान चन्द निवासी मिशन रोड गार्डन कलोनी, पठानकोट
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिमाणित
हैं, बही अर्थ द्वीपा जो उस अन्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 29 कनाल है जो कि गांव लाडू चक
तहसील पठानकोट में स्थित है जैसाकि रजिस्ट्रेड डीड नं० 1644
दिनांक 10-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी पठानकोट के
कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
तारीख: 2-7-79
मोहर :

ପ୍ରକାଶ ପାଇଁ ବିବରଣ୍ୟ ପତ୍ର ।

पर्याप्त अधिनियम, १९११ (१९११ अ. ४३) को धारा ३६५ व (३) व विशीर्ण गुरुत्वा

३१८ मारका

कार्यतिथि, गढ़वाल आयोडी नायका (निरीक्षण)

ਅਰਜਨ ਰੇਝ, ਅਮਤਸਰ

ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਦਿਨਾਂਕ 2 ਜੁਨਾਈ 1979

निर्देश सं० पी० टी० के०/79-80/77—पतः, मुम्बई, एम०
के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सभी साधारण विधियों को, भवु विश्वास करने का कारण है
कि स्वाधार सम्पत्ति जिप्रकार उचित गणारायण 25,000/- रु.
से अधिक है, और जिसकी में भूमि का प्लाट है तथा जो कि नन्द
(अवपुर नगर) में स्थित है (ग्रांड इस्से उपाध्यक्ष अनुमूली
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 की
पर्याकृत सम्पत्ति न उचित बाजार भूले से करने के दृश्यमान प्रतिकूल
के लिये अन्तरिक्ष को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यहांपूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकूल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का नन्दह प्रतिकूल से अधिक है
और धन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिकी (अन्तरियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश
से उन्नत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं दिया
गया है ।

(b) अन्तरण सहित विस्तृत विवर का बोधन उक्त अधिनियम के प्रधान फर वेसे के अन्तराल के द्वारा प्रदत्त विवर में फली रहते हैं। उससे बचतें में सुविधा के लिए बोधावाली।

(अ) यह किया पाया या किसी घर या प्रवेशान्तराया को, ताकि भारतीय व्यापक जागरूकता, 1933 (1922 का 11) या उत्तर भौतिकीय, या धन-वाहन भौतिकीय, 1957 (1957 का 27) के बदलावार्थी अस्तित्वी दूरा प्रकाट नहीं किया यथा कि यह किया जाता चाहिए था, (उपने में सुनिश्चि है तिनि;

अग्र: ४४, उक्त अधिनियम को भारा 269-ए अनुसरमें, में, उक्त अधिनियम के ११८-ए को उपराया (1) के अधीन विस्तृत व्यापारी, अर्थात् :-

1. श्री ग्रीष्म प्रकाश पुत्र करभ चन्द्र पुत्र श्री चेत राम अवरोन नगर, पठानकोट (अन्तरक)
2. श्रीमती शिमला देवी पत्नी श्री दर्शन सिंह निवासी गांव निवाला, तहसील पठानकोट (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में आरे कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिकारों में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इम जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अप्रोत्त्वाभ्यरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सबना जारी करके निर्वाचन सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाहियां करता है।

अता सम्भवित के प्रभव के बाबू में शास्त्री शास्त्रों के

(क) इस सूचना के राजाव्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तथा सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वार में समाप्त होती है, के भीतर पर्यावरण अविक्षियों में वे निम्नीकृतिका होता;

(अ) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टांशीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त परिवर्तनम्, के ग्रन्थाय 20-क में परिमाणित हैं, उक्त शब्दों द्वारा, जो उक्त ग्रन्थाय में दिया नया है।

અનુભૂતિ

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 31 मरला (65 वर्ग भी०) है जो कि नन्द तुर (अवरोन नगर) पठानकोट में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रेड डीड न० 1668 दिलाक 15-11-78 आफ रजिस्ट्रीग्र अथारटी पकानकोट के कार्यालय में दर्जी है।

एम० के० धर
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमतसर

तारीख: २-७-७९

मोहर :

प्रस्तुप धार्य० दी० एस० एस०—

आयकर प्रतिनियम, 1961 (1961 नं 43) की वारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

शार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

शर्यन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1979

निर्देश में प० एस० आर०/79-80/78—यतः मुझे एस० के० धर,

आयकर विविधम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो कि आनन्दपुर, पठानकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति ग्रन्ति अधिक है जौद अन्तर (सन्तरणों) और अल्परिती (अन्तरितेओं) के बीच ऐसे अनुरूप है जिपै क्या यथा यथा प्रतिफल, अन्तरिति उत्तम में उक्त अनुरूप विभिन्न में वास्तुतः उत्तम सम्मिलित है।

(क) अन्तर से दूरी 1000 आय की वारत उक्त अधिनियम, के अद्वितीय कर देने के अन्तर के अन्तरिति में कहाँ रखने या उसमें रखने में दूरेवा के लिए; योरुथा

(ख) ऐसी किसी यथा या किसी धन या धन्य आपत्तियों को, जिनके आरंभी आयकर विविधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या 1957-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या यथा राता चाहिए या उपलब्ध में गुरुद्वय के तद;

यथा: यद्य, उक्त अधिनियम के वारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की वारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री खरेनी लाल पुत्र श्री मलावा राम महाजन और श्री अणोक कुमार पुत्र खजान चन्द ढारा श्री गुरप्रीत कुमार पुत्र मास्टर कर्म चन्द पठानकोट मुख्यालय ग्राम० (अन्तरक)

2. श्री तरवोह सिंह, जोगिन्द्र सिंह पुत्रानन श्री जवानन मिह० 59 माडल टाऊन, पठानकोट (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरणेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

4. श्री यदि और कोई व्यक्ति इस जाति म स्थायी रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में अधीक्षताकारी जातता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए दात्यांशु लाभ है।

इन अपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाखेपः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन और अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया एवं अद्वितीय की तारीख से 30 दिन वा अधिक या जो अधिक दाय में व्याप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ वे से किसी अपत्ति दायः।

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन हो तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी दूसरे यात्रिया द्वारा, अधीक्षताकारी वा पाल लिहित में भिये जा रहे हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाचों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिचायित हैं, जैसी वर्त होगा, जो उप व्यापार में दिया जाता है।

अनुसूची

भूमि का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 11 भरला है 85 कं० मी० जो कि अनंद पुरा पठानकोट में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्री डीक नं० 1710 दिनांक 18-11-78 आफ रजिस्ट्री-अथार्टी पठानकोट की कार्यालय में दर्ज है।

एस० के० धर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
तारीख: 2-7-79
मोहर :

प्रस्तुत आई• टी• एन• एस• ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं. ए०ए० आर०/79-80/79—यतः मुझे एम० के० धर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. एक भूमि का टुकड़ा नं. 18 खसरा नं. 2291, 2293, 2294 जिसका क्षेत्रफल 308.13 वर्ग मी० है तथा जो कि लारेस रोड, अमृतसर में स्थित है, (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और ०१ रुपये में वर्णित है, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर गहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई हिसी पाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, यद्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपचारा (1) के अच्छीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री किशन कुमार पुत्र श्री घनश्याम दाम निवासी गुडगांव (अन्तरक)

2. श्रीमती जनक कपूर पत्नी श्री प्रोम प्रकाश कपूर निवासी 230 ग्रीन एवन्यू, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुची रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताधारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 308.13 वर्ग मी० है जो कि लारेस रोड अमृतसर में स्थित है (नं. 18 भिन खसरा नं. 2291, 2293, 2294) जैसा कि रजिस्टर्ड छोड नं. 3267/1 दिनांक 5-12-78 आफ रजिस्ट्रिंग अथार्टी, अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-7-79
मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंड टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० टी० टी० / 79-80/80—प्रतः मुझे एम० के०
धर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269व के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० एक माकान नं० 12/272 है तथा जो
कि अन्दर्वन आबादी पुरानी बाग बछणीवाला, तरन तारन
में स्थित है (और इसमें उपवद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरन
तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, दिसंबर 1978 कीपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिमित्त
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा
के लिये; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;प्रतः धर, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा, (1) के
प्रधीननिम्ननिमित्त व्यक्तियों, अर्थात् :—।

11 196GI/79

1. श्री कुन्दन सिंह पुत्र सं० बहादुर मिह, निवासी तरन
तारन जिला अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री हरी मिह पुत्र मव्वन मिह 1/2 भाग मव्वन्द्र
कोर पन्नी सं० हरी मिह, निवासी मंदूर तहसील कपूरथला,
जिला कपूरथला

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर सं० में श्रीर कोई फिरयेदार हो
तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रीहस्ताक्षरी
जानता है कि वह समाजि में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रीहस्ताक्षरों के पात्र
लिखित में किये जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक माकान नं० 12/272 जो कि आबादी पुरानी बाग
बछणीवाला तरन तारन में स्थित है जैमा कि रजिस्टर्ड डील
नं० 5152 दिनांक 11-12-78 आफ रजिस्ट्र अयारटी तरन
तारन के कार्यालय में इर्ज है ।एम० के० धर
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अमृतसर
अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक : 3-7-1979

मोदूर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश मं० ए० टी० टी०/79-80/81—यतः मुझे,
एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० ए० एक दुकान खाता नं० 12/30 खमरा नं०
30/26 है तथा जो किसरहालीरोड तरन तारन में
स्थित है और इसमें उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय तरन तारन
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः इस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 9-घ की उपबारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षियों अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्द्र मिहू पुत्र जगत मिहू निवासी तरन तारन।
(अन्तरक)

2. श्री कुन्दन सिहू पुत्र फोजा मिहू निवासी सूर मिहू
तहमील तरन तारन। (अन्तरिती)

मर्व श्री 1. मैसर्म एग्री इन्डस्ट्रीज तरन तारन 2. श्री
जोगिन्द्र मिहू पुत्र श्री जगत मिहू तरन तारन।

3. जैमा कि ऊर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अवौहम्माक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान खाता नं० 12/30 खमरा नं० 30/26
जो कि तरन तारन में स्थित है जैमा कि रजिस्टर्ड डीड
नं० 5404 दिनांक 27-12-78 आफ रजिस्ट्रीग अयारटी
तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख : 3-7-79।
मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निदेंग नं० टी० टी० /79-80/82—यतः मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक दुकान है तथा जो कि सरहाली रोड, तरन तारन में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोब दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि मन्त्रक (मन्त्रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अंकितमों, अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र जगत सिंह निवासी तरन तारन (अन्तरक)

2. श्रीमती दिविन्द्र कौर पुत्री बसी सिंह पत्नी श्री स्वर्ण सिंह निवासी पट्टी (अन्तरिती)

मर्वशी 1. मैमर्म प्रियोंडस्ट्रीज तरन तारन 2. जोगिन्द्र सिंह पुत्र जगत सिंह तरन तारन ।

4. यदि कोई व्यक्ति इस ज्यादाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपलब्धोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक दुकान जो कि सरलाली रोड, तरन तारन में स्थित है जिसका रजिस्टर्ड डीड नं० 5405 दिनांक 27-12-78 द्वारा रजिस्ट्रीग्र अधारारटी तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 3-7-1979

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० प०एस० आर० 79-80/83—यतः मुझे
एम० के० धर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ब
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग जायदाद है तथा जो कि बाजार
आटा मण्डी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-
सूची में शीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नरी प्राधिकारी
के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुद्दृश्य प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पात्र गया प्रतिक्रम निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं
किया गया है—

(ए) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावजूद, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आर्थिकों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की आरा 269-ब के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की आरा 269-ब की उपभारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्ति यों अवृत्ति :—

1. श्री गुरशरन सिंह पुत्र मालक मिह निवासी गांव बीता
बाजू, तहसील बटाला। (अन्तरक)

2. श्री हरिन्द्र सिंह और रजिन्द्रपाल मिह पुत्रान बलवत्त
सिंह, निवासी 417 ग्रीन एवन्यू, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. 1. सर्व श्री गुलाब राज 2. अजीत सिंह 3. जगजीत सिंह
आटा बाजार मण्डी, अमृतसर।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रोतोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह मूलना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्राप्ति के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तरिती (अन्तरितियों) के
पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

अन्तरिकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पर्वों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही
शब्द द्वागा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद हवेली में नं० 2120/6-10 और
2123/6-10 पुरानी अमारत जिसका क्षेत्रफल 198-58 वर्ग
मी० है जो कि बाजार आटा मण्डी, अमृतसर में स्थित
है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड में 3197/1 दिनांक 29-11-78
आफ रजिस्ट्रींग अधारटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-7-79

मोहर :

प्रकल्प पाई० टो० एम० एम०—

भाषकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त

26९प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/79-80/84—यतः मुझे एम० के० धर,

प्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गया है), की बारा 26९-व्य के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का ज्लाट है तथा जो कि गार्डन कालोनी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन्दी अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, नवम्बर 1978

को पूर्वोन्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भविनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्में भारतीय आय-कर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भविनियम, या धन-कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिक्षीय बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त भविनियम की बारा 26९-व्य के अनुसरण में, उक्त भविनियम की बारा 26९-व्य की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. श्री राम मिहू पुत्र श्री हरि मिहू, गार्डन कालोनी नं० 1, दुनी चंद रोड, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री वार्ड एम० पुरी पुत्र श्री भीष्म मिहू पुरी आई० ए० सी० सुपरइन्टेंडेन्ट दूजीनियर, गान्धी नगर, जम्मू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्भति के प्रबंधन के मंबंध में फोरे भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताकरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भविनियम के अध्याय 20क में परिचालित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यों

एक भूमि का ज्लाट जो कि गार्डन कालोनी अमृतसर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 754 वर्क मीटर है जैसाकि रजिस्ट्रेड डीड नं० 2/755/1 दिनांक 2/11/78 आक रजिस्ट्रीग आथरटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,
संभम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 3-7-79

मोहर :

रुपरा आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 प्र (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर० 79-80/85—यतः मुझे
एस० के० धर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हप्ते से अधिक है

और जिकी सं० ए० एक मकान का 1/2 भाग है तथा जो कि
अमृतसर जंगी शिवाला में स्थित है (और जो इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरणों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नहिं नहीं लिखा गया है:—

(क) अन्तरा में दुई किसी प्राय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है
लिए, और प्रा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य स्थितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या उपरान्त में सुविधा
है लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा के अनुसार से,
वे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा की उपायरा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्त्ततः:—

1. श्री श्रीम प्रकाश पुत्र नाल चन्द्र, प्रेम कुटिल, वस्वर्दि
श्रव जंगी शिवाला, अमृतसर, (अन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाश पुत्र वीथ्र राज, मुशीला देवी पत्नी
वेद प्रकाश, विजय कुमार, विपिन कुमार और श्रीमोह कुमार
मुगान वेद प्रकाश, जंगी शिवाला, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर से 2 में और कोई किरायेदार
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि
रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में तिवद है)

को वह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रबंध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तरिती के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिमाणित है,
वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया जाय
है।

अनुसूची

मकान का 1/2 भाग जो 4 1/2 मंजिला है न० 2888
2889 और 182 VI—2 जो कि बाजार जंगी शिवाला
अमृतसर में स्थित है जैसाकि रजिस्टर्डिड 2820/1 दिनांक
4/11/78 आफ रजिस्ट्रीग्र अथारटी अमृतसर गहर के कार्यालय
में दर्ज है।

एम० के० धर
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 3-7-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी• एन• एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं. ए० एम० आर० 79-80/86—यतः मुझ
एम० के० धर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं. ए० एक मकान का 1/2 है तथा जो कि जंगी
शिवाला, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीदर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 8 नवम्बर 1978को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्त्रित की गई है प्ली यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे मन्त्ररण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण मिलित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) मन्त्ररण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त सूचि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) एक अन्य धाय या किसी उन या उन्य आमियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यात्:—1. श्री कालीचरण पुत्र नाल चन्द 10/2 आजाद नगर, बंवर्ह
द्वारा ओम प्रकाश अटारनी) (अन्तरक)2. श्री वेद प्रकाश पुत्र बोध राज और मुशीला देवी पत्नी श्री
वेद प्रकाश जनक राज, विजय कुमार और आशोक कुमार पुत्रान
(अन्तरिती)3. श्री वेद प्रकाश, वाजार जंगी शिवाला, अमृतसर जैसा
कि ऊपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिनके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)4. श्री यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जाये करने पूर्णत वानि के प्रत्येक के
निए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर पूछना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त रही हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास निवित में किए जा सकेंगे।इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अव्याप में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान का 1/2 भाग 4-1/2 मंजिला नं. 2888, 2889
और 182/VI-1 जो कि बाजार जंगी शिवाला में स्थित है जैसा
कि रजिस्ट्री रोड नं. 2862/1 दिनांक 7-11-75 आफ
रजिस्ट्रीग्रामारिटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसरदिनांक: 4-7-79
मोहर:

प्रकृष्ट भाई० टी० एच० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संवाद प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० ग० एस० आर०/79-80/87—पतः मुझे,
एम० के० धर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से प्रधिक है।

और जिसकी सं० एक दुकान है तथा जो कि कटडा घनरूपां,
बाजार चमड़े वाला अमृतसर में स्थित है। (और इसमें
उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
नवम्बर 1978 को।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कृत के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के द्वायित्व
में किसी उक्त वापर या उपयोग में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमात्र
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
भांति, विनियित अधिकारी, अधीक्षित :—

1. श्री सन्त मिह पुत्र ईशर मिह 69, अजीत नगर
अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री जननैल मिह पुत्र गुरादिदा मल दुकान नं०
662/1, बाजार चमड़े वाला, अमृतसर (अन्तरिती)

3. मर्व श्री माधु राम सारकत जायदाद जोकि बाजार
चमड़े वाला अमृतसर में स्थित है।

4. यदि और कोई व्यक्ति जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना इसी करके इवान वस्ति के ग्रंथन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के बंदर में लाई जाएगी :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही शब्द होता है, जो उम अध्याय में
दिया गया है।

प्रमुखशब्द

एक दुकान नम्बर पुराना 662/1 निली प्लैट नं० 348/1-
2 जोकि कटडा घनरूपा, बाजार चमड़े वाला अमृतसर में
स्थित है जैसाकि रजिस्टर्ड लाइन नं० 3040/1 दिनांक 17-11-
78 आफ रजिस्ट्रीग्र अथारटी अमृतसर के कार्यालय में
दर्ज है।

दिनांक : 3-7-79

मोहर :

एम० के० धर,
सक्षम प्राधिकारी,
संवाद प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

प्रकाश प्राईटी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० ने० एल०/79-80—यतः, मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वां के अधीन सदम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० ने० अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जोकि भीलोवाल अजनाला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे अच्छने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबंध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, लियाने में मुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269वां के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वां को उपचारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्यातः—

12-196GI/79

1. श्री श्रीम प्रकाश अशोक कुमार पुत्रान जगत मित्र निवासी भीलोवाल तहसील अजनाला, जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री जमवन्त मिह, पूर्ण सिंह, जगीर सिंह गुरमीत गिह पुत्रान उधम मिह, गांव मीलोवाल तहसील अजनाला (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिकारों में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीक्षताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित म किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त कानूनों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20 के में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अधियाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 64 कनाल है जो कि गांव भीलोवाल तहसील अजनाला में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3248/1-12-78 आफ रजिस्ट्रींग अधारटी अजबाला के कार्यालय में दर्ज है

एम० के० धर,
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख: 17-7-79

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं. ए० जे० एल०/79-80 (यतः—मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है जो तथा जो भिण्डी औलख, अजनाला में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अमृतर (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल, भिन्नलिखित दरें स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रकार के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या भव्य वास्तियों को, जिन्हे सारलीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, लिपाने में सुविधा के लिए।

यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-व के अनुसरण में, भूमि, उक्त अधिनियम की घारा 269-व उच्च-घारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षि—

- श्री प्रताप सिंह पुल आसा सिंह चनन सिंह, जीवन सिंह पुन्नान प्रनाप सिंह निवासी भिण्डी सैदा तहसील अजनाला (अन्तरक)
- श्री मुखतार सिंह जगतार सिंह वलकार सिंह पुन्नान अजीत सिंह निवासी भिण्डी औलख तहसील अजनाला (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)
- यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वहों अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 150 कनाल है जो कि गांव भिण्डी औलख तहसील अजनाला में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रेड डीड नं. 3328 दिनांक 5-12-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी अजनाला के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियोक्ता)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी टी के/79-80—यतः, मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1 कनाल है तथा जो आनन्दपुर अवरोल नगर पठानकोट में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूषप्रभाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- सरदार प्रीतम सिंह वेदी पुत्र पूर्ण सिंह वेदी निवासी गुरदासपुर अब तहसील वरसी पठाना जिला पटियाला द्वारा श्री हरवंस लाल पुत्र श्री चुनी लाल मुखतार-ए-आम निवासी पठानकोट (अन्तरक)
- श्रीमती विमला देवी विधवा स्वर्गीय लैफ्टीनैट कर्मल डी० आर० राम पाल, श्री परमानन्द विश्वामित्र, पुत्रान स्वर्गीय कर्नेल डी० आर० राम पाल पुत्र श्री चुनीलाल राम पाल भारकत मेजर एन० के० राम पाल निवासी तहसील पठानकोट जिला गुरदासपुर (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अभिभाव में सम्पत्ति है)
- यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पंथी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, उक्त अधिनियम, के प्रक्षयाय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1 कनाल है जो कि आनन्दपुर अवरोल नगर पठानकोट में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 1592 दिनांक 6-11-78 आफ रजिस्ट्रिंग अथारटी पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (नियोक्ता)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79
मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीमंत रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80— यतः मुझे एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० एक इमारत नं० 548/5 है तथा जो कि बाजार लछमनसर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित भी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल ये, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रनिवास से प्राप्ति है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कियी रखने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथम प्राप्तियों को विभेद भारतीय भव्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसर में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपावड़ (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पातः—

1. सर्व श्री इन्द्रसिंह, सुरजीत सिंह पुत्रान शाम सिंह और श्रीमती करतार कौर विधवा शाम मिह ग्रीन एवन्यु, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती इन्द्रपाल पत्नी इन्द्रजीत और चरणजीत कौर पत्नी मात्दार हरिन्द्र मिह रेटड़ा दल सिंह, अमृतसर (अन्तरिक्ती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो श्री नारायण सिंह भार्कत सम्पत्ति (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मर्जन में कोई भी व्यक्तिपेत्रः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में दमात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी जानी द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः— समेत प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भाष्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही शब्द होगा जो उस भाष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत नं० 548/5 जो कि बाजार लछमनसर अमृतसर (156 वर्ग मी०) जैसा कि रिजस्ट्रेड डीड नं० 3175/1 विनांक 27-11-78 रजिस्ट्रेग अथारटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक : 17-7-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० जे० एल० के० एल०/79-80—यतः मुझे
एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
में अधिक है

और जिसकी सं० वह कृपि भूमि है तथा जो जगतपुर
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुगृहीत में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज्ञावाल
कलां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, नवम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती-
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से अक्सर अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय या आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायेत्व में कमी करने या उससे बचने में दुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को चिन्हों सारलीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुद्दिष्ठ के निये;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपलापा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, दर्शाएँ :—

1. श्री वसन सिंह, मुलखन मिह और दर्शन मिह पुत्रान
इन्द्र मिह गांव जगतपुर (अन्तरक)

2. श्री तारा सिंह, दरवारा मिह और गुलजार सिंह पुत्रान
मरदार रुड मिह गांव संगाह तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर सं० 2 में यदि और कोई किरायेदार
हो तो (वह अविक्त जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में हचि रखता
हो तो (वह अविक्त जिस के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति ये हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए जारीबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस नृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए थे सर्कंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुसूची

कृपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 कनाल मरले हैं जो
कि गांव जगतपुर में स्थित हैं जैमा कि सेम डिड नं० 708/
13-11-78 आफ रजिस्ट्रीग्र अपारटी ज्ञावाल कलां के कार्यालय
में दर्ज हैं।

एम० के० धर,
सभाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 17-7-1979
मोहर

प्रकृष्ट प्राईंटी ईन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्चन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

नेंद्रेश सं० ए० एस० आर०/79-80—यतः मुझे एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० ३० कृषि भूमि है तथा जो कि झंडेर महा पुरखा में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चदू प्रतिशत से अधिक है और दस्तावेज़ (पत्रकों) और अन्तरिती (मन्त्रितियों) के बीच ऐसे मन्त्ररण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) यस्तरमें हुई किसी प्राव या बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रत्यरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित वित्तियों प्रर्थातः :—

1. श्री शंगारा सिंह बहादुर गांव झंडेर महा पुरखा तहसील, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री ज्ञानी मेजर सिंह, मतवन्त सिंह, मेहर सिंह, तरमेल सिंह पुत्रान हरभजन सिंह निवासी झंडेर महा पुरखा तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में हच्छि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों को, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल कनाल 47 है जो कि गांव झंडेर महा पुरखा तहसील अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रेड डीड नं० 4678/13-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अधारटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79

मोहर :

प्रकृत भाई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/79-80—यतः, मुझे, एम० के० धर,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि मजीठा में स्थित है (और इसमें उत्तरांश अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रम के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी घाय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसर वें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अन्तर्निहित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती करतार कौरपुरी राम कौर निवासी मजीठा तहसील अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री गढ़ी श्री जगजीत मिह, मुख्तार आम मरदार अजीत मिह, बलकार मिह, मुचा सिह पुत्रगण बरयाम सिह बामी मजीठा तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किंगयेदार हो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

लप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका श्रेत्रफल 30 कनाल 15 मरसे है जो कि गांव मजीठा तहसील अमृतसर में स्थित है और जैसा कि सेल डीड नं० 4,217/17-11-78 आक रजिस्ट्रीग्र अथारटी अमृतसर तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 17-7-79

मोहर:

प्रेस गाई टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापा
र 269 व (1) के अधीन सूचना

मान्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० १० एस० आर० /79-८०—यतः मुझे यम०
के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने
इसमें इमर्ज प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विवास
करने का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ठृषि, भूमि है तथा जो कि
गांव कोटलादल सिंह, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रम के लिए सम्मति की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि याचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से ऐसे वृश्यमान प्रतिक्रम का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यारूप के लिए तथा
पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तर
लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर द्वारा की व्यापक, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी इन्हें या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बोर/था

(ब) ऐसी किसी धारा या किसी इन या अन्य आस्तियों
को जिसे भारतीय धारा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, उपाने में सुविधा
के लिए;

वह, अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णत :—

1. श्री रजिन्द्र निह पुत्र स० जगवीर भिह निवासी कोटला दल
निह तहसील अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री गुरदीप सिंह, सुरजीत सिंह गुलाम शिंगारा सिंह, लखा
सिंह, बलकर सिंह हरभेज सिंह पुत्रान उपार सिंह निवासी काला
घनुपुर तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैता कि ऊर सं० २ गे श्रीर कोई गिरायेदार हो ना
(वह व्यक्ति जिनके गांव भोग में सम्पत्ति है)

4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति उभ जापदाद में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधीक्षता अधिकारी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के आर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के आर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रारंभ :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और
भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षता अधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एवं दोषरम :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित
है, वही शब्द होगा जो उस प्रधाय में विद्या गवा
है ।

पनुसूची

कृषि भूमि जिसका खेतफल 46 कनाल 16 मरले का
1/3 भाग 140 कनाल 10 मरले मिन किला नं० 22/1, 2,
3, 8, 9, 10, 11, 12, 19, 20, 21, मिन 22, 23/4, 5, 6, 7
मिन 15 मि, 16 मिन 25 मिन 32/1, 9 मिन, 10 मिन, 12/1,
2, जो इंगंव कोटला दलनिह पे स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रड
डीड नं० 4219/17-11-78 प्राप्त रजिस्ट्री अथारटी अग्रूतमर
तहसील के नायालय में दर्ज है ।

एम० के० धर
सभन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79

मोहर :

प्रकाश प्राई• टी• एन• एस•--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जून 1979

निर्देश मं० ए० प्र० प्र० आर० 79-80—यतः मुझे एम० के० धर.

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

मैं इनमें सं० ८० कृपि भूमि है तथा जो कि कोट्ला दल मिह में स्थित है (श्रीरामने उपरांत अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रारों प्रविधियों के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-रूग्र अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारों अर्थात्:—

13=196GI/79

1. श्रीरामि हरिन्द्र कौर पत्नी सरदर जगद्वीर सिंह निवासी कोट्ला दल मिह तहसील अमृतसर (अन्तरक)

2. सरदार गुरदीप भिह, सुरजीत भिह पुत्रान शिगारा सिंह, लखा भिह, हरभेज भिह बलकार भिह पुत्रान उपार भिह निवासी कालाधनुपुर तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि अपर मं० 2 में और कोई किरणेदार होता (वह व्यक्ति जिनके अधिकारों में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इन जायदाद में उन्हें रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में द्वितीय है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति जे अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन से भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बन्दि किसी अग्न व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 46 कनाल 16 मरले हैं जो कि गांव कोट्ला दल सिंह में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्री डीड नं० 4220/17-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अधारटी अमृतसर तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
मक्षम प्राधिकारी
महायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

नामीक्र : 17-7-79

मोहर:

प्रस्तुप आई० टो० एन० एम०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा०

269८ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जूलाई 1979

निर्देश गं० ए० एम० आर०/79-80—यंतः मुद्रे गं०
के० ध०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269८ के प्रधीन सभी प्रधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायक संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि कोटला दल मिट में स्थित है (और इसमें उत्तरांश अनुसूची में और पूर्ण स्थान में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मेरजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तिम तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मेरे पूर्वोक्त विष्वास का एक उत्तिष्ठान से प्राप्ति है और प्रभारक (प्रलारकों) और अन्तरित (प्रलारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय से गावन उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक वायित्व मेरी करने या उसमें बदलने मेरी सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी बन या पन्थ आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मेरी सुविधा के लिए;

अतः प्रत्, उक्त प्रधिनियम की आरा 269८ के अनुसरण मेरी उक्त प्रधिनियम की आरा 269८ की उपाधा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधातः—

1. मर्दार रिमन्द्र मिह पुत्र गरदार जगदीर मिह निवासी गाव कोटला दल मिह

मर्दार गुरदीप मिह, सुरजीत मिह पुत्रान गंगार (अन्तरक) मिह 1/2 भाग लाला मिह, बलकारा मिह, हरधंजी मिह, पुत्र न उपर मिह 1/2 भाग निवासी गाव कोटला दल मिह (अन्तरक)

3. जैना कि ऊपर सं० 2 मेरी कोई किंगदेवार होता है (वह दाकिन, जिसके अधिभोग मेरी सम्पत्ति है)

4. पर्दि ग्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद मेरी स्वता हो (वह दाकिन, जिसके बारे मेरी अधीक्षनाक्षरी जानता है कि वह मेरी सम्पत्ति मेरी हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रते के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत मेरी कार्ड मा नामप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र मेरी कार्यालय से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद मेरी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मेरी से किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मेरी कार्यालय की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मेरी हितवद्ध किसी पन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधानाक्षरा के पास निर्वित मेरी किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्तर्गत 20-का मेरी परिभाषित है, वही प्रथम होगा, जो उक्त प्रधानाक्षरा मेरी दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 1/3 का 140 कनाल 10 मरले जो कि गाव कोटला दल मिह मेरी स्थित है जैसा कि सेल डील नं० 4221/17-11-78 आफ रजिस्ट्रीग अधारटी अमृतसर तहसील के कार्यालय मेरी दर्ज है।

एम० के० ध०

मध्यम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, अमृतसर

तारीख 17-7-79

मोहरः

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० टी/टी/79-80—यतः मुझे एम० के० धर, अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी मं० कुपि भूमि है तथा जो कि गांव दूँडा तरन तारन में स्थित है (ग्रीर छमे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) वे बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वर्स्ट्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरमें, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. जनव्रिंत कोर विधा नारा मिह गांव दूँडा तहसील तरन तारन (अन्तरक)

2. मरदार इन्द्र मिह पुत्र बचन मिह 1/2 क्षमीर कोर पत्ती जोगिन्द्र मिह 1/4 दलवीर कोर पत्ती जमा मिह गांव चीमा तहसील पट्टी (अन्तरिती)

3. जैन फि ऊर सं० 2 में विद्र और कोई किरायेदार होतो (वह वर्गिनजिमके अधिभोग में मम्पत्ति है)

4. पांद श्रीर कोई व्यक्ति इस जापदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोस्थानी जानता है कि वह मम्पत्ति में हितबद्ध है)

को पृ० मूला जारी हरके पूर्वोक्त मम्पत्ति हे अर्जन के लिए कार्यालयी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्पत्ति में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि जिम्हा क्षेत्रफल 82 कनाल 13 मरले हैं खाना नं० 89/271 जो कि गांव दूँडा में स्थित है जैसा फि पेल डीड नं० 4770/17-11-78 आफ रजिस्ट्रीग्रामार्टी तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है।

प्रम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
तारीख 17-7-79
मोहर :

प्रकाश प्राईंटी० ईन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० स्वाल कला 79-80—प्रतः मुझे एम० के० धर्,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सरकारी को पह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०, से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो कि गांव धार स्वाल कला में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय स्वाल कला में रजिस्ट्रोरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(म) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1967 (1967 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः धर, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, भै, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269व की संपादना (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतित :—

1. श्री प्रमजीध विह परमजीत मिह, श्रीमती प्रवदीप कौर पुर्वी सोत्रा भिह, नावालग ढंड द्वारा कुलवंत मिह, पुत्र बहादुर मिह, गांव गांडील। नहमीन जगद्धर्मी (अन्तरक)

2. श्री सेवा सिह पुत्र वर्ण्याम मिह, गांव व डां धार जिला अमृतसर। (अन्तर्गती)

3. जैता कि ऊपर सं० 2 में श्रीर कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त वर्गति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप :—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामोल से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि जिसका शेवफल (नहरी) खसरा नं० 113/22/1 256 257 44/19/1 4-40 4-7 4-0 5-15 8-0 7-12-17/1 2-18 12/2/18/8-020/2 1-00 101-7-2 2-0 जो कि गांव ढंड में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रेशन नं० 746/20-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी स्वाल कला के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, अमृतसर तारीख 17-7-79

मोहर :

प्रस्तुप मार्गी० टी० एन० एम०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/79-80-यत: मुझे एम०
के० धर,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के प्रधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक हैऔर जिसकी सं० कुपि भूमि है तथा जो कि गांव बगवां
में स्थित है (और इसने उचावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अन्तरर में रजिस्ट्रेशन प्रधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यान
प्रतिकल के लिए प्रतिशत की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके स्थावर सम्पत्ति के प्रतिकल से, एम
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितिया) क
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उसके अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कण्ठित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरा सं० ५१ लिया आय की बाबा, उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर दिन के अन्तरक के
दायित्व में कमो करने या उसके बचन में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसा किसी पाय या किसी ब्रत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय भाषा-हर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, भा
षा-हर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाय अन्तरितो द्वारा प्रदट नहीं विया
गया या किया जाना वाहिए या, छिपाने में
सृजना जे लिए;अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम, की दाया 269-ग को उपलब्ध (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सरदार दयाल मिह कालेज ट्रस्ट सोसाईटी, करनाल,
श्री रत्नी राम मुख्तार-न-आम, (अन्तरक).
2. श्री गुरदेव मिह, जमर्वार मिह कुलदीर पुत्रान कृपान
मिह निवासी गांव कोटमा गुजरां तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो
नो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति दृम जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता, है
कि वह समात्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त समात्ति के प्रजन के
लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया
गया है।

अनुसूची

कुनि भूमि जिसका खेत्रफल 45 कनाल 6 मरले हैं जो
खमग नं० 86/1, 42/1219/2/20 37/18/1/19/2/42/21
22/1 26/1/1 कि गाव बगवां में स्थित है जैसा
कि खेल डीड नं० 4300/22-11-78 आफ रजिस्ट्रेंग
अथारिटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 17-7-79

मोहर :

प्रस्तुति आईटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० १० एम० एस०/79-८०—यतः मुझे एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जोकि गांव बरना आवाद में स्थित (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर तहसील में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

- सरदार द्याल मिह कालेज ट्रस्ट सोसाईटी करनाल राही श्री रत्नी राम शर्मा (मुख्तार-ए-आम) (अन्तरक)
- श्री दविन्द्र भिंह, बनविन्द्र मिह, कुलवीर मिह, पुत्रान तलांक मिह निवासी बुजरा आवाद तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जाप्रदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

हो यह बूरा जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के निये एतद्वारा कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के मान तित्रित नहीं होने।

हृष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि जिसका धेनफल 33 कनाल 8 मरले हैं जो कि गांव बरना आनाद तहसील अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 4305/22-11-78 आफ रजिस्ट्रीग अथारटी अमृतसर तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
मालम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० प० प्र० आर० /79-80—यतः मृष्टे
एम० के० धर,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो रख जीता ने स्थित
है (और इप्पने उत्तरवद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजस्ट्रोर्हर्टा अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नारीख नवम्बर 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निये अन्तरित की गई है और मृष्टे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने के
लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रनस्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्री प्रबीन चन्द्र पुत्र जगदीश चन्द्र निवासी गांव रख
जीता तहसील अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री वल्वीर मिह पुत्र फौजा मिह निवासी भोहल
(अन्तरिती)3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किशोरदार हो
तो (वह अकित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)4. यदि और कोई व्यक्ति इस जाधार में सच्च रखता
हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तहसील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में मापात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 कनाल 14 मर्ले है
जो कि गांव रख जीमा में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं०
4356/24-11-78 आफ रजिस्ट्रिंग अशार्टी अमृतसर तहसील
के कार्यालय में दर्ज है।एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

नारीख : 17-7-79

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश नं० ए० एस० आर०/79-80--प्रतः मुझे एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पारचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी नं० ए० एक मकान नं० 661/3 है तथा जो कि गली पीपल वाली चौक माना मिह अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपगढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नरी अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पारा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

प्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन अर्थात्:—

1. श्रीमती चण्णजीत कौर, बनवीर कौर, अमरजीत कौर पुत्रीया मर्दार गजन मिह, चौक माना मिह गली पीपल वाली अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती हरनान कौर पन्नी मर्दार हरदिवाल मिह चौर प्रागदाम अनुसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर० सं० 2 में और कोई कियायेदार हो तो मर्व थी हरदीप मिह, देव राज, राम कृष्ण, रत मिह गुरबाण मिह, राम लाल, हंस राज और श्री प्रकाश चन्द।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. प्रदि श्रीर कोई व्यक्ति इस संपत्ति में नहीं रखना हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीक्षणाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाराय 20क म परिभाषित है, वही प्रथम होंगा, जो उस प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 661/3 और नया नं० 687/III- 10 जो कि चौर माना मिह गली पीपल वाली अमृतसर में स्थित है (407 वर्ग मी०) जैसा कि सेल लीड नं० 3029/दिनांक 17-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटीज अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 31st July 1979

No. F.2-79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed Smt. Swaran Kali, Officiating Librarian and appointed her substantively to the post of Librarian in the Supreme Court Library with effect from the forenoon of 30 July 1979.

B. M. CHANDWANI,
Assistant Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th July 1979

No. A.12019/1/79-Admn.II.—In partial modification of this Office Notification No. P.1042/Admn II dated 30th June, 1979 Shri T. M. Kokel, a permanent Private Secretary (Selection Grade of CSSS) in the office of UPSC is hereby appointed to officiate as Special Assistant to Chairman, UPSC, a Group 'A' post in the scale of pay of Rs. 700—10—900—EB—40—1100—50—1300 on transfer on deputation basis with effect from 10-7-79 until further orders. However, the appointment of Shri T. M. Kokel for the period from 30-6-79 (A.N.) to 9-7-79 (A.N.) will be against a group 'B' post of Spl. Assistant to Chairman in the scale of Rs. 650—10—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—10—1200.

On the appointment as Special Assistant to Chairman the pay of Shri T. M. Kokel, will be regulated in terms of the Ministry of Finance OM No. F10(24)-E-III '60, dated 4-5-1961 as amended from time to time.

The 20 July 1979

No. A. 32013/2/77-Admn. I.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Dr. R. Bhaskaran, lecturer in the Calicut Regional Engineering College, Calicut, and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis w.e.f. the forenoon of 21-7-79 to 20-10-79 or until further orders, whichever is earlier, *vice* proviso to Regulation 4 read with regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

No. A. 32013/2/77-Admn. I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri V. N. Vaidyanathan, Assistant Planning Officer in the Directorate General, A.I.R. and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis w.e.f. the forenoon of 30-7-79 to 20-10-79 or until further orders whichever is earlier, *vice* proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Chairman

New Delhi-110011, dated the 17 July 1979.

No. A. 32014/1/79-ADMN.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer, *on an ad hoc* basis, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier.

S.No.	Name	Period for which Remarks promoted as Section Officer	3	4
1	2			
1. Sh. K.P. Iyer	.	17-6-79 to 31-7-79		..
2. Sh. R.P. Sharma	.	27-6-79 to 11-8-79		..
3. Sh. S.D.S. Minhas	.	18-6-79 to 2-8-79		..
4. Sh. Krishan Kumar	.	1-6-79 to 21-7-79		..
5. Sh. G.P. Bhatta	.	1-6-79 to 16-7-79		..
6. Sh. S.N. Ghosh	.	4-6-79 to 19-7-79		..
7. Sh. O.P. Kathuria	.	4-6-79 to 19-7-79		..

14—196GI/79

No. A. 38013/1/79-Admn. I.—The President is pleased to permit Shri G. R. Sapra, a permanent Private Secretary (Grade A of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission) to retire from Govt. service voluntarily in accordance with Rule 48A of CS (Pension) Rules 1972 w.e.f. the forenoon of 31st July, 1979.

The 25th July 1979

No. A. 32013/1/79-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of Selection Officer's Grade of the CSS Cadre in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary on *ad hoc* basis in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No., Name and Period

1. Shri B. S. Kapur—12-7-79 to 11-10-79.
2. Shri J. P. Goel—2-7-79 to 16-8-79.
3. Shri R. N. Khurana—1-6-79 to 16-7-79.

The 26th July, 1979

No. A. 32014/1/79-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer, on an *ad hoc* basis, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier.

S.N.	Name	Period for which Remarks promoted as Sec- tion Officer
1.	Shri B.R. Basra	1-7-79 to 29-8-79
2.	Shri R.K. J. suj	1,7,79 to 31,8,79
3.	Shri S.N. Sh rm	1,7,79 to 31,8,79
4.	Shri Jai Narain	1-7-79 to 31-8-79
5.	Shri S.R. Khanna	1-7-79 to 31-8-79
6.	Shri N.K. Dhingra	1-7-79 to 31-8-79
7.	Shri B.L. Sharma	1-7-79 to 31-8-79
8.	Shri M.N. Arora	12-7-79 to 20-8-79
9.	Shri J.L. Sud	1-7-79 to 10-8-79

S. BALACHANDRAN
Under Secy.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 31st July 1979

No. 87 RCT 28.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. C. Gurg, a permanent Section Officer of Central Secretariat service as Section Officer in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 21st July 1979, until further orders.

K. L. MALHOTRA
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 21st July 1979

No. M. V-1/79-Legal-Misc. KW-Pers. JL.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974), as amended by Act No. 45 of 1978, the Central Government hereby appoints Shri M. S. Hundal, Joint Assistant Director (Legal), Central Reserve Police Force, Rama Krishna Puram, New Delhi, as a Special Public Prosecutor for the purpose of conducting the prosecution of all criminal cases relating to the offences punishable under section 9 or 10 of the Central Reserve Police Force Act 1949 (Act 66 of 1949) instituted against members of the Central Reserve Police Force, pending on the date of this Notification before the Court of various Commandants/Assistant Commandants-cum-Judicial Magistrates First Class.

S. S. JOG
Jt. Secy.

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, 5th July 1979

No. A-19021/1/79-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri E. N. Rammohan, I.P.S. (1965-Meghalaya) as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, with effect from the afternoon of 9th July, 1979 and until further orders.

HFM. A. SIAHANEY
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 27th July 1979.

No. P. VII-6/77-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion, the following Subedars Majors/Subedars of CRPF Force to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. They took over charge of the posts in the Battalions and on the dates indicated against their names:—

Sl.No.	Name of the Officer	Unit to which posted	Date of taking charge.
1.	Shri Raghbir Singh	1Bn	15-6-79 (FN)
2.	Shri N.S. Rawat	36Bn	8-6-79 (FN)
3.	Shri T.C. Yadav	24Bn	12-6-79 (FN)
4.	Shri Budh Ram	30Bn	14-6-79 (FN)
5.	Shri Chhatar Singh Yadav	38Bn	13-6-79 (FN)
6.	Shri Milap Singh	20Bn	20-6-79 (FN)
7.	Shri Nanak Singh	45Bn	19-6-79 (FN)
8.	Shri Suresh Chandra	52Bn	15-6-79 (AN)
9.	Shri J.K. Chhibber	33Bn	14-6-79 (FN)
10.	Shri Shiv Lal	6Bn	26-6-79 (FN)

The 28th July 1979

No. P.VII-1/79-ESTT.—The President is pleased to appoint on promotion, Inspector Hari Chand as Deputy Superintendent of Police (Coy Commander/Quarter Master) in the CRPF, purely on *ad hoc* basis, with effect from 16th June 1979.

2. The above *ad hoc* promotion shall not confer on the officer any benefit towards seniority/confirmation in the rank of Dy. S. P. The service rendered by Shri Hari Chand as *ad hoc* Dy. S. P. shall also not count towards his eligibility for further promotion.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 25th July 1979

No. 10/28/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Mahesh Ram, Senior Geographer in the Office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Map Analyst on *ad-hoc* basis, in the same office, as Research Officer (Map) on regular basis, in a temporary capacity, in the same office with effect from the forenoon of 4th July 1979, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

No. 10/9/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri C. G. Jadhav, Research Officer (Social Studies) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Officer on Special Duty (Scheduled Castes and Scheduled Tribes) on *ad-hoc* basis in the same office, as Officer on Special Duty (Scheduled Castes and Scheduled Tribes) on a regular basis, in a temporary capacity, in the same office with effect from the forenoon of 9th July 1979, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

No. 11/81/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Birendra Singh, an officer belonging to the Manipur Civil Service, as Director of Census Operations, Manipur, Imphal, with effect from the afternoon of 30 June 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Singh will be at Imphal.

CORRIGENDUM

No. 11/84/79-Ad.I.—In this office notification No. 11/84/79-Ad.I, dated 16th July 1979 in paragraph 1 the date of appointment of Shri K. L. Negi as Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla, may be read as "with effect from the forenoon of 9th July 1979".

The 27th July 1979

No. 7/2/79-Ad.I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee and in consultation with the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri K. R. Unni as Deputy Director (Programme) in a substantive capacity with effect from the forenoon of the 21st July 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Unni will be at New Delhi.

No. 11/94/79-Ad.I-14843.—The President is pleased to employ Shri P. S. R. Avadhany, with effect from 1st August 1979 for a period of 6 months as Deputy Director of Census Operations in the scale of Rs. 1100—50—1600 in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh.

The headquarters of Shri Avadhany will be at Hyderabad.

The 28th July 1979

No. 11/75/79-Ad.I-14967.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Gandhe an officer belonging to Grade II of the Indian Economic Service and presently holding the post of Director, Planning and Statistics, under the Government of Goa, Daman, Diu, as Director of Census Operations, Goa, Daman and Diu, Panaji in an *ex-officio* capacity with effect from the forenoon of 20th March 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Gandhe will be at Panaji.

No. 11/93/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Chhaya, an officer belonging to the Gujarat Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad with effect from the forenoon of 17th July 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Chhaya will be at Ahmedabad.

The 30th July 1979

No. 10/28/78-Ad.I-15165.—The President is pleased to appoint Shri S. D. Tyagi, Senior Geographer in the office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Research Officer (Map), on *ad-hoc* basis as Research Officer (Map) in the same office on regular basis, in a tempo-

rary capacity, with effect from the forenoon of 12th July 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Tyagi will be at New Delhi.

No. 11/91/79/Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. M. Nair, an officer belonging to the Union Territories Cadre of the Indian Administrative Service and at present holding the Post of Administrator, Union Territory of Lakshadweep, as Director of Census Operations, Lakshadweep, Kavaratti in an *ex officio* capacity with effect from the forenoon of 22nd June 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Nair will be at Kavaratti.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE
DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 24th July 1979

F. No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Department's Notification of even number dated 19th April 1979, the *ad-hoc* appointment of Shri G. L. Damor, as Deputy Control Officer in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period of 6 months with effect from 19th June 1979.

The 25th May 1979

F. No. BNP/C/5/79.—Shri S. L. Malhotra, a permanent Junior Supervisor (Mechanical) is appointed in an officiating capacity as Assistant Engineer (Air-conditioning) in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—FB—40—1200/- in the Bank Note Press, Dewas on transfer basis with effect from 23rd May 1979 (F.N.) until further orders.

The 27th July 1979

F. No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Department's Notification number BNP/C/5/78, dated 7th November 1978 the appointment of Shri N. G. Kibe, as Accounts Officer in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period upto 30th September 1979 on the existing terms and conditions.

P. S. SHIVARAM
General Manager

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD
Calcutta, the 24th July, 1979

The President is pleased to appoint the following Assistant Medical Officers in Ordnance Factories Organisation with effect from the dates indicated viz:—inst each until further orders:—

Sl. No. (1)	Name & Post (2)	Posted at (3)	Date (4)
1.	Dr. (Mrs.) Sujata Chakraborty, Asstt. Medical Officer	Ord. Factory, Khemaria	22-2-1979
2.	Dr. (Mrs) Chhabi Roy Asstt. Medical Officer	Metal & Steel Fy. Ishapore	22-2-1979
3.	Dr. Ram Govind Gupta Asstt. Medical Officer	Ordnance Fy. Kanpur	30-3-1979
4.	Dr. Haripal Singh, Asstt. Medical Officer	Ordnance Fy. Muradnagar	9-4-1979
5.	Dr. R. Viswanatha Reddy, Asstt. Medical Officer	Clothing Fy. Avadi	23-4-1979
6.	Dr. Rotash Kanwar, Asstt. Medical Officer	Ord. Parachute Fy. Kanpur	24-4-1979
7.	Dr. Sudhir Kumar Jha Asstt. Medical Officer	Gun & Shell Fy. Cossipore	24-4-1979
8.	Dr. R.R. Ahirwar Asstt. Medical Officer	Heavy Vehicle Fy. Avadi	27-4-1979
9.	Dr. T.K. Venugopal, Asstt. Medical Officer	Ordnance Fy. Ambarnath	30-4-1979

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I

MADHYA PRADESH

Gwalior, the 7th July 1979

No. O.I.I/P.S/1164.—In terms of Rule 43 of C.C.S. (Pension) Rules 1972, the Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to permit Shri A. V. Shankar Iyer, Accounts Officer to retire voluntarily from services w.e.f. 1st August 1979 (F.N.).

D. C. SAHOO
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Jaipur, the 23rd July 1979

No. Admn II/G-G Notification/4964.—The Accountant General is pleased to promote Shri Om Prakash Sharma-II, Section Officer of this office and appoint him as officiating Accounts Officer with effect from 12th July 1979 (F.N.) until further orders.

R. A. BORKAR
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 24th July 1979

No 2173/A-Admn/130/79.—Consequent on his permanent absorption in the Neyveli Lignite Corporation, with effect from 29th July 1979 (F.N.) the Lien of Shri T. Gopalachary, Substantive Audit Officer in this Department will stand terminated in terms of F.R. 14-A (d) from the same date.

K. B. DAS BIHOWMIK
Joint Director of Audit

(1)	(2)	(3)	(4)
10.	Dr. H. Veerbadrappa, Asstt. Medical Officer	Cordite Fy. Aruvankadu	30-4-1979
11.	Dr. Phool Chand, Asstt. Medical Officer	Small Arms Fy. Kaupur	30-4-1979
12.	Dr. Harmit Singh Chandla, Asstt. Medical Officer	Clothing Fy. Shajhanpur	30-4-1979
13.	Dr. P. Regunath, Asstt. Medical Officer	Ord. Fy. Tiruchirapalli	30-4-1979
14.	Dr. V.K. Jahagirdar, Asstt. Medical Officer	Ammunition Fy. Kirkoe	4-5-1979
15.	Dr. R.K. Samal, Asstt. Medical Officer	Ord. Fy. Dehra Dun	7-5-1979
16.	Dr. S.R. Kulkarni, Asstt. Medical Officer	Vehicle Factory Jabalpur	14-5-1979
17.	Dr. M.R. Reddy, Asstt. Medical Officer	Ammunition Fy. Kirkee	17-5-1979 17-5-1979
18.	Dr. R.R. Williams Asstt. Medical Officer	Ammunition Fy. Kirkee	18-5-1979
19.	Dr. S.S. Dawood Saheb, Asstt. Medical Officer	Gun Carriage Fy. Jabalpur	18-5-1979
20.	Dr. S.K. Mahapatra, Asstt. Medical Officer	Ordnance Factory, Kanpur	14-6-1979

O.P. BAHL
ADDL. DGOF

for DIRECTOR GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 25th July 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1307/79-Admn.(G)./5565.—The President is pleased to appoint Shri C. P. Malhotra, Superintendent of Central Excise Grade 'B' in the Department of Revenue, Ministry of Finance, New Delhi, as Assistant Director (Drawback) in this office on deputation basis for a period of six months w.e.f. the forenoon of the 9th July 1979.

RAJINDER SINGH

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 11th July 1979

No. A-19018/316/77-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. O. Lone, IAC (J&K-1970), Deputy Director (Admn.) in the Office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Director (Gr. I) (General Administrative Division) in the same Office with effect from the forenoon of 1st May 1979 and until further orders.

No. A-19018/378/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Om Prakash, Small Industry Promotion Officer, Small Industries Service Institute, Agra as Assistant Director (Gr. I) (Leather/Footwear) in the same Institute

with effect from the forenoon of 4th April, 1979, until further orders.

No. A-19018(115)/74-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri V. Ramdas, permanent Superintendent in the Small Industries Service Institute, Ahmedabad to officiate as Assistant Director (Gr. II) (GAD) in the same Institute on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 4th April, 1979 to 6th June, 1979.

The 12th July 1979

No. A-19018(231)/75-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri M. L. Sarin, a permanent Superintendent in the Small Industries Service Institute, Kanpur to officiate as Assistant Director (Grade II) (General Administrative Division) at Small Industries Service Institute, Patna, on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 8th June, 1979.

No. A-19018(379)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Dutta, Small Industry Promotion Officer (Chemical) in the Small Industries Service Institute, Cuttack as Assistant Director (Gr. I) (Chemical) in the same Institute with effect from the forenoon of 4th June, 1979, until further orders.

The 16th July 1979

No. A-19018(43)/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Jogankur Roy, Dy. Director (Statistics) in the Directorate General of Mines Safety, Dhanbad as Dy. Director (Economic Investigation) in Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the forenoon of 25th April, 1979.

The 19th July 1979

No. 12/316/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. R. Verma, Deputy Director (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Jaipur as Director (Gr. II) (Mechanical) on *ad hoc* basis in Central Tool Room, Ludhiana with effect from the forenoon of 25th June, 1979.

No. A-19018(70)/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. P. Mehta, Deputy System Adviser in the Directorate of Organisation and Management-Service (Income Tax), New Delhi as Deputy Director (Gr. III of I.S.S.) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 9th July, 1979, until further orders.

No. A-19018(30)/77-Admn.(G).—Consequent upon his voluntary reversion to the Department of Food, Shri V. V. K. Rao, relinquished charge of the post of Deputy Director (Food) in Small Industries Service Institute, Madras on the afternoon of 22nd June, 1979.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 28th July 1979

No. EST. 1.2(656)/3395.—Shri William Pereira, Assistant Director Gr. II (NT) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay has retired from service from afternoon of 30th June, 1979 on attaining the age of superannuation.

J. C. HANSDAK
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 25th July 1979

No. A-1/1(398).—The President is pleased to appoint Shri P. S. Glad, Assistant Director (Gr. I) (Gr. III of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on regular basis as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 7-7-1979.

No. A-1/1(644).—The President is pleased to appoint Shri R. V. Pattabhiraman, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') to officiate on *ad hoc* basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, with effect from the afternoon of 13-6-1979.

No. A-1/1(656).—The President is pleased to appoint Shri O. P. Srivastava, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 14th June, 1979.

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

JSPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 26th July 1979

No. 4424B-A-19012(4-SKT)/78-19B.—Shri S. K. Thapliyal, Driller has been released from the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 28th May, 1979 on his appointment to the post of Deputy Drilling Engineer in Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 4435 B-A-32014(3-Asstt. Ch.)/78-19B.—Shri A. K. Chatterjee, Senior Technical Assistant (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7-6-1979, until further orders.

The 27th July 1979

No. 4472B-A-32014(3-Asstt. Ch.)/78-19B.—Shri V. V. Anna Rao, Senior Tech. Asstt. (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—

40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30th April, 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

DIRECTOR GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 25th July 1979

No. 2/2/60-SII.—On attaining the age of superannuation Shri J. D. Jauhari, Administrative Officer, High Power Transmitter, All India Radio, Khampur has retired from Government Service with effect from 30-6-79 (A.N.).

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 30th July 1979

No. 4(90)/75-SI.—Consequent on his appointment as a Lecturer (Instrumental Music), in the Banaras Hindu University, Varanasi, Shri Ramoo Prasad Shastri, Programme Executive, All India Radio, Patna was relieved of his duty as a Programme Executive to join duty in the Banaras Hindu University, Varanasi on the afternoon of 1st May, 1979.

LEKH RAJ
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi, the 30th June 1979

No. A-19012/23/79-SII.—The Director General : Doordarshan is pleased to appoint Shri R. P. Ramu, previously working as Administrative Officer at All India Radio, Pune, as Sr. Administrative Officer at Doordarshan Kendra, Madras in the scale of Rs. 650—1200/- w.e.f. 16-5-1979 (F.N.) until further orders.

B. P. AGARWAL
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 25th July 1979

No. A. 12025/1/79-Estt. III.—Shri J. Prasad, Evaluation Officer in the Regional Health Office, Calcutta is allowed to continue in the said post on an *ad hoc* basis upto the end of December, 1979 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

This issues with the concurrence of Union Public Service Commission vide their letter No. F. 2/40(10)/79-AUI dated 5-7-1979.

A. N. GOPALAKRISHNAN
Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th July 1979

No. 6-35/79-DC.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. K. Khasnobis, Senior Scientific Assistant (Pharmacology), Central Drugs Laboratory, Calcutta to the post of Technical Officer (Pharmacology) in the same laboratory with effect from the forenoon of the 22nd June, 1979 on an *ad hoc* basis and until further orders.

No. 6-35/79-DC.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Paniya Bhattacharjee, Research Assistant (Pharmaceutical Chemistry), Central Drugs Laboratory, Calcutta to the post of Technical Officer (Pharmaceutical Chemistry) in the same Laboratory with effect from the

forenoon of the 22nd June, 1979 on an *ad hoc* basis and until further orders.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)

New Delhi, the 24th July 1979

No. A. 32014/7/78(SJH)Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri H. L. Dhamija, Assistant (Grade IV of the C.S.S.) belonging to the cadre of the Ministry of Health and Family Welfare to the post of Assistant Administrative Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 20th June, 1979, and until further orders.

The 25th July 1979

No. A. 12026/2/7/78(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Km. Kum Kum Bhushan and Km. Suchitra Thapar to the post of Research Officer (Nutrition) and Senior Dietician in the Directorate General of Health Services with effect from the 28-6-1979 (F.N.) and 3-7-1979 (A.N.) respectively on an *ad-hoc* basis and until further orders.

S. L. KUTHIAIA, A.
Deputy Director Administration (O & M)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(Personnel Division)

Bombay-400 085, the 24th July 1979

No. K/2186/DRP/Est.I/3589.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Smt. N. Y. Kelkar a permanent S.A. 'C' and officiating S.O. 'SB' in the same Research Centre with effect from 6-6-1979 AN.

KUM. H. B. VIJAYAKAR,
Deputy Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

(Narora Atomic Power Project)

Narora, the 24th July 1979

No. NAPP/Adm/1(131)/79-S/—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri S. K. Lal a quasi permanent Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 23, 1979 until further orders.

No. NAPP/Adm/1(126)/79-S/8470.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri K. L. Sharma a permanent Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 19, 1979 until further orders.

No. NAPP/Adm/1(134)/79-S/8472.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri I. P. Chadha a quasi permanent SA 'A' and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 25, 1979 and further orders.

No. NAPP/Adm/1(130)/79-S/8473.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri Prabhu Dayal a permanent Asstt. Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 22, 1979 and further orders.

No. NAPP/Adm/1(132)/79-S/8471.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri D. N. Bajaj a permanent SA 'C' and officiating Scientific Officer/

Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 23, 1979 until further orders.

S. KRISHNAN,
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 25th July 1979

No. DPS/21/1(3) 78-Est/18870.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Kamal Prasad Singh Storekeeper, to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of June 30, 1979 until further orders.

No. DPS/21/1(3)/78-Est/18880.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Balkrishna Dharma More, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of July 7, 1979 until further orders.

K. P. JOSEPH, Admn. Officer

No. DPS/2/1(1)/77-Adm/18851.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri V. V. Nair, Storekeeper, to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an *ad hoc* basis with effect from 9-5-1979 to 11-6-1979 (AN) vice Shri M. N. H. Rao appointed as Stores Officer.

B. G. KULKARNI, Asstt. Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 23rd July 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Nagulapati Ranganath as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of June 11, 1979 until further orders.

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Jadaba Nanda Das as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of June 12, 1979 until further orders.

The 26th July 1979

No. AMD/1/8/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Sumer Singh, Foreman (Mech) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st February, 1979 until further orders.

M. S. RAO Sr. Adm. & Accts. Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

PO TAPP (401 504), the 25th July 1979

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—On his posting by the Cadre Authority, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Dep'tt. of Atomic Energy appoints Shri K. Bhaskaran Nair, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant in Bhabha Atomic Research Centre, as Assistant Accounts Officer in the Tarapur Atomic Power

Station in a temporary capacity with effect from the afternoon of July 20, 1979, until further orders. He will be on probation for one year from the date of his appointment.

A. D. DESAI, Chief Adm Officer.

CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakkam 603 102 the 21st July 1979

No. CEG/1(6)/79-Adm.—In supersession of this Project Notification of even number dated May 25, 1979. Chief Project Engineer, Madras Atomic Power Project, Kalpakkam appoints Shri N. Palani, temporary Scientific Assistant 'C' (Civil) as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the Civil Engineering Group, Kalpakkam with effect from the forenoon of March 1, 1979 until further orders.

V. S. VENKATESWARAN,
Adm. & Accts Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 16th July 1979

A.32023/1/77R—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri SUCHINDRUM RAMASUBBAIYER SAMBASIVAN, a permanent Stenographer of the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Stenographer of this Centre in an officiating capacity on an ad hoc basis as Assistant Administrative Officer for the period from 16-7-79 to 30-8-79.

T. S. V. AIYAR, Adm Officer.

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

SHAR CENTRE

Sriharikota-524124, the 13th June, 1979

No. SCF: P&GA:ESTT:1.72:—The Director is pleased to appoint the following officials to the post of Engineer-SB

in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each until further orders:

S. No.	Name S/Shri	Designation	Date of appointment
1.	D. Surendranath	Engineer-SB	4-12-1978
2.	R. Ramaprasad	Engineer-SB	4-12-1978
3.	K. Gopalakrishnan	Engineer-SB	4-12-1978
4.	R. Desikan	Engineer-SB	4-12-1978
5.	V.K. Sivarama Panicker	Engineer-SB	4-12-1978
6.	Josckutty Job	Engineer-SB	4-12-1978
7.	Ramesh Kumar Tewari	Engineer-SB	12-12-1978
8.	Lalitha Venkatachalam	Engineer-SB	27-2-1979
9.	B. Jagan Mohana Rao	Engineer-SB	12-4-1979

The 22nd June 1979

No. SCF: P&GA:ESTT:1.72:—The Director is pleased to appoint on promotion the following officials to the post of Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders:

S.No.	Name S/Shri	Designation	Date of appointment
1.	B.V. Balu	Engineer-SB	1-4-1979
2.	M. Lakshminarayana	Engineer-SB	1-4-1979
3.	B. Subramanyeswara Rao	Engineer-SB	1-4-1979
4.	K.K.V.S. Raghu Ram	Engineer-SB	1-4-1979
5.	D. Subbarami Reddy	Engineer-SB	1-4-1979
6.	A. Lakshmana Murthy	Engineer-SB	1-4-1979
7.	M. Krishnan	Engineer-SB	1-4-1979
8.	S. Jaganaathan	Engineer-SB	1-4-1979
9.	P. Venkateswaran	Engineer-SB	1-4-1979
10.	A.V.R. Mohan Rao	Engineer-SB	1-4-1979
11.	P. Nageswara Rao	Engineer-SB	1-4-1979
12.	B. Ravindra Reddy	Engineer-SB	1-4-1979
13.	B. Sreenivasan	Engineer-SB	1-4-1979

R. GOPALARATNAM
Head, Personnel & General Admn for Director

VIKRAM SARABHI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 21 June 1979

No. VSSC/EST/F/1(17)—The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned persons in VSSC, Trivandrum of the Department of Space as Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the dates shown against each and until further orders:—

Sl. No.	Name	Designation	Divn./Proj	Date of Appointment
				4
1.	Sri. MV Vrishabhendra	Scientist/Engineer SB	Vikas/PTU	1-4-1978
2.	Sri. K. Srinivasamurthy	Scientist/Engineer SB	Vikas/PTU	1-10-1978
3.	Sri. VK Radhakrishnan	Scientist/Engineer SB	EFF	31-3-79 (A.N.)
4.	Sri. Jacob Abraham	Scientist/Engineer SB	EFF	31-3-79 (A.N.)
5.	Sri. R. Sasidharan	Scientist/Engineer SB	EFF	31-3-79 (A.N.)
6.	Sri. C C Abraham	Scientist/Engineer SB	EFF	31-3-79 (A.N.)
7.	Smt. P L Radha	Scientist/Engineer SB	EFF	31-3-79 (A.N.)
8.	Kum. AR Saraswathi	Scientist/Engineer SB	CGD	31-3-79 (A.N.)
9.	Sri. A Venkatachalam	Scientist/Engineer SB	ISI	31-3-79 (A.N.)
10.	Sri. KU Hamza	Scientist/Engineer SB	ISI	31-3-79 (A.N.)
11.	Sri. B. Gopi	Scientist/Engineer SB	COM	31-3-79 (A.N.)
12.	Sri. P. Sasidharan Asary	Scientist/Engineer SB	PSC	31-3-79 (A.N.)
13.	Sri. S. Loganathan	Scientist/Engineer SB	CMG	31-3-79 (A.N.)
14.	Sri. AA Janardhanan	Scientist/Engineer SB	PED	31-3-79 (A.N.)
15.	Sri. V.P. Balagangadharan	Scientist/Engineer SB	ANL	31-3-79 (A.N.)
16.	Smt. B. Radha	Scientist/Engineer SB	SNA/MTG	31-3-79 (A.N.)
17.	Sri. Sukesh Chandra Paul	Scientist/Engineer SB	MAC	31-3-79 (A.N.)
18.	Sri. KV Srikumar	Scientist/Engineer SB	RPP	31-3-79 (A.N.)

1	2	3	4
19.	Smt. Vasanth Surendran	Scientist/Engineer SB	31-3-79 (A.N.)
20.	Sri. K. Appukuttan	Scientist/Engineer SB	31-3-79 (A.N.)
21.	Sri. K. Krishivasan	Scientist/Engineer SB	31-3-79 (A.N.)
22.	Sri. P. Ravindranath	Scientist/Engineer SB	31-3-79 (A.N.)
23.	Sri. T. Srinivasaraghavan	Scientist/Engineer SB	31-3-79 (A.N.)
24.	Sri. MN Subramanian	Scientist/Engineer SB	31-3-79 (A.N.)
25.	Sri. M. Manjunatha Nayak	Scientist/Engineer SB	31-3-79 (A.N.)
26.	Sri. LN Nagarajan	Scientist/Engineer SB	31-3-79 (A.N.)
27.	Sri. Francis Joseph	Scientist/Engineer SB	31-3-79 (A.N.)
28.	Sri. K. Sivadasan	Scientist/Engineer SB	31-3-79 (A.N.)

K.S. NAIR
Sr. Admin. Officer, VSSC for Director, VSSC

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

(BHARAT MAUSAM VIBHAG)

New Delhi 3; the 26th July 1979

No. A32013 (i)3/77-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned officiating Meteorologists Grade I, India Meteorological Department, to officiate as Director in the same Department with effect from the dates indicated against their names and until further orders:

1. Shri T.S.S. Anjaneyulu	29-6-1979 (A.N.)
2. Dr. H.N. Srivastava	13-6-1979
3. Shri B.B. D. Bhargava	13-6-1979
4. Shri M. Jayaram	13-6-1979
5. Shri S. Raghavan	13-6-1979
6. Shri U.V. Gopala Rao	2-7-1979
7. Shri R.K. Datta	13-6-1979

8. Shri D.K. Mishra	13-6-1979
9. Shri P.V. Joseph	14-6-1979
10. Shri K. Chatterjee	13-6-1979
11. Shri C. M. Burma	13-6-1979
12. Shri B.R. Avasthi	13-6-1979
13. Shri M.C. Sinha	13-6-1979
14. Shri A. Bandopadhyaya	13-6-1979
15. Shri S. Venkataraman	18-6-1979
16. Shri V. Balasubramanian	13-6-1979
17. Shri Surendra Kumar	13-1-1979
18. Shri P. K. Misra	13-6-1979
19. Shri S.K. Ghosh	13-6-1979
20. Shri A.R. Ramakrishnan	13-6-1979
21. Shri S.M.A. Alvi	13-6-1979

S. K. DAS
By Director General of Meteorology (Administration & Stores)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th July, 1979

No. A. 32012/1/79-EC:—The undermentioned two officers relinquished charge of office on retirement from Government service on attaining the age of superannuation on the date and station indicated against each:—

S.No.	Name & designation	Station of posting	Date of retirement
1.	Shri T.R. Sethi, Asstt. Communication Officer	C.A.T.C., Allahabad	31-5-79 (A.N.)
2.	Shri K.D. Pandit, Asstt. Technical Officer.	A.C.S., Bombay	, 30-6-79 (A.N.)

The 30th July 1979

New Delhi dated the 30th July, 1979
of Assistant Director of Communication on a regular basis
with effect from 1-6-79 and to post them in the same office:—

1. Shri R. S. Ajmani.
2. Shri K. Ramalingam.
3. Shri H. V. Sudershan.

No. A.32013/10/79-EC:—In continuation of this office Notification No. A.32013/3/73-EC, dated 12-2-79, the President is pleased to appoint the following three officers (at present holding the appointment of Assistant Director of Communication in DGCA'S office, on ad-hoc basis) to the grade

No. A.32014/3/79:EC:—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants in Aeronautical Communication Organisation to the grade to Asstt. Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each:—

S.No.	Name	Present Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge.
1.	Shri R.N. Mehta	ACS, Plam	ACS, Plam	26-6-79 (FN)
2.	Shri K.S. Anand	ACS, Jaipur	ACS, Jaipur	27-6-79 (FN)
3.	Shri M.K. Krishnan	ACS, Washim	ACS, Bombay	29-6-79 (FN)
4.	Shri S. Tadkase	ACS, Bombay	ACS, Bombay	26-6-79 (FN)
5.	Shri K.V. George	ACS, Bombay	ACS, Bombay	26-6-79 (FN)
6.	Shri M.W. Shrouti	ACS, Bombay	ACS, Bombay	27-6-79 (FN)
7.	Shri N. Venkatasubramanian	ACS, Bombay	ACS, Bombay	26-6-79 (FN)

H. L. KOHLI, Director of Adm.

No. A.38015/11/79-EC.—The President regrets to announce the death of Shri P. N. Sanyal, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta Airport, Dum Dum, Calcutta on 13-6-79.

H. L. KOHLI,
Director of Adm.

New Delhi, the 23rd July 1979

A-38013/1/79-EA.—The following Assistant Aerodrome Officers retired from Government service on the 30th June, 1979 A.N. on attaining the age of superannuation:—

1. Shri Mool Chankai Sharma, Civil Aerodrome, Jaipur.
2. Shri Hans Raj, O/o the Regional Director, New Delhi.

V. V. JOHRI,
Asstt. Director of Adm.

New Delhi, the 24th July 1979

A-32013/4/79-ES.—The President is pleased to appoint S/Shri N. Jayasimha and R. C. Gupta to the grade of Senior Aircraft Inspector on ad-hoc basis with effect from 11-6-1979 and 6-7-1979 respectively up to 13-8-1979 or till the posts are regularly filled whichever is earlier.

The 28th July 1979

No. A.32014/4/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. S. Gusain, Communication Assistant, Civil Aviation Training Centre, Allahabad to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis with effect from 29-6-79 (FN) and to post him at the same station.

No. A.38015/12/79-EC.—The Director General of Civil Aviation regrets to announce the death of Shri R. Swaminathan, Asstt. Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Nagpur on 13-6-79.

GIRDHAR GOPAL,
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 25th July 1979

No. A.32013/14/78-FA.—The President has been pleased to appoint Shri K. Gopal, Assistant Director (Operations) to the post of Deputy Director/Controller of Aerodromes, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, in an officiating capacity, with effect from the 18th July, 1979 and until further orders.

Shri K. Gopal is posted as Deputy Director (Operations) at Headquarters.

V. V. JOHRI,
Assistant Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Husaini Silk and Art Silk Powerloom*

Owners Asson (Bombay) Limited.

Bombay, the 25th July 1979

Asson (Bombay) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

I. M. GUPTA,
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Personnel Administration Private Limited.*

Calcutta, the 30th July 1979

No. 2/518/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Personnel Administration Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Devabani Production Private Limited*

Calcutta, the 30th July 1979

No. 26045/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Devabani Production Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
S. K. Investors Private Limited.*

Calcutta, the 30th July 1979

No. 29601/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the S. K. Investors Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bacsel India Limited.*

Calcutta, the 30th July 1979

No. 29632/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Bacsel India Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Regent Chit & Investment Private Limited*

Calcutta, the 30th July 1979

No. 29753/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Regent Chit & Investment Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Essemcee Private Limited*

Calcutta, the 30th July 1979

No. 23883/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Essemcee Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

N. R. SIREAR,
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal

No. 9832/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Husaini Silk and Art Silk Powerloom Owner 15—196GI/79

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi the 24 July, 1979

INCOME-TAX

F.No. JUR-DLI/V/79-80/450.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V New Delhi hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax mentioned in column 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases of classes of cases as fall within the jurisdiction of the Districts/Circles mentioned in Col 2 of the said Schedule:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Distt/Circle
1	2
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range V-A, New Delhi	1. Distt. II (1), (3) (4), (5) (6), and (7) New Delhi.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range V-C, New Delhi	1. Distt. IV, New Delhi.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax, Range V-D, New Delhi	2. Foreign Section, New Delhi. 3. Doctors' Circles, New Delhi. 1. Distt. II(2), (8), (9), (10), (11), (12), (13), (14), (15) & (16).

This notification shall take effect from 23-7-1979.

New Delhi, the 24th July 1979

F. No. JUR-DLI/V/79-80/800.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 125A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the notification issued

Delhi-V, New Delhi hereby directs that the notification issued vide this office No. JUR-DLI/V/78-79/27910 dated 7-11-78 shall stand cancelled w.e.f. 23-7-79.

K. R. RAGHAVAN,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V, New Delhi

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1979

Ref. No. P.R. No. 696-Acq.23-1335/19-8/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1731 situated at Athwa Lines (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 24-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

1. Sh. Vamanrao Chhaganlal Zaveri;
 2. Samangauri Vamanrao;
 Nutan Gangotri Society;
 B/2, Flat No. 58, 5th Floor,
 Andheri (West) Bombay.

(Transferors)

(2) Chandraben Mulchandbha; Matai;
 Arogyanagar, Athwa Lines,
 Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Athwa Lines, Surat bearing Survey No. 1731, admeasuring 325.95 sq. mts. duly registered with Registering Authority at Surat on 24-11-1978.

S. C. PARIKH,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Ahmedabad.

Dated : 1-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Udhram Kaur W/o S. Darshan Singh Bassi
R/o G/7, Kirti Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal Sethi S/o Sh. Bal Mukund Sethi
R/o 3099, Kucha Tara Chand, Darya Ganj Delhi
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

New Delhi-110001, the 30th July 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/Nov.84/4580.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G/7 situated at Kirti Nagar New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30th Nov. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A house, single storeyed, built on free-hold piece of land bearing Plot No. 7 in Block G measuring 275 sq. yds. situated in the colony known as Kirti Nagar area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi bounded as under:—

North : Main Road
South : Service Lane
East : Property No. G/6A
West : Park

R. B. L. AGGRAWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Usha Sethi W/o Sh. V. P. Sethi
C/o M/s. Little Sons & Co. Maulana Azad Road,
Srinagar.
(Transferor)

(2) Smt. Santosh Chandra W/o Sh. R. K. Chadha
R/o 10/22, East Patel Nagar, New Delhi-110 008.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 30th July 1979

Ref. No. IAC/Acq-JJI/7-79/363.—Whereas,
I. D. P. GOYAL,
being the competent authority under section
269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
C-16 situated at West End Colony New Delhi
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 24-11-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house with one garage and two servants
rooms built on the plot of land measuring 457.20 sq. meters
(500 sq. yds.) in C-16, West End Colony, New Delhi
bounded as under :—

East : Premises No. C-17, West End Colony New Delhi.
West : Premises No. C-15, West End Colony New Delhi.
North : Street.
South: Service Road (Green Belt)

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 30-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 30th July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/367.—Whereas,
I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

C-45, situated at Inderpuri, Village Naraina, New Delhi-12, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 13-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Laj d/o Sh. Bhagwan Dass Poonjani
W/o. Shri D. B. Taneja R/o No. 20, President's
Estate, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Shanti Lal Gambhir S/o Late Shri Parma Nand
and Smt. Chanchal Gambhir W/o Shri Shanti Lal
Gambhir R/o A-39, Inderpuri, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. C-45, situated in the area of village Naraina in the abadi of Inderpuri Colony, New Delhi 12.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 30-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
DELHI

New Delhi-110001, the 30th July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/365.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

340/1 situated at Jhilmil Tahirpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s Badhwar & Co., 340/1, G. T. Road
Shahdara through Lala Jagan Nath S/o R. B. L.
Ram Roop R/o 74, Todar Mal Road, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Lala Banshi Dhar Gupta S/o Lala Padam
Chand R/o 1-B, Upper Hill Lane, Civil Lines
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 340/1 (Portion) area 390 sq. yds., Khasra No. 338/313, Jhilmil Tahirpur, Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Km. Urvashi Aggarwal D/o S. P. Aggarwal R/o
S-418, Greater Kailash-JI, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 30th July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/364.—Whereas,
I. D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. C-17, situated at Green Park New Delhi
(and more fully described in the schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 21-11-1978.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value, of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) M/s Sharat Exporters (P) Ltd.,
A-48, Naraina Industrial Estate, Phase-I, New
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

One and a half storeyed house property No. 17, Block No.
C built on plot of land measuring 321 sq. yd, situated in
Green Park New Delhi and bounded as under :—

East : Road
West : Service Lane
North : House Property No. C-16
South : House Property No. C-18

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 30-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
DELHI

New Delhi-110001, the 30th July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/366.—Whereas,
 I, D. P. GOYAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe
 that the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
 J-10/40 situated at Rajouri Garden New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred
 under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
 of the Registering Officer at
 Delhi on 23-11-1978
 for an apparent consideration which is less
 than the fair market value of the aforesaid property, and
 I have reasons to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer as
 agreed to between the parties has not been truly stated in
 the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Parkash Rani W/o Late Daulat Ram, Vijay Kumar, Rajinder Mohan, Sanjiv Kumar, Virender Kumar and Sunil Kumar Sons of Late Shri Daulat Ram of J-10/40, Rajouri Garden New Delhi,
 (Transferor)

(2) Smt. Rajni Khanna W/o Kanchan Kishore, and Kanchan Kishore Khanna alias K. K. Khanna of B-5/1, Rana Pratap Bagh Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property built on a piece of land bearing No. 40 Block J-10 (J-10/40) measuring 200 sq. yds. in the residential colony known as Rajouri Garden, situated at Village Tatarpur New Delhi bounded as under :—

East : By House No. J-10/31

West : By Road

North : By House No. J-10/41

South : By House No. J-10/39

D. P. GOYAL,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III,
 Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

6—196GI/79

Date : 30-7-1979
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 23rd July 1979

Ref. No. I.A.C.Acq.I/S.R.III/11-1978/1978-79.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26 Friends situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-11-1978 for an consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Krishan Lal Grover son of Late Rai Bahadur Dr. Jiwan Lal, Joint Commissioner Excise and Taxation, Punjab Government, Resident of 6-C Rajpura Road Colony Patiala :
2. Shri Pratap Lal Grover (HUF) through its karta Shri Partap Lal Grover, C.A. son of Late Rai Bahadur Jiwan Lal, 64 Regal Building, New Delhi.
3. Miss Mira Grover, daughter of Late Rao Bahadur Dr. Jiwan Lal care of Shri Krishan Lal Grover, 6-C Rajpura Road Patiala through S/Shri Krishan Lal Grover and Partap Lal Grover, her general attorneys (Transferor)

- (2) 1. Shri Parmod Kumar Jain son of Shri Rama Nand Jain Resident of 14 Alipur Road, Delhi through his attorney Shri Rakesh Kumar Jain.
2. Shri Rakesh Kumar Jain son of Shri Jagdish Rai Jain Resident of 25 Friends colony, New Delhi.
3. Shri Sushil Kumar Jain son of Shri Sri Ram Jain; Resident of 14 Alipur Road, Delhi.
4. Shri Sunil Kumar Jain son of Shri Niranjan Lal Jain Resident of 25 Friends colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A constructed house No. 26 in the Western side of Nathu Ram Friends colony, New Delhi measuring 3595 Sq. Meters and bounded as under :

North : by service lane :

South : 27 Friends colony

East : by service lane

West : by Road :

All that specified in the instrument of transfer :

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
DELHI

New Delhi-110001, the 25th July 1979

No. I.A.C. Acq.I/SR.III/11-1978/79.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-15 Nizamuddin, West situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Parpati Thadani wife of Late Shri N. V. Thadani through her General Attorney Mohd. Masoom son of Mohd. Haneef : Resident of A-15 Nizamuddin, West New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Fahmida Khatoon wife of Mohd. Masoom Resident of A-15 Nizamuddin West, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building constructed on the plot of land bearing No. A-15 measuring 761 Sq. yards situated at Nizamuddin West, New Delhi and bounded as under :

East : Road,
West : Service lane;
North : House No. A-14
South : Road

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi

Date : 25-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd July 1979

Ref. No. I.A.C.Acq.I/S.R.III/11-1978/1978-1979.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural lands situated at village Smalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 20-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhagwan son of Nanak for self and general attorney of Shrimati Bhura w/o Shri Bhagwana, 2. Shri Shiv Narain alias Satnarain, Ram Dhan sons of Shri Bhagwana, R/o Village Samalka, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri R. K. Wadhwa son of Shri K. L. Wadhwa Resident of 14, 100 Vasant Vihar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 9 bighas and 12 biswas out of the following khasra numbers :

25/2 (4-16)
16/22 (4-16)

Village Samalka, Tehsil Mehrauli, Delhi.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahavir Goyal and Shri Arjun Das Goyal S/o Shri Jeth Mal Goyal Resident of 6/4 Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
DELHI

New Delhi-110001, the 23rd July 1979

Ref. No. I.A.C./Acq.Range-I/S.R.III/11-1978/78-79/815.—
Whereas, I, MISS ANJANI OZA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-597 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, New Delhi on 24-11-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Ravinder Singh son of Shri Harnam Singh : Resident of E-599 Greater Kailash-II, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. E-597 measuring 414 Sq. Yards situated in the colony known as Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001
New Delhi, the 23rd July 1979

No. I.A.C. Acq.1/S.R.11/1978/78-79/760.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-126 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 3-11-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Kaushalya Devi w/o Dr. Gursewa Singh Pabla Resident of 12-A/16 W.E.A. Karolbagh, New Delhi through her G.A. Shri Ram Labbaya Saini Resident of 5/3075 Ranjit Nagar, New Delhi, (Transferor)
- (2) Shri Jasvinder Singh s/o Shri Dharamsingh R/o M-59 Greater Kailash-II, New Delhi (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDE

A plot of land bearing No. 126 Block No. 'C', measuring 300 Sq. yards situated in the residential colony of New Delhi known as Greater Kailash-I and bounded as under :

North : 50 ft Road
South : Plot No. 124-B
West : 15 ft service lane
East : 50 ft Road.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Gurbax Singh Pabla s/o
Shri Mota Singh r/o K-9.
N.D.S.E. Part-II, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal Chopra s/o
Shri Radha Krishan r/o
S-7 Green Park, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
DELHI

New Delhi-110001, the 26th June 1979

No. I.A.C.Acq.I/S.R.III/11-1978/770.—Whereas,
I, MISS ANJANI OZA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

M-3 (shop) situated at Greater Kailash-II, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on 7-11-78 for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-
deration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A residential-cum-commercial plot of land bearing No.
M-3 measuring 195 sq. yds. (163 sq. mts.) situated at Greater
Kailash-II, New Delhi as detailed in the instrument of transfer.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi

Date : 26-6-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
Persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Rajesh Kumar Mehta s/o Shri D. P. Mehta
E-66 Greater Kailash-II, New Delhi
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Major Balwant Singh
(2) Shri Santokh Singh
(3) Shri Harwant Singh ss/o Shri Labh Singh :
All Residents of S-319 G. K.-II New Delhi
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 23rd July 1979

No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/Nov. 78/1978-79/779.—Whereas,
I, MISS ANJANI OZA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

M-54 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 9-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A free hold plot of land bearing No. M-54 measuring
194 Sq. yards situated in the colony, known as Greater
Kailash, New Delhi and bounded as under :

North : 50 ft Road,
South : Road and lawn,
East : M-55 plot
West : Plot No. 53

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 23-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. D. L. F. United Limited,
21-22 Narindra Place, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri S. Kuldip Singh Makhni and
2. Shri S. Gindhi Singh Makhni
sons of Shri Hukam Singh Makhni
Resident of B-5/29 Safdarjang Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd July 1979

No. I.A.C.-Acq.I/S.R.III/11-1978/822.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office Flat No. 405 situated at (4th floor) Cinema Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) at New Delhi on 30-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

7 =196GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Office flat No. 405 (4th floor) Cinema Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 792.4 sq. ft.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi (New Delhi)

Date : 3-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. D. L. F. United Limited,
21-22 Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
4/14, A.S.A.I. OFF ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 27th July 1979

No. I.A.C.-Acq.-I/S R JTF/11-1978/1978-79/803.—Whereas
I, MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Office flat No. 503 situated at Savitri Cinema Complex,
Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 20-11-1978,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) Shri Romesh C. Khanna HUF son of R. C. Khanna
3 Normandie Charmichael Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act'
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

An Office flat No. 503 measuring 572.9 Sq. ft. (5th floor
Cinema Building, Greater Kailash-II, New Delhi,

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 27-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) M. S. DLF, United Limited,
21-22 Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lt. Col. Mohinder Singh son of Shri Dayal Singh
'Laxmi Niwas' Simla-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd July 1979

No. I.A.C. Acq. I.S.R III/11-1978/832.—Whereas, 1. MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office Flat No. 407 situated at (4th floor) Cinema Complex, Building Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An office flat No. 407 (at fourth floor) measuring 616.2 Sq. ft. situated at Cinema Complex Building, Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 3-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 24th July 1979

No. I.A.C. Acq. 1/S.R.U/11-1978.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15 Tolstoy Marg, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 31-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Harjas Rai Malhotra, son of Shri Sohna Mal Malhotra, Resident of : S-534 Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Properties & Industries Private Limited, through its Managing Director Shri Sushil Ansal, 115 Ansal Bhawan, K. C. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that the plot of land No. 10-A Block No. 134 known as 15 Keeling Road, (now known as 15 Tolstoy Marg), New Delhi including the perpetual lease hold rights of the same together with the bungalow constructed there on including all the structures, out-houses, compound walls, trees, plants, culverts, storage, tanks, pipes, electrical lines, and paths belonging to the plot and bounded as under :

North : By service lane,
South : By keeling Road,
East : Plot No. 13
West : Government land.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 24-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1979

No. I.A.C. Acq. I/S.R.III/Nov.78/824.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural lands situated at village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Prithi
2. Raghbir Singh
3. Ant Ram
4. Ramswarup
sons of Pithi,
5. Anto Devi daughter of Sunehro (1/6th share)
6. Shrimati Bohiti wife of Mohar Singh
7. Pishma wife of Hukam Singh
8. Shrimati Chameli wife of Sis Ram
9. Shrimati Phool Wati
10. Keso Ram
11. Daya Chand and Vijay Singh sons of Risal
All Residents of village Ghitorni, Tehsil Mehranli
(Transferor)
(2) Shri Harbans Singh son of Gur Baksh Singh
Resident of Gadaipur, Tehsil Mehrauli.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 6 bighas and 11 biswas out of the following Khasra numbers : situated at village Gadaipur, New Delhi.

1. 277 (4—7)
2. 280 (2—4)

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi, New Delhi.

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/11-1978-1978-79/783.—
Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-IV/9 situated at Cheap Tenaments, Lajpatnagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on 11-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shrimati Drupati daughter of Shri Valaiti Rai wife of Shri O. P. Bhardwaj Resident of A-IV/9 Lajpatnagar, New Delhi.

(Transferee)

(2) Shrimati Padma Mirchandani wife of Shri N. Mirchandani Resident of A-IV/9 (Cheap Tenaments), Lajpatnagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A single storied house built on a plot of land bearing No. A-IV/9 (Cheap Tenaments) measuring 100 sq. yards situated at Lajpatnagar, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

Date : 31-7-7979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Virender Kishore Gulati son of Shri Charan-jit Lal Resident of : 3-D Nizamuddin, East : New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Mehar Kaur wife of Shri Hukam Singh and 2, Shrimati Kuldeep Kaur wife of Shri Moti Singh, Resident of : C-2/25 Model town, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. 1/S.R.III/11-7-1978/1978-1979/810.
—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural lands situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 15 bighas and 4 biswas out of the following kharsa numbers :

452 (4—16)

461 (4—16)

436 (4—16)

453/1 (0—16) with tube well, fencing wires situated at village Gadaipur, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 31-7-1979
Seal :

FORM I T N S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.-I/S.R.III/11-1978/1978-79/781.—
 Whereas I, MISS ANJANI OZA
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 23 Khanna Market, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Davinder Singh & Shrimati Raj Malik wife of Shri Satinder Kumar Malik Care of : C-III/13 Lajpatnagar, New Delhi (through General Attorney). (Transferor)

(2) Shri Satinder Kumar Malik son of Shri Parkash Chand Malik, Resident of C-III/13 Lajpatnagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 23 measuring 27-7 Sq. yards situated at Khanna Market, Lodhi Road, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I
 Delhi/New Delhi.

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS

1. (1) Shri Manohar Lal Sethi (2) Mrs. Agia Rani Sethi
M-46 Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Phool Wati Aggarwal and (2) Mrs. Manju Agarwal Resident of W-27 Greater Kailash-I New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 1st August 1979

Ref. No. I.A.C.-Acq.I/S.R.III/1978/1978-79/911.—

Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-46 Greater Kailash-I, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A single storeyed house built on a plot of land bearing No. M-46 measuring 510 sq. yards situated in Greater Kailash-I, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—196GI/79

Date : 1-8-1979

Seal :

FORM TNS. ——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Amarjit Singh Johar son of Shri Ajit Singh Resident of : C-139 Defence Colony, New Delhi, (Transferor)

(2) Shri Balbir Singh Mayal son of Shri Udai Singh Mayal Resident of : 49 Vijay Nagar, Delhi (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 1st August 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R. III/11-1978/1978-79/766—
Whereas I, MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. R-12 situated at Greater Kailash-I, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-11-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storied house bearing No. R-12 measuring 300 Sq. yards situated in Greater Kailash-I, New Delhi alongwith electric, water and flush fittings and bounded as under :
North : Service Lane
South : Road,
East : Property No. R-14
West : Property No. R-10.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 1-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi the 27th July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq I/S.R.III, J2-1978/1978-79.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R-134 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Gurdial Kohli R/o: H-24 Jangpura Ext., New Delhi as G.A. of Shrimati Krishna Kumari: Resident of 44 Union Park, Chamber, Bombay. (Transferor)

(2) Shrimati Sudarshan Kumari and Ram Gopal Sharma both Residents of: J-13 Kiri Nagar New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property built of a plot of land bearing No. R-134 measuring 300 Sq. yards situated in free hold colony, New Delhi and bounded as under :

East : Property No. R-136
West : Property No. R-132
North : Service lane
South : Road.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 27-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAIF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi the 23rd July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. Range-I/S.R.III/2-1979/78-79/1082.—
Whereas I, MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 7 Tolstoy Marg, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 27-2-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) S/Shri (1) Om Prakash Vaish (2) Narain Prakash
(3) Anand Prakash Gupta and (4) Raj Kumar
Gupta (5) Ravindra Prakash Gupta and (6)
Narendra Kumar Gupta all sons of Shri Prabhu
Dayal R/O: 7 Tolstoy Marg, New Delhi
(Transferor)

(2) M/s Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115
Ansal Bhawav, K. G. Marg, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

The entire property constructed on a lead-hold plot of land
bearing No. 41 in Block No. 148 measuring 4162 Sq. yards
situated at No. 7 Tolstoy Marg, New Delhi (old keeling
Road) New Delhi, specified in the sale deed dt. 26-2-79.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 23-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAHI ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi the 27th July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/2-1978/1978-79/1084.—
 Whereas I, MISS ANJANI OZA
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing
 No. A-30 and A-33 situated at Connaught Place, New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act,
 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
 at New Delhi on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer, with the object of—

(1) M/s. Wenger & Company through its partners (1)
 (1) Shri Ranbir Singh Tandon (2) Shri Om
 Parkash Tandon, (3) Shri Anup Kumar Tandon
 and (4) Mrs. Vidya Rani Mehra, Wenger House,
 Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Emca Construction Company, 24/24 Darya
 Ganj, through its prop. Shri Mahabir Parshad
 Gupta, son of Shri Radha Krishan Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An immovable property constructed on a plot of land
 bearing No. A-30, A-33 measuring 703 Sq. Mt. situated at
 Connaught Place, New Delhi alongwith entire first floor
 above shop Nos. A-16, A-17, A-18, A-19 and A-20 Connaught
 Place, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range-I
 Delhi/New Delhi.

Date : 27-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Triloki Nath Khanna son of Shri Gokal Chand
Resident of : 12-Aurangzeb Road New Delhi.
(Transferor)

(2) Shrimati Shanti Devi wife of Shri Bihari Lal Resi-
dent of N-213 Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1979

Ref. No. J.A.C.Acq.I/S.R.III/11-1978/1978-79/774.—
Whereas I, MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immo-
vable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Agricultural lands situated at village Sultanpur, New
Delhi
(and more fully described in the Schedule Annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 6-11-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
marked value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration and that the consider-
ation for such transfer as agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land area 6 bighas and 16 biswas out of the
khasra numbers 222/1 (3-16), 223/2 (3-0), alongwith tube
well, boundry wall, trees, garden, water tank and other fit-
tings and fixtures, situated at village Sultanpur, Tchsil
Mehruli, Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 31-7-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1979

Ref. No. IAC/Seq.III-7-79/368.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. D-25B, situated at New Delhi South Extension Part II New Delhi

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi
on 6-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. R. C. Sood & Co. (P) Ltd., EROS Cinema Building, Jangpura Extension, New Delhi through their Director Mr. J. R. Sood.
(Transferor)

(2) Siri Krishan Kapur Proprietor M/s. Kapur Film International, S/o late Sh. Ram Labhaya Kapur, R/o D-25-B, New Delhi South Extension Part II New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed house bearing No. D-25-B, built on plot of land measuring 755 sq. yds. situated in New Delhi South Extension Part II New Delhi bounded as under :—

East : Road
West : Plot No. D-25-G
North : Road
South : Plot No. D-25-C

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurcharan Singh Bindra s/o Sh. Sujan Singh Bindra, R/o 11-C, Sangam Building, 2-Woodstreet, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 21st June 1979

Ref. No. CHD/248/78-79.—Whereas I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Houseproperty No. 132, Sector 18-A, Chandigarh, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri Balwant Singh s/o Shri Nagar Singh, and Smt. Harbhajan Kaur w/o Sh. Balwant Singh, R/o H. No. 132, Sector 18-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Houseproperty No. 132, Sector 18-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 709 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 21-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Dr. J. N. Nanda s/o Sh. Gauri Shankar Nanda, R/o B-I, IMR Flat R. K. Puram, Sec. 13, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Prof K. K. Nanda s/o Dewan Ram Nath Nanda and Smt. Santosh Nanda w/o Sh. K. K. Nanda, R/o 3050, Sector 20-D, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 21st June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Acf. No. CHD/243/78-79.—Whereas, I G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property No. 3050 of Sector 20-D, Chandigarh, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property No. 3050, Sector 20-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 677 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 21-6-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—196GI 79

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 27th July 1979

Ref. No. CHD/252/78-79.—Whereas I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property—single storey show room-cum-office No. 2409-2410, situated at Sector 22-C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Raghunath Rai Kapoor s/o Shri Mehanga Ram Kapoor,
2. Shri Anil Kumar Seth s/o Shri Hans Raj Seth.
3. Shri Ashok Vij s/o Shri Mohinder Singh Vij,
4. Smt. Pushpa Kapoor w/o Shri Raghunath Rai Kapoor,
5. Smt. Shashi Vij w/o Shri Ashok Vij,
6. Smt. Kailash Rani w/o Shri Hans Raj Seth,
7. Smt. Janak Rani w/o Shri Amrit Lal,
8. Shri Amrit Lal s/o Shri Ramji Dass,
c/o H. No. 324, Sector 22-A, Chandigarh

(Transferor)

(2) Smt. Sushil Kaur w/o Shri Jagdish Singh Sekhon,
2. Sh. Naypreet Singh s/o Jagdish Singh Sekhon, r/o H. No. 1174, Sector 21-C, Chandigarh,
3. Shri Baldev Singh (Karta of HUF) s/o Shri Inder Singh, r/o 2250, Sector 21-C, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. M/s Ludhiana Tent & Allied Services.
2. M/s Aggarwal Electronic, Chandigarh,
3. M/s Rajinder Parshad Vinod Kumar, Chandigarh all r/o SCO No. 2409-2410, Sector 22-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show-room-cum-office No. 2409-2410, Sector 22-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 724 of December, 1978 of the registering officer, Chandigarh).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 27-7-1979,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana. the 27th July 1979

Ref. No. CHD/239/78-79.—Whereas I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in property No. 11, Timber Market, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Chet Singh s/o Shri Prabhu Singh, r/o 11-Timber Market, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Ranbir Singh s/o Shri Prabhu Singh, r/o 11-Timber Market, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. 11, Timber Market, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 650 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 27-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur the 19th July 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)559.—Whereas, I M. R. Aggarwal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

at Kota on 24-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Kailash Bakiwala s/o Sh. Gokul Chand Bakiwala 2. Sh. Ashok Kumar Bakiwala S/o Sh. Kailash chand Bakiwala, 3N 41 near water Tank Jawahar Nagar, Jaipur Rajasthan.

(Transferor)

(2) Shri Ram Swaroop Rastogi s/o Ramdas Rastogi 2. Shri Hariom Rastogi & Shri Darampal Rastogi sons of Sh. Ram Swaroop Rastogi, House No. 8 Lalbulgi Brijrajpura Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 396 measuring 2400 sq. ft. situated at shopping Center Kota and much more fully described in the sale deed registered by S. R. Kota vide registration No. 81/334 dated 24-1-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jaipur

Date : 19-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Panchulal s/o Shri Birdaram Bagri Madan Ganj, Kishangarh Distt. Ajmer at present at Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani w/o Shri Cuandmal caste Chhaparwal, Maheshwari R/o Ajmer Distt. Ajmer.

(Transferee)

* (3) Lahoti Textile Mills 2. Subash Textiles and 3. Lahoti Textile Agencies, Kishangarh
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A powerloom shed measuring 440 5 sq. yds. situated in Ward No. 8 Madanganj Kishangarh Distt. Ajmer & Much more fully described in the sale deed registered by S. R. Kishangarh vide registration No. 838 dated 17-11-78.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Jaipur

Date : 19-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur the 19th July 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/558.—Whereas, I M. R. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 395 situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 29-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kailash Chand s/o Sh. Gokul Chand Bakiwala 2. Shri Ashok Kumar s/o Shri Kailash Chand Bakiwala House No. 8 Moti Dungri Road Tilak Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Roopchand & Shri Hira Nand sons of Shri Lachitam & Shri Govind Ram Shewani adopted son of Sh. Lachhiram 8-B Vallabh Nagar Extension Guamanpura Kota, Raj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 395 of 2400 sq. ft. situated at shopping centre Kota and much more fully described in the sale deed registered by S. R. Kota vide registration No. 1531 dated 29-11-78.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jaipur

Date : 19-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 1st May 1979

C.R. No. 62/22395/79-80/Acq./B.—Whereas I, H. Thimmaiah, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 493, situated at Rajamahal Vilas Extn, Bangalore-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 2804/78-79 on 25-11-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Prof. M. S. Thacker, S/o Sri Sankalchand, No. A/2, Sea Face Park, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

(Transferee(s))

(2) Shri T. V. Venkataswamy, S/o Late Thimmaiah, M. V. Sivakumar, S/o Sri T. V. Venkataswamy, 493, Rajamahal Vilas Extn, Bangalore.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2804/78-79

House property bearing No. 493, R.M.V. Extension, Bangalore.

Boundaries :

North : Road

South : Site No. 494 and 519

East : Road,

West : Part of the premises No. 493. 1/1.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 1-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore, the 4th May 1979

C.R.No. 62/22356/79-780 Acq/B.—Whereas, I, H. Thimmaiah,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Old No. 21 New 33.

situated at Norris road, Richmond town, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 2328/78-79 on 24-11-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri. Shujath Ali Khan, s/o. Haji C.M. Abdul Gaffar Khan, No. 14/2, Curley street, Richmond Town, Bangalore.
(Transferor)

(2) Dr. Vijay Ashok Solomon, Paul, Bhaskar, s/o Paul Anand Baskar, 17, Millers road, Bangalore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 2328/78-79).
House property bearing No. 21 old and 33 new Norris road, Richmond town, Bangalore bounded by:—

1. Premises Old. No. 21 New No. 33.
East : Remaining portion of Rrita Villa of M. Abdul r Jabbar.
West : Property No. New 6 Prime street.
North : Property No. 23, New No. 34, Norris road.
South : Prime street.

2. Premises portion of No. 33.
East : Property M. Abdul Jabbar.
West : Property No. old 1 New 6, Prime St.
North : Premises old No. 23, New No. 34 Norris road.
South : Property of Mrs. Zeenath Begum, Prime
Total area 4364 sq. ft. or 411 sq. mtr.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-5-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri B. K. Shamanna, S/o Sri Keshava Iyengar, No. 25/1, 9th Cross, Malleswaram, Bangalore-3. (Transferor)

(2) Shri Chennappa, S/o Chennaiah, No. 2907, Rajajinagar, 11nd Stage, Bangalore-10. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE

Bangalore-560001, the 19th May 1979

C.R. No. 62/23052/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMIAIH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tax, Acquisition Range, Bangalore, No. 391/42, 19th Main, situated at 1st Block, Rajajinagar, Bangalore-560001,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore Doc. No. 3508/78-79, on 14-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

20—196GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3508/78-79, dated 14-11-78)
House property bearing No. 391/42, 19th Main 1st Block, Rajajinagar, Bangalore-560-010.

Boundaries :

East : Road.
West : Site No. 414.
North : Site No. 390.
South : Site No. 392.

H. THIMMIAIH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-5-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Marina Albuquerque, No. 126, (New No. 146)
San Thome High Road, San Thome, Madras-4.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 1st June 1979

C.R. No. 62/22365/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 44, Old No. 6, situated at Robertson Road, Fraser Town, Bangalore-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 2181/78-79 on 13-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri M. P. Tainwala, No. 10/1, Saunders Road, Bangalore-5.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2181/78-79, dated 13-11-78)
House property bearing No. New 44 and Old No. 6, Robertson Road, Fraser Town, Bangalore-5.

Bounded by :

North—Private property
South—Robertson Road
East—Private property.
West—Private property.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-6-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Ruby Thomas, W/o Late Major P. A. Thomas,
No. 103/3, Purasawalkam High Road, Madras-10.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th June 1979

C.R. No. 62/22370/79-80/ACQ/B.—Whereas, J. P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site No. 44, situated at Madras Sapper Officer's Colony, Banaswadi Road, Bangalore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 2115/78-79 on 6-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Right Reverend Philipose Mar Chrysostam, Bishop of the Mar Thoma Church, Acting for and on behalf of the Mar Thoma Church, Bangalore East, Prayer Group, No. 11, Da Costa Square, Bangalore-560005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2115/78-79, dated 6-11-78)
Site No. 44, Madras Sapper Officer's Colony, Banaswadi Road, Bangalore.

Boundaries :

East : Site No. 3.
West : Site No. 1.
South : Site No. 9 and
North : Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 4th June 1979

C.R. No. 62/22389/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E/4/920/921 situated at O.T.C. Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar Bangalore Doc. No. 2756 on 23-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri K. Venkataramaiah Shetty S/o Krishnappa Shetty, Prop. M/s Ramesh Agarbathi & Co., No. 36/5, Appaji Rao lane, Chowdeswari Temple street, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Deli Bai w/o Chagalalji, Smt. Santhubai w/o Shantilal C/o M/s. Poonam Textiles, D. K. Lane Chickpet Cross, Bangalore-53, Repl. by Sri Chogalal Poonamjee.

(Transferee)

(3) M/s Amruth Medicals

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2756/78-79, dated 23-11-79)
House property bearing No. E. 4-920/921, situated in Nagarathpet, O.T.C. Road, Bangalore (42 nd Dn) bounded by.

East : Pillanna's house.
West : Devadas Building.
North : Devadas Building.
South : O.T.C. Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-6-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. A. Sundaramma, No. 1/1, II Cross, IVth T Block, Jayanagar, Bangalore-11.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Shanmugham, No. 51, Sanjeevappa Lane, Avenue Road, Bangalore City.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-560001, the 13th June 1979

C.R. No. 62/2240/79-80/ACQ/B.—Whereas, J. P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 97 old New No. 16 situated at 24th Cross, Cubbonpet, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar Bangalore Doc. No. 2725/78-79 on 20-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 2725/78-79 dated 20-11-78)

House property bearing Old No. 97 New No. 16, 24th Cross, Cubbonpet, Bangalore City bounded by :

E : Road.
W : Byrappa House.
N : Thippanna's house.
S : Lane.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-6-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. C. Iyya, No. 456, Sadashivanagar, Bangalore-6.
(Transferor)

(2) Shri N. A. Ramakrishna, No. 4, R. R. Layout, Kumara Park West, Bangalore-560 020.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 14th June 1979

C.R. No. 62/22403/79-80. ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

No. 46, situated at Rajamahal Vilas Extn., Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 2676/78-79 on November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(Registered Document No. 2676/78-79 dated November 1978)

Vacant site bearing No. 46, situated at Rajamahal Vilas Extension, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. A. B. A. Karat, Dr. Mrs. S. G. P. Karat, C/o G. R. Karat, 44/6, Millers Road, Bangalore.
(Transferor)

(2) Dr. B. G. Rudrappa, No. 9, II Cross Basappa Road, Shantinagar, Bangalore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE.

Bangalore-560001, the 12th June 1979

C.R. No. 62/22404/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 situated at Sampangi Tank Road, Bangalore-27. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 2661/78-79 on 16-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2661/78-79 dated 16-11-78)
House property bearing No. 5, Sampangi Tank Road, Bangalore-27, bounded by :

East : Private road.
West : Sampangi Road Cross.
North : Premises No. 3 of Mrs. Thimmiah
South : Premises No. 2 of Shri Curriappa .

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. S. Kumar S/o Late M. Narasimha Iyengar,
No. 80, Bull Temple Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Seva Samuh, Rep. by Sr. Silvana, Termignore,
C/o Catholic Centre, St. Mary's Town, Bangalore-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 13th June 1979

C.R. No. 62/22422/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10/80, situated at Bull Temple, Road, Basavanagudi, Bangalore-4, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc. No. 2786/78-79 on 29-11-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2786/78-79, dated 29-11-78)
Property bearing No. 10/80, Bull Temple Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

Boundaries:

North: private property.
South: private property.
East: Bull Temple Road and
West: Conservancy.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-6-79.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 13th June 1979

C.R. No. 62/22493/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25/64, Lalithamahal road, Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore Doc. No. 2272/78-79 on 27-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rajani Kikkeri No. 97, "Nand-ganasham road No. 2A, Sion West, Pombay 22, rep. by her Power of attorney" by S. P. Nampudan and M. S. N. Rama-swamy Iyer, No. 39, Shelter Ponnurangam road, R. S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferor)

(2) Sri. M. G. Nagaij s/o late Retd. Col. M. G. Gopal-krishna Urs, "Aswath villa" Nazarbad, Mysore-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2272/78-79, dated 27-11-78) Bungalow bearing Municipal No. 25/64, Lalithamahal road, Mysore.

Boundaries :

N. Lalitha Mahal road.
E. House No. 25 (64A).
E. Site belonging to Mr. Balakrishna Setty and
W. Area reserved for high tension line and also road leading to sites at the back.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-6-1979.

Seal :

21—196GI/79

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. No. 62/23270/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. about two acres of land in survey No. 1, situated at Jarakabandu Kaval village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore Doc. No. 3427/78-79 on 9-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Channappa S/o Shri Thammana Guruguntepalya village, Rajajinagar, Bangalore city (Div. II), rep. by his power of attorney Holder Sri V. Narayana Swamy, s/o Sri Venkataramanappa, Penya village, Yeswanthpur Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) The Railway Men's House Building Co-operative Society Ltd., Southern Railway Institute Buildings, M. G. Rly Colony, Bangalore rep. by its President Sri E. Maserenhas and Hon. Secretary, Sri K. Srinivasa Rao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3427-78-79, dated 9-11-78)

About two acres of land in survey No. 1, Jarakabandu kaval village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries :

E. Sri Thimma Setty's land.
W. Kantecrava studio.
N. Sri Chowdappa's land and
S. Sri Arasappa's land.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-7-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R.No. 62/23271/79-80/Acq/8.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing about 2 acres of land in Survey No. 1, situated at Faragabande Kaval Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rajajinagar, Bangalore Doc. No. 3433/78-79 on 9-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Perumal Naidu s/o Sri Nallaiah Naidu, No. 1282, Kamala Nehru Extension, Yeswantpur, Bangalore-22, rep. by his power of attorney holder Sri V. Narayanaswamy s/o Sri Venkataramanappa, Penya Village, Yeswantpur Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) The Railway Mens House Building Co-operative Society Ltd., Southern Railway Institute Building, M.G. Rly. Colony, Bangalore. Represented by its Chairman, Sri E. Masckaranhas and Hon. Secretary Sri K. Srinivasa Rao.

(Transferee)

(3) V. Narayanaswamy s/o Sri Venkataramanappa, Penya Village, Yeswantpur Hobli, Bangalore North Taluk.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3433/78-79 Dated 9-11-78

About two acres of land in Sy. No. 1 Jurakabande Kaval Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries :

East : Society's land.
West : Sri M. Ramaiah's land.
North : Sri K. P. Devaraj's land and
South : Sri Byrappa's land.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. No. 62/23272/79-80/ACQ/8.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Two acres of land in Sy. No. 1, situated at Jarakabandekaval village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 3434/78-79 on 9-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Papanna S/o Sri Thammanna, Gurugunte Palya village Rajajinagar, Bangalore. Rept. by his P.A. holder Shri Narayanaswamy S/o Venkataramanappa, Peenya village, Yeswantpur Hobli, Bangalore North Taluk. (Transferor)

(2) The Railwaymen's House Building Co-operative Society Ltd. S. Rly. Institute Buildings, M.G. Rly. Colony, Bangalore. Rept. by its Chairman Shri E. Maseranhas and Hon. Secy. Sri K. Srinivasa Rao. (Transferee)

(3) Sri V. Narayanaswamy S/o Sri Venkataramanappa, Peenya Village, Yeswantpur Bobli, Bangalore North Taluk.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3434/78-79 Dated 9-11-78]

About two acres of land in Sy. No. 1 Jarakabunde Kaval Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries :

East—Thimmasetty's land
West—Kanteerava studio
North—Hali Channappa's land
South—Sri Chikkanna's land

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15.6.1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. No. 62/23273/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

About two acres of land in Survey No. 1, situated at Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore City Corporation, Division No. 2)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 3435/78-79 on 9-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. P. Devaraj So Sri Poojappa, Goruguntepalya Village, Bangalore Rept. by his Pioneer of Attorney holder v. Naraswamy S/o Venkataramanappa, Penya village, Yeshwanthpur Hobli Bangalore North Taluk. (Transferor)
- (2) The Railwaymen's House Building Co-operative Society Ltd. S. Rly Institute Buildings, M. G. Rly. Colony, Bangalore. Rep. by its Chairman Sri E Maseranhas and Hon. Secy. Sri K. Srinivasa Rao. (Transferee)
- (3) Sri V. Narayanaswamy S/o Sri Venkataramanappa, Penya Village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore South Taluk. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3435/78/79 Dated 9-11-78]

About two acres of land in Sy. No. 1 Jarakabande Kaval Village, Yalahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in Bangalore city Corporation Division No. 2).

Boundaries :

East by—Society's Land
West by—Sri Mallaiah's Land
North by—Sri M. K. Thimmaiah's Land and
South by—Sri Perumal Naidu's Land

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. No. 62/23274/79-80/Acq/b.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. About two acres of land in S. No. 1 situated at Jarakabande kaval village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 3436/78-79 on 9-11-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Hanumakka W/o Mr. Chikkanna, Harijan Colony, Rajajinagar, Bangalore (Div. 11), Rep. by her P.A. holder Shri Narayanaswamy S/o Venkataramanappa, Peenya village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) The Railwaymen's House Building Co-operative Society Ltd. S. Rly Institute Building, M.G. Road Colony, Bangalore. Rept. by its Chairman Shri E. Mascarnhas and Hon. Secy. Sri K. Srinivasa Rao.

(Transferee)

(4) Sri V. Narayanaswamy S/o Sri Venkataramanappa, Peenya Village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore North Taluk.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Doc. No. 3436/78-79]

Dt. 9-11-78.]

About two acres of land in S. No. 1 Jarakabande Kaval Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries :

E : Sri Thimma Setty's Land
W : Road leading to Luggeri Village
N : Munirasappa's Land and
S : Sri M. K. Thimmaiah's Land

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-6-1979

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. No. 62/23275/79-80/ACO/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

About two acres of land in S. No. 1, situated at Jarakabande Kaval Village, Yelhanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 3437/78/79 on 9-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri M. K. Thimmaiah S/o Kalase Gowda, No. 1080, 12th Main Road, Vyalikaval Extn. Bangalore-3.
Rept. by his P.A. holder Shri V. Narayanaswamy S/o Venkataramappa, Peenya Village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) The Railwaymen's House Building Co-operative Society Ltd. S. Ry. Institute Buildings, M. G. Ry. Colony, Bangalore. Rept. by its Chairman Sri B. Mascarenhas and Hon. Secy. Sri K. Srinivasa Rao.

(Transferee)

(4) Sri V. Narayanaswamy S/o Sri Venkataramappa, Peenya Village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore North Taluk.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3437/78-79. Dated 9-11-78]

About two acres of land in Sy. No. 1 Jarakabande Kaval Village, Yelhanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries :

E : Remaining portion of S. No. 1
W : Sri Mallaiah's Land
N : Sri Chikkanna's Land and
S : Sri K. B. Devaraja's Land

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-6-1979

Seal :

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. 62/23276/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. About two acres of land in S. No. 1, situated at Jarakabande Kaval village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now in the Bangalore Corporation Division No. 2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 3438/78-79 on 9-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri C. Mallaiah S/o Shri Chikka Chenne Gowda, No. 132, IV Cross, 12th Main Road, Hanumanthnagar, Bangalore.
Rep. by his power of Attorney holder
Sri V. Narayanaswamy S/o Venkataramanappa, Penya Village, Yeswantpur Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) The Railwaymen's House Building Co-operative Society Ltd. S. Rly Institute Buildings, M.G. Rly. Colony, Bangalore, Rept. by its President Shri E. Maseeranhas and Hon. Secy. Sri K. Srinivasa Rao.

(Transferee)

(4) Sri V. Narayanaswamy S/o Sri Venkataramanappa, Penya Village, Yeswantpur Hobli, Bangalore North Taluk.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3438/78-79, dated 9-11-1978)
About two acres of land in Sy. No. 1, Jarakabande Kaval Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries :

East : Sri M. K. Thimmaiah and Sri K. P. Devaraj's lands.

West : Sri Papanna's lands,

North : Kanteerava Studio and Remaining and

South : Portion of Sri C. Mallaiah's land.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. No. 62/23284/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. About two acres of land in Sy. No. 1, situated at Jarakabande Kaval Village, Yelhanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now in the Bangalore Corporation Division No. 2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 3699/78-79 on 23-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri C. Mallaiah S/o Sri Chikkachenegowda, No. 132, IV Cross, 12th Main Road, Hanumanthnagar, Bangalore.
Rept. by his Power of attorney holder Shri V. Narayanaswamy S/o Venkataramanappa, Penya Village, Yeswanthpur Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) Hh: Railwaymen's House Building Co-operative Society Ltd. S. Rly. Institute Buildings, M.G. Rly. Colony, Bangalore, Rept. by its President Shri E. Maseranhas and Hon. Secy. Sri K. Srinivasa Rao.

(Transferee)

(4) Sri V. Narayanaswamy S/o Sri Venkataramanappa, Penya Village, Yeswanthpur Hobli, Bangalore North Taluk.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3699/78-79 Dated 23-11-78]

About two acres of land in Sy. No. 1 Jarakabande Kaval Village, Yelhanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries :

E : M. K. Thimmaiah and K. P. Devaraj's Lands.
W : Papanna's land,
N : Land sold to Railwaymen House Building Co-operative Society Limited Bangalore-23 and
S : Chittunde Ramaiah's land.

P. RANGANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22-196 GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 29th June 1979

C.R. No. 62/22698/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 88/9 and Southern side of No. 88/10, situated at Coles Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 2322/78-79 on 23-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Pyaree Begum
2. Sri Mohamed Abdul Rahim
3. Sri Mohamed Abdul Kareem
4. Sri Mohamed Abdul Khader
5. Sri Mohamed Abdul Subhan
6. Smt. Fatima Bee
7. Smt. Subgra Begum
8. Smt. Sysha Begum
Sl. No. 2 to 8 children of late Hajee Mohamed Abdulla Hussain and are residing at No. 4, Bore Bank Road, Bangalore.
Nos. 1, 3, 4, 5, 6, 7 and 8 rep. by duly constituted attorney Sri Mohamed Abdul Rahim No. 2 above named.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mohamed Margoob Hussain,
2. Sri Masood Abdul Khader
Children of H. Moshamad Ismail and residing at No. 88/3, Coles Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2322/78-79 Dated 23-11-78]

All that house ground and premises bearing Municipal No. 88/9, Coles Road, Bangalore, Division No. 47, being the ground floor property together with the Southern side house property bearing Municipal No. 88/10, Coles Road, Bangalore.

Boundaries :

East : Syndicate Bank building,

West : Coles Road Cross,

North : Property bearing No. 88/3, in the ground floor and northern side portion No. 88/10, now belonging to M/s. Sheik Budden Sahib and others, and

South : Premise No. 88/11, Coles Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 29-6-79

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th June 1979

Ref. No. ASR/79-80/70.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house situated at Durgiana Abadi, Mohalla Lajpat Rai Old construction (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar city on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Madan Mohan Sharma s/o Sh. Ralika Ram r/o Amritsar Durgiana Abadi Mohalla Lajpat Rai at present 16/5330 Block No. 4, Dev Nagar, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Asha Rani w/o Sh. Mohan Lal, Amritsar, Durgiana Abadi House No. 377/16-4, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any***
S/Shri
 - 1. Vaid Kam Rakha
 - 2. Som Nath
 - 3. Raghunath Prashad
Mohalla Lala Lajpat Rai, Durgiana Abadi Amritsar.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. 201, 376, 377/16-4 situated at Amritsar Durgiana Abadi Mohalla, Lajpat Rai (Old construction) as mentioned in registered sale deed No. 2909/I dated 9.11.78 of the registering Authority, Amritsar city.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date : 18-6-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th June 1979

(1) Sh. Sikandar Singh s/o Sh. Malak Singh r/o village Muchrai tehsil Batala Distt. Gurdaspur
(Transferor)(2) Sh. Balwant Singh s/o S. Jawahar Singh and Manjit Singh s/o S. Balwant Singh, Bazar Mai Sewan, Amritsar.
(Transferee)(3) S/Shri
1. Mulakh Raj
2. Ajit Singh
3. Jagjit Singh
Bazar Atta Mandi, Amritsar.
(Person in occupation of the property)(4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

1/2 share in property No 2120/VI-10 to 2125/VI-10 area 173.25 sq. mtrs situated at Bazar Atta Mandi, Amritsar (Purani Imparai) as mentioned in the sale deed No. 3020/1 dated 16-11-78 of the registering authority Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date : 18-6-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th June 1979

Ref. No. ASR/79-80/72.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house No. 4920 situated at Amar Kot near Khalsa College Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), to the office of the Registration Officer at Amritsar on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Harcharan Singh s/o Sh. Dalip Singh r/o House No. 4920, Amar Kot Near Khalsa College, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shmt. Gurbachan Kaur w/o Sh. Satwinder Singh, Chowk Goal Hatti, Amritsar (Hall Bazar).
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar,

Date : 18-6-79
Seal :

FORM I.T.N.S.——

(1) S. Teja Singh s/o S. Sunder Singh, Guru Ram Dass Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. New Drill Machine Corporation Prop. Sh. Mikka Singh s/o Sh. Baldev Singh, Guru Nanak Pura, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. ASR/79-80/73.—Whereas, I, M. K. DHAR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot with structure situated at East Mohan Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar city on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

THE SCHEDULE

One plot No. 145 with structure measuring 208.3 sq. mtrs situated in East Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2796/I dated 3.11.78 of the Registering Authority, Amritsar city.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar,

Date . 30-6-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shmt. Pritam Kaur w/o Sh. Sewa Singh r/o Gali No. 2, Hukam Singh Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Sadrik Sohan Lal s/o Sh. Sohan Lal r/o 120, Bhiwani Nagar, Majitha Road, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1979

Ref. No. ASR/79-80/74.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot, situated at Gopal Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar city in December 1978 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot bearing private No. 1 5-6 situated in Gopal Nagar (Sabarben Abadi, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3497/1 dated 22.12.78 of the registering authority Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar,

Date . 30-6-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Ved Bias s/o Sh. Girdhari Lal r/o Main Bazar, Pathankot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1979

Ref. No. APTK/79-80/75.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 48K 13M situated at Village Harial Tehsil, Pathankot, Distt. Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Krishan Lal s/o Munshi Ram s/o Nagar Mal Mahajan R/o H. No. 3350 'I, Katra Bhagwan, Amritsar.
- (2) As at Sr. No. 2 owner and tenant(s) i/f any (Person in occupation of the property)
- (3) Any other person(s) interested in the Property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 48 kanals 13 marlas, situated in village Harial, Tehsil Pathankot, Distt. Gurdaspur as mentioned in the registered deed No. 1564 dated 2.11.78 of the registering authority, Pathankot.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Amritsar,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Jagan Nath s/o Sh. Mathura Dass r/o Village
Diri wala, Teh. Pathankot, Distt. Gurdaspur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1979

Ref. No. PTK/79-80/76.—Whereas, I, M. K. Dhar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 29K, situated at village Ladhoo Chak, Teh. Pathankot

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Sh. Sanjeev Kumar s/o Sh. Raj Pal Gupta, s/o Sh. Dewan Chand, r/o Mission Road, Garden Colony, Pathankot
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 29 kanals, situated in village Ladhoo Chak, Tehsil Pathankot as mentioned in the registered deed No. 1644 dated 10-11-78 of the registering authority, Pathankot.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 2-7-79
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—196GI/79

FORM ITNS—

(1) Sh. Om Parkash s/o Karam Chand s/ Sh. Chet Ram r/o Abrol Nagar, Pathankot.
(Transferor)

(2) Shmt. Shimla Devi w/o Sh. Darshan Singh r/o Village Niwala Teh. Pathakot, Distt. Gurdaspur.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1979

Ref. No. PTR/79-80/77.—Whereas, I, N. K. DHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land situated at Nand Pur (Abrol Nagar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in November, 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties less not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 31M 65 sq. yds. situated in Nand Pur Abrol Nagar, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 1668 dated 15.11.78 of the registering authority, Pathankot.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Amritsar,

Date : 2-7-79
Seal :

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1979

Ref. No. PTK/79-80/78.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at Anand Pur, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kharaiti Lal s/o Sh. Malawa Ram Mahajan and Sh. Ashok Kumar s/o Khazan Chand through Sh. Gurpreet Kumar s/o Master Karam Chand, r/o Pathankot-Mukhtar-Aam. (Transferor)
- (2) S/Shri Tarlok Singh, Joginder Singh ss/o Jaswant Singh 59, Model Town, Pathankot. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 kanals 1 marla 85 sq. yds situated at Anand Pur, Pathankot as mentioned in the registered deed No. 1710 dated 18.11.78 of the registering authority, Pathankot.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-7-79

Seal :

FORM ITNS

1. Shri Kishan Kumar s/o Sh. Ghanshyam Dess r/o Gurgaon.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

2. Shmt. Janak Kapur w/o Sh. Om Parkash Kapur r/o 230 Green Avenue, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person(s) in occupation of the Property)

4. Any other person(s) interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ASR/79-80/79.—Whereas I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One piece of land No. 18 Min khasra No. 2291, 2293, 2294 situated at Lawrence Road, Amritsar (area measuring 308.13 sq. mtrs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar city in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 308.13 sq. mtrs situated at Lawrence Road, Amritsar (No. 18 Min khasra No. 2291, 2293, 2294) as mentioned in the registered deed No. 3267/1 dated 5.12.78 of the registering authority Amritsar city.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-79

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

Ref. No. TT/79-80/80.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One house No. 12/272, situated at inside Abadi Purani Bakshiwal Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Taran Taran in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Sh. Kundan Singh s/o S. Bahadar Singh r/o Taran Taran, Distt. Amritsar. (Transferor)
2. Sh. Hari Singh s/o Makhan Singh, 1/2 share Sawinder Kaur w/o S. Hari Singh r/o Mangu Pur Tehsil Kapurthala Distt. Kapurthala. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. 12/272 situated inside Abadi Purani Bagh Bakshiwal Taran Taran, as mentioned in the registered deed No. 5152/ dated 11.12.78 of the registering authority, Taran Taran.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

Ref. No. TL 79-80/81.—Whereas I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One shop Khata No. 12/30 Khasra No. 30/26 situated at Sarhali Road, Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Taran Taran in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. Sh. Joginder Singh s/o Jagat Singh r/o Taran Taran. (Transferor)
2. Sh. Kundan Singh s/o Fauja Singh r/o Sur Singh, Teh Taran Taran. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
 1. M's Agro Industries, Taran Taran.
2. Sh. Joginder Singh s/o Sh. Jagat Singh, r/o Taran Taran. (Person(s) in occupation of the Property)
4. Any other person(s) interested in the property (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One shop bearing khata No. 12/30 khasra No. 30/26 situated at Taran Taran as mentioned in registered deed No. 5404 dated 27-12-78 of the registering Authority, Taran Taran.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-7-79
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

1. Sh. Joginder Singh s/o Jagat Singh r/o Taran Taran.
Distt. Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

Ref. No. TT/79-80/82.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- ad bating

One shop, situated at Sarhali Road, Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Taran Taran in December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Davinder Kaur d/o Bali Singh w/o Sh. Sawaran Singh r/o Patti, Distt. Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
2. Sh. Joginder Singh s/o Jagat Singh, Taran Taran.
(Person(s) in occupation of the Property)

4. Any other person(s) interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop situated at Sarhali Road, Taran Taran as mentioned in the registered deed No. 5405 dated 27-12-78 of the registering authority, Taran Taran.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Gursharan Singh s/o Malak Singh r/o Vill. Veela Bajju Tehsil, Batala.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

(2) S/Shri Harinder Singh & Rajinderpal Singh s/o Balwant Singh r/o 417 Green Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
S/Shri
1. Mulakh Raj
2. Ajit Singh &
3. Jagit Singh } Bazar Atta Mandi, Amritsar.
(Person(s) in occupation of the Property)(4) Any other person(s) interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in property Haveli No. 2120/6-10 & 2123/6-10
purani imaral measuring 198.58 sq. mtrs situated at Bazar
Atta Mandi Amritsar, as mentioned in the sale deed No.
3197/1 dated 29.11.78 of the registering authority Amritsar
city.M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Date : 3-7-79
Seal :

FORM ITNS —

(1) Sh. Ram Singh s/o S. Hari Singh r/o Garden colony
No. 1 Duni Chand Roud, Amritsar.
(Transferor)

(2) Sh. Y. S. Puri s/o Sh. Bikham Singh Puri IAC
Superintendent Engineer, Gandhi Nagar, Jammu.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any other person(s) interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45
days from the date of publication of this notice in
the Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Garden colony, Amritsar mea-
suring 754 sq. mtrs. as mentioned in regd. deed No. 2755/1
dated 2.11.78 of the registering authority Amritsar, city.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-7-79
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

24—196GJ/79

FORM ITNS

(1) Sh. Om Parkash s/o Lal Chand Sh. Prem Kutil
Bombay now at Jangi Shivala, Amritsar.
(Transferor)

(2) Sh. Ved Parkash s/o Sh. Bodh Raj, Smt. Sushila
Devi, w/o Ved Parkash, Sh. Vijay Kumar, Sh. Vipan
Kumar and Sh. Ashok Kumar s/o Sh. Ved Parkash.
Jangi Shivala, Amritsar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in one house 4 1/2 storied No. 2888-2889 and 182/VI-2, situated in Bazar Jangi Shivala, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2820/1 dated 4-11-78 of the registering authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 3/7/79
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. Kali Charan s/o Sh. Lal Chand 10/2 Azad Nagar, Bombay through Sh. Om Parkash Attorney.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

R. I. No. ASR/79-80/86.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1 share one house situated at Jangi Shivala Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City on 19 November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sh. Ved Parkash s/o Bodh Raj and Sushila Devi w/o Sh. Ved Parkash, Janak Raj, Sh. Vijay Kumar and Sh. Ashok Kumar ss/o Sh. Ved Parkash, Bajar Jangi Shivala, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].

(4) An other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1/2 share in one house 41 storied No. 2888, 2889 and 182/VI-I, situated at Bajar Jangi Shivala as mentioned in the sale deed No. 2862/I dated 7-11-78 of the registering authority, Amritsar.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 3/7/79

Seal :

FORM ITNS

(3) Sh. Sant Singh s/o Isher Singh
r/o 69, Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, th 3rd July 1979

Ref. No. ASR/79-80/87.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
One shop, situated at Ktr. Kanahia Bazar Chamrewala, Amritsar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Amritsar City in November 1978,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Sh. Jarnail Singh s/o Guraditta Mal,
r/o Shop No. 662/1 Bazar Chamrewala, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
Sh. Sadhu Ram c/o property situated at Bazar Chamrewala Amritsar.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].
Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One shop Number Purana 662/1 Nili Plate Number 348/1-2, situated at Katra Kanahia Bazar Chamrewala, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3040/1 dated 17-11-78 of registering authority, Amritsar city.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 3/7/79

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Om Parkash, Ashok Kumar ss/o Jagat Mitter
r/o Bhilowal Tehsil Ajnala Distt. Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land, situated at village Bhilowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at S.R. Ajnala in December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Jaswant Singh, Puran Singh, Jagir Singh, Gurmit Singh ss/o Udham Singh village Bhilowal Tehsil Ajnala Distt. Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64 kanals situated in village Bhilowal Tehsil Ajnala as mentioned in the sale deed No. 3248 dated 1st December 1978 of the registering authority Ajnala.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 17-7-1979
Seal :

FORM ITNS

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land situated at Village Bhindi Aulakh Teh. Ajnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Ajnala in December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Partap Singh s/o Assa Singh, Chanan Singh, Jiven Singh s/o Partap Singh r/o Bhindi Saida Tehsil Ajnala. (Transferor)
- (2) Shri Mukhtiar Singh, Jagtar Singh, Balkar Singh s/o Ajit Singh r/o Bhindi Aulakh Tehsil Ajnala. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 150 kanals situated in village Bhindi Aulakh Tehsil Ajnala as mentioned in the sale deed No. 5328 dated 5th December 1978 of the registering authority Ajnala.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) S. Pritam Singh Bedi s/o Puran Singh Bedi, r/o Gurdaspur now tehsil Bassi Pathana Distt. Patiala through Sh. Harbans Lal s/o Sh. Chuni Lal Mukhtar-Asam r/o Pathankot.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi wd/o Late Lt. Col. D. R. Ram Pal, Sh. Palma Nand, Bishambar ss/o Late Col. D. R. Ram Pal s/o Sh. Chuni Lal Ram Pal c/o Major N. K. Ram Pal r/o Tehsil Pathankot, Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One house on plot of land measuring 1 K. Anandpur Abrol Nagar, Pathankot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Pathankot in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house on plot of land measuring 1 kanal 0 marla situated in Anand Pur, Abrol Nagar Pathankot as mentioned in sale deed No. 1592 dated 6-11-78 of the registering authority, Pathankot.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One building No. 548/5, situated at Lachhman Sar Bazar Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Inder Singh,
Surjit Singh s/o Sham Singh and
Smt. Kaur Kaur wd/o S. Sham Singh,
Green Avenue, Amritsar.

(Transferors)

(2) Smt. Inderpal w/o Inderjit and Charanjit Kaur,
w/o S. Harinder Singh ktr. Dal Singh, Amritsar.

(Transferees)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
Shri Narain Singh c/o property.

(4) Any other person(s) interested in the property,
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 548/5 situated in Lachhman Sar Bazar, Amritsar (area 155 sq. mtrs.) as mentioned in the registered sale deed No. 3175/I dated 27-11-78 of the registering authority Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79

Seal :

FORM ITN/—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural Land, situated at Jagatpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhabal Kalan in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Sh. Wasan Singh, Sulakhan Singh and Darshan Singh s/o Inder Singh Village Jagatpur. (Transferor)
- (2) Sh. Taru Singh, Darbura Singh and Guljar Singh s/o S. Rura Singh village Sangma Teh. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 42 kanals 3 marlas situated in village Jagatpur as mentioned in sale deed No. 708 dated 13-11-78 of the registering authority Jhabal Kalan.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25—196GI/79

FORM ITNS

(1) Shri Shangara s/o Bahadur,
Village Jhander Mahan Purkhan Tehsil Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Agricultural land, situated Jhander Mahan Purkhan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) Giani Major Singh,
Shri Satwant Singh, Mehar Singh, Tarmel Singh
s/o Harbhajan Singh,
r/o Jhander Mahan Purkhan, Tehsil Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 47 kanals, No. Khata 14/19 situated in village Jhander Mahan Purkhan, Tehsil Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 4678 dated 13-11-78 of the Registering Authority, Taran Taran.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

Smt. Kartar Kaur d/o Rain Kaur,
r/o Majitha, Tehsil Amritsar,
through Shri Jagpt Singh Mukhtar Aam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. --Whereas, I. M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at Majitha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (2) S/Sh. Ajit Singh, Balkat Singh, Sucha Singh, ss/o Sh. Waryam Singh, r/o Majitha Tehsil Amritsar, (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 kanals 15 mafas situated in village Majitha Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4217 dated 17-11-78 of the registering authority Amritsar tehsil.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17/7/79

Seal :

FORM ITNS

(1) S. Rajinder Singh s/o S. Jagbir Singh,
r/o Kotla Dal Singh Tehsil Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

(2) Shri Gurdip Singh, Surjit Singh, ss/o Shri Shangara Singh,
Sh. Lakha Singh Balkai Singh,
Harbhej Singh ss/o Uppar Singh,
1/o Kala Ghanupur Tehsil Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR,
being the Competent Authority, under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Agricultural land, situated at village Kotla Dal Singh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Amritsar Tehsil in November, 1978,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 46 kanals 16 marlas 1/3 of
140 kanals 10 marlas Min Kila No. 22/1, 2, 3, 8, 9, 10, 11,
12, 19, 20 21 Min. 22, 23/4, 5, 6, 7 Min. 15 Min. 16 Min.
25 Min. 32/1, 9 Min. 10 Min. 12/1, 2 situated in village
Kotla Dal Singh Tehsil Amritsar.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 17/7/79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at Kotla Dal Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

- (1) Smt. Harinder Kaur w/o S. Jagbir Singh, r/o Kotla Dal Singh Tehsil Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Gurdip Singh, Shri Sutjit Singh s/o Sh. Shingara Singh Sh. Balkar Singh, Sh. Lukha Singh, Harbhher Singh s/o Uppal Singh, r/o Kala Gheonpur Tehsil Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 46 kanals 16 malas situated in village Kotla Dal Singh, as mentioned in the sale deed No 4220 dated 17-11-78 of the registering authority Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79

Seal :

FORM ITNS

(1) S. Raminder Singh s/o S. Jagbir Singh, r/o village Kotla Dal Singh. (Transferor)

(2) S. Gurdeep Singh, Surjit Singh s/o Shangara Singh 1/2 Shri Lakha Singh, Balkara Singh, Harbhaji Singh s/o Uppar Singh 1 share r/o village Kotla Dal Singh. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at Kotla Dal Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the **Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the **Official Gazette**.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1/3 of 140 kanals 10 marlas situated in village Kotla Dal Singh as mentioned in the sale deed No. 4221 dated 17-11-78 of the registering authority Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.00/- and bearing

Agricultural land, situated at Dhundha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Taran Taran in November, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jaswant Kaur w/o Sh. Tara Singh, Village Dhundha Tehsil Taran Taran, Distt. Amritsar.
- (2) Sh. Inder Singh s/o Bachan Singh 1, Kashmir Kaur, w/o Jaginder Singh 1, Dalbir Kaur w/o Lassa Eingh 1, village Cheema, Tehsil Patti.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person] in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 82 kanals 13 marlas khata No. 89/271, situated at village Dhundha, as mentioned in the sale deed No. 4770 dated 17-11-78 of the registering authority, Taran Taran.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at Village Dhand, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jhabal Kalan in November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Parabhjodh Singh Paramjit Singh, Smt. Parabdin Kaur d/o Sh. Sooba Singh, Nabalag Dhand, through Kulwant Singh s/o Bahadur Singh Village Gandola Tehsil Jagadri.
- (2) S. Sewa Singh s/o Waryam Singh, village & P.O. Dhand Distt. Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property, [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 47-8 marlas (Nehri) Khasra No. 113/22/1 256 257 44/19/1 4-40 4-7 4-0 8-0 7-12 17/1 2-18 12/2 5-15 18/8-0 20/2 1-00 109/17/2 2-00, situated in village Dhand as mentioned in the sale deed No. 764 dated 20-11-78 of the registering authority Jhabal Kalan.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79

Seal :

FORM ITNS

(1) Dab Singh College Trust Society, Karnal,
Shri Rattu Ram (Mukhtar Aam).

(Transferor)

(2) Sh. Gurdev Singh Jasbir Singh, Kulbir Singh ss/o
Kirpal Singh,
r/o Village Kotla Gujran Tehsil Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person in occupation of the property].(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at v. Bhagwan, village Kotla Gujranwala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 kanals 6 marlas Khasra No. 86/1 42/12 19/2 20/7/13/1 19/2 42/21 22/1/16/1 situated in village Bhagwan as mentioned in the sale deed No. 4300 dated 2/1 1/78 of the registering authority, Amritsar City.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Agricultural land Village Burjan Abad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) S. Dial Singh College Trust Society Karnal, through Sh. Rati Ram Sharma Mukhtar-E-Aam. (Transferor)
- (2) SSh. Davinder Singh, Balwinder Singh, ss/o Tarlok Singh r/o Burjan Abad Tehsil Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 33 kanals 8 marlas, situated in village Bujran Abad Tehsil Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4305 dated 22-11-78 of the registering authority, Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17/7/79

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Parveen Chand s/o Jagdish Chand,
1/o village Rakh Jheete Tehsil Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated Rakh Jheete, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City in November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 42 kanals 14 marlas situated in village Rakh Jheete as mentioned in the sale deed No. 4356/24-11-78 of the registering authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One house No. 661/3, situated at Gali Pipal Wali Chowk Mana Singh, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Charanjit Kaur, Balbir Kaur, Amarjit Kaur ds/o S. Gajjan Singh, Chowk Mana Singh, Gali Pipal Wali, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Harnam Kaur w/o S. Hardial Singh, Chowk Paragdass, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any S/Sh. Hardeep Singh, Sh. Dcv Raj, Sh. Ram Krishan, Sh. Rattan Singh, Sh. Gurbax Singh, Sh. Ram Lal Sh. Hans Raj and Sh. Parkash Chand.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. 661/3 and new No. 687/III-10 situated at Chowk Mana Singh, Gali Pipal Wali, Amritsar, (area 407 sq. mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 3029/I dated 17-11-78 of the registering authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79

Seal :